Discover your divinity with us
A/C Showroom
ज्ञान गंगा ॐ मूर्ति माला केन्द्र
उजाला भवन स्टेशन रोड, दुर्ग
0788-4030383, 3293199
भगवान के वस्त्र, श्रृंगार
मूर्तियां एवं समस्त
पूजन सामग्री
संगमरमर व पीतल की
मूर्तियां राशि रत्न
एवं उपरत्न उपलब्ध

राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

समय दर्शन

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

श्री
दुर्ग शहर में
सुप्रसिद्ध
ज्योतिषाचार्य
पं. एम.पी. शर्मा/
मो. 8109922001
फीस 251/- मात्र
पता:- श्री दुर्गा ज्योतिष कार्यालय
सिकोला भाठा, सब्जी मार्केट के
सामने, धमधा नाका, दुर्ग

वर्ष 15, अंक 74 | पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये | दुर्ग, गुरूवार 22 जनवरी 2026 | www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ में जेल भेजे गए 13 किन्नर में 7 एचआईवी पॉजिटिव मिले, हड़कंप मचा

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले में एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां पिछले दिनों जेल भेजे गए 13 किन्नर में 7 लोग ह्यूमन इम्यूनोडिफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) से संक्रमित पाए गए हैं। इसकी जानकारी मिलते ही जेल में हड़कंप मच गया है। जेल प्रशासन ने स्वास्थ्य प्रोटोकॉल को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है और कुछ नमूने जांच के लिए भेजे हैं। प्रशासन ने संक्रमित किन्नरों को अन्य कैदियों से अलग दूसरे बैरक में रखा है।

शहर के कोतवाली क्षेत्र के अचलपुर मोहल्ले में रविवार को किन्नर मिस्बा और किन्नर अंजलि गुट के बीच किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ था। दोनों में खूब मारपीट हुई। इसके बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के 13 किन्नरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और सोमवा को उन्हें जेल भेज दिया। जेल में किन्नरों की वास्तविकता जानने के लिए डॉक्टरों ने जांच की तो एक किन्नर पुरुष मिला, जबकि 7 किन्नर प्रारंभिक जांच में एचआईवी संक्रमित मिले। जेल प्रशासन ने बताया कि सभी किन्नरों के नमूने लेकर उन्हें जांच के लिए भेजा गया है। तब तक संक्रमित किन्नर सभी कैदियों से अलग दूसरे बैरक में रखे गए हैं। अन्य किन्नरों के भी अलग रखा गया है। पुलिस का कहना है कि जेल में सावधानी बरती जा रही है। जेल अधीक्षक ने किन्नरों के संपर्क में आए सभी लोगों से अपनी जांच कराने की सलाह दी है। मामले से जिले में हड़कंप मच गया है।

पाकिस्तान और सूडान की श्रेणी में आया बांग्लादेश? भारत ने अपने राजनयिकों के परिवार को बुलाया

नईदिल्ली। बांग्लादेश में चिंताजनक हालात को देखते हुए भारत ने अपने सभी राजनयिकों के परिवारों को वापस बुला लिया है। हालांकि, राजनयिक सभी मिशनों पर तैनात रहेंगे। केंद्र सरकार ने यह फैसला तब लिया है, जब बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव होने वाले हैं और वहां हालात तनावपूर्ण हैं। विदेश मंत्रालय की ओर से अभी इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन कहा जा रहा है कि सभी परिवार जनवरी के अंत तक भारत आ जाएंगे।

सूत्रों ने बताया कि भारत ने बांग्लादेश को %गैर-पारिवारिक% राजनयिक तैनाती स्थल के रूप में दर्ज करने का फैसला किया है। इसका मतलब है कि बांग्लादेश में तैनात होने वाले राजनयिक अब अपने पति-पत्नी और बच्चों समेत परिवार के अन्य सदस्यों को साथ नहीं ले जा सकेंगे। मंत्रालय ने गैर-परिवारिक मिशन की यह श्रेणी इराक, अफगानिस्तान, पाकिस्तान और दक्षिण सूडान जैसे कुछ तनावग्रस्त और अशांति देशों के लिए ही लागू की थी। अब इसमें बांग्लादेश भी शामिल हो गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, बांग्लादेश के लिए यह फैसला 1 जनवरी, 2026 से लागू हो गया है और भारतीय अधिकारियों को सूचित किया गया है कि वे पति या पत्नी और बच्चों को जल्द भारत वापस भेंज दें। इसके अलावा अधिकारियों के बच्चे अभी बांग्लादेश के स्कूल में पढ़ाई कर रहे हैं, उन्हें अतिरिक्त 7 दिन का समय वापसी के लिए दिया गया है। बांग्लादेश में अभी कितने राजनयिकों के परिवार हैं, इस बारे में भी कोई जानकारी नहीं मिली है।

रिपोर्ट के मुताबिक, ढाका स्थित भारतीय दूतावास समेत चटगांव, खुलना, सिलहट और राजशाही में स्थित भारतीय महावाणिज्य दूतावास खुले रहेंगे और अपनी पूरी क्षमता के साथ काम करेंगे। हालांकि, यहां काम करने वाले अधिकतर राजनयिकों ने अपने परिवारों को बेहद कम समय के नोटिस पर भारत भेज दिया है। बता दें कि बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार है। उनके आने के बाद दिल्ली के साथ ढाका के रिश्तों में कड़वाहट आई है।

बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के बाद अल्पसंख्यक खासकर हिंदुओं के खिलाफ हमले बढ़ गए हैं। पिछले 7 महीने में 116 अल्पसंख्यकों की हत्या की गई है, जिसमें सबसे अधिक हिंदू है। इसके अलावा बांग्लादेश में 12 फरवरी को आम चुनाव भी होने हैं, जिससे तनाव बढ़ने की आशंका है। संभावना है कि भारत ने खुफिया जानकारी के आधार पर यह फैसला लिया हो। पिछले दिनों बांग्लादेश में तनाव के दौरान कई भारतीय उच्चायोग कार्यालयों पर हिंसक प्रदर्शन हुए थे।

उदयनिधि स्टालिन को मद्रास हाई कोर्ट से झटका, सनातन धर्म पर बयान को नफरती भाषण माना

चेन्नई। तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को मद्रास हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनके सनातन धर्म को लेकर दिए बयान को हेट स्पीच बताया है। कोर्ट ने कहा कि द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (डीएमके) द्वारा हिंदू धर्म पर स्पष्ट हमला किया गया है। इसी के साथ कोर्ट ने भाजपा नेता अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज एफआईआर को भी रद्द कर दिया है। बता दें कि 2023 में उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना बीमारियों से की थी।

छत्तीसगढ़ की कला आयरलैंड तक पहुँचना गौरव का विषय : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय

छत्तीसगढ़ की कला आयरलैंड तक पहुँची: डबलिन में छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की गूंज

रायपुर (समय दर्शन)। आयरलैंड की राजधानी डबलिन में भारत की सांस्कृतिक विविधता की एक सशक्त झलक देखने को मिली, जब स्टेट कल्चरल इवेंट सीरीज़ के तहत भारतीय दूतावास, डबलिन द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य पर केंद्रित भव्य सांस्कृतिक आयोजन का सफ्ल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में आयरलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय के सदस्यों ने भी उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

कार्यक्रम का उद्घाटन आयरलैंड में भारत के राजदूत श्री अखिलेश मिश्रा द्वारा किया गया। उन्होंने छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय परंपराओं और राज्य की विशिष्ट पहचान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि ऐसे आयोजन भारत की विविधता को वैश्विक मंच पर सशक्त रूप से प्रस्तुत करते हैं।

आयोजन के दौरान छत्तीसगढ़ पर आधारित एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई, जिसमें राज्य की कला, संस्कृति, परंपरा और विकास यात्रा को प्रभावशाली ढंग से दर्शाया गया। इसके साथ ही छत्तीसगढ़ के पारंपरिक हस्तशिल्प की प्रदर्शनी ने आगंतुकों को विशेष रूप से आकर्षित किया, जहाँ राज्य की कारीगरी की बारीकी और सौंदर्य को सराहा गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की कड़ी में पारंपरिक वेशभूषा में प्रस्तुत लोक नृत्य और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने समां बांध दिया। कलाकारों की जीवंत प्रस्तुतियों ने छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति की आत्मा को आयरलैंड की धरती तक पहुँचा दिया और दर्शकों से भरपूर प्रशंसा प्राप्त की।

कार्यक्रम का समापन छत्तीसगढ़ के पारंपरिक व्यंजनों के साथ हुआ, जिसने उपस्थित अतिथियों को राज्य की स्वादिष्ट पाक-परंपरा से परिचित कराया। कुल मिलाकर यह आयोजन छत्तीसगढ़ की कला, संस्कृति और पहचान को अंतरराष्ट्रीय मंच पर स्थापित करने की दिशा में एक उल्लेखनीय पहल साबित हुआ।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि आयरलैंड की राजधानी डबलिन में आयोजित छत्तीसगढ़ केंद्रित सांस्कृतिक कार्यक्रम ने छत्तीसगढ़ की समृद्ध कला, संस्कृति और परंपराओं को अंतरराष्ट्रीय मंच पर नई पहचान दिलाई है। उन्होंने इसे छत्तीसगढ़ के लिए गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि प्रदेश की लोकसंस्कृति अब वैश्विक दर्शकों तक पहुँच रही है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि स्टेट कल्चरल इवेंट सीरीज़ के अंतर्गत भारतीय दूतावास, डबलिन द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम भारत की सांस्कृतिक विविधता और एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को सशक्त रूप से प्रस्तुत करता है। उन्होंने इस आयोजन के लिए भारतीय दूतावास और आयरलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय की सराहना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की जनजातीय कला, हस्तशिल्प और लोक परंपराएँ राज्य की पहचान का मूल आधार हैं। आयरलैंड में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से छत्तीसगढ़ की हस्तकला, पारंपरिक वेशभूषा और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को अंतरराष्ट्रीय दर्शकों ने सराहा, यह राज्य के कलाकारों और कारीगरों के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि ऐसे सांस्कृतिक आयोजनों से पर्यटन, हस्तशिल्प और स्थानीय उत्पादों को भी वैश्विक स्तर पर नई संभावनाएँ मिलती हैं। छत्तीसगढ़ सरकार राज्य की कला-संस्कृति के संरक्षण और प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर प्रयासरत है।

भारत में रीजनल यात्री विमान बनाने की तैयारी, सरकार खर्च करेगी 12,500 करोड़ रुपये

नईदिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार देश में एक रीजनल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट विकसित करने के लिए एक खास कंपनी यानी स्पेशल पर्पस व्हीकल (एसपीवी) बनाने की योजना पर काम कर रही है।

रिपोर्ट के अनुसार, इस प्रोजेक्ट पर करीब 12,511 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। सबसे अहम बात यह है कि इस रकम का बड़ा हिस्सा विमान के डिजाइन से ज्यादा उसके सर्टिफिकेशन, टेस्टिंग और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर पर खर्च किया जाएगा, जिससे सिविल विमान निर्माण की जटिलता साफ दिखती है।

प्रस्तावित एसपीवी को एक डेडिकेटेड प्लेटफॉर्म के रूप में तैयार किया जाएगा, जो पूरे एयरक्राफ्ट प्रोजेक्ट को डिजाइन से लेकर सर्टिफिकेशन और फिर प्रोडक्शन तक आगे बढ़ाएगा। इसका मकसद सरकारी सहयोग, तकनीकी भागीदारों और इंडस्ट्री से जुड़े लोगों को एक साथ लाना है। केंद्र सरकार इस एसपीवी के जरिए फंडिंग, साझेदारी और कामकाज के बेहतर तालमेल को सुनिश्चित करना चाहती है, ताकि जिम्मेदारियां अलग-अलग एजेंसियों में बंटने से बच सकें। इस प्रोजेक्ट में अंतरराष्ट्रीय तकनीकी विशेषज्ञों की भूमिका भी अहम होगी। डिजाइन, सर्टिफिकेशन और फ्लाइट टेस्टिंग के लिए एक विदेशी नॉलेज पार्टनर को शामिल करने का प्रस्ताव है, जिस पर करीब 750 करोड़ रुपये खर्च हो सकते हैं। इसका मकसद यह सुनिश्चित करना है कि विमान वैश्विक सुरक्षा मानकों पर खरा उतरे। खास तौर पर अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत सर्टिफिकेशन के लिए विदेशी अनुभव और तकनीकी सलाह को जरूरी माना जा रहा है। प्रस्ताव के अनुसार, सिर्फ सर्टिफिकेशन पर ही 2,500 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च होने का अनुमान है।

इसरो के पिछले 12 महीनों में 3 उपग्रह नष्ट, प्रतिस्थापन में लग सकते हैं 2-3 साल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) को पिछले 12 महीनों में असफल हुए मिशनों के कारण नष्ट हुए 3 राष्ट्रीय सुरक्षा उपग्रहों को प्रतिस्थापित करने में 2-3 वर्ष का समय लगेगा। इसके पीछे वजह रॉकेट और उपग्रहों में इस्तेमाल होने वाली सामग्री की आपूर्ति में लगने वाला समय है। पिछले 6 प्रक्षेपणों में से 3 विफल हुए, जिनमें जीएसएलवी-एफ15, पीएसएलवी-सी62 और पीएसएलवी-सी62 मिशन शामिल हैं। नष्ट हुए तीनों सरकारी वित्त पोषित उपग्रह भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण थे।

इसरो के अनुसार, रॉकेट्स और उपग्रहों में उपयोग होने वाली कुछ महत्वपूर्ण सामग्रियां और अंतरिक्ष-स्तरीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण आयात किए जा रहे हैं। रॉकेट के लिए आयात का हिस्सा लगभग 10 और उपग्रह के लिए लगभग 50-55 फीसदी है। इसमें मेमोरी चिप्स, सेंसर, ऑनबोर्ड कंप्यूटर, रिले और अन्य वस्तुएं शामिल हैं। इनमें से कुछ पुर्जे अंतरराष्ट्रीय विक्रेताओं से आसानी से उपलब्ध हैं, जबकि कुछ विशेष रूप से बनवाए जाते हैं और उनकी डिलीवरी में समय लगता है।

सभी पुर्जों के उपलब्ध होने पर भी एक पूरे उपग्रह को असेंबल करने, एकीकृत करने और परीक्षण करने में कई महीने और साल भी लग जाते हैं। इसरो अपने अधिकांश उपग्रहों का निर्माण और संयोजन अपने ही प्लांट्स में करता है। इसलिए, भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी को असफल मिशनों को फिर से पूरा करने के लिए अपने मानव संसाधनों का पुनर्वितरण करना होगा, साथ ही विभिन्न चरणों में चल रहे मिशनों को प्राथमिकता देनी होगी।

अगस्त, 2021 में जीएसएलवी रॉकेट के क्रायोजेनिक चरण में खराबी के कारण इसरो पृथ्वी की छवि लेने वाले भूस्थिर उपग्रह जीसैट-1 को लॉन्च करने में विफल हो गया। जनवरी, 2026 तक इसके प्रतिस्थापन उपग्रह को कक्षा में स्थापित नहीं किया जा सका है। पिछले साल जनवरी में थ्रस्टर वाल्व के न खुलने के कारण एनवीएस-02 नेविगेशन उपग्रह अपनी गंतव्य कक्षा में नहीं जा सका। अंतरिक्ष एजेंसी अब तक विफल हुए एनवीएस-02 को प्रतिस्थापित नहीं कर पाई है।

पहाड़ों की बर्फबारी और मैदानों की बारिश से बिगड़ेंगे हालात, राजधानी में फिर गिरेगा पारा

नईदिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत में इन दिनों तापमान में मामूली बढ़ोतरी से ठंड ने थोड़ी राहत दी है, लेकिन अब मौसम एक बार फिर करवट बदलने वाला है। पहाड़ों पर भारी बर्फबारी और मैदानों में बारिश के साथ तेज हवाओं का दौर शुरू होने से कड़ाके की सर्दी लौटने वाली है। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से 22 जनवरी से राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा में बारिश की संभावना है।

जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 22 से 26 जनवरी तक बारिश और भारी बर्फबारी की संभावना बनी हुई है। गुलमर्ग, मनाली, शिमला में बर्फ की चादर बिछी नजर आ सकती है। आईएमडी ने उत्तराखंड में 23-25 जनवरी के बीच भारी बारिश और तेज हवा चलने की चेतावनी जारी की है। इस दौरान तापमान 2-3 डिग्री गिर सकता है और आज शीतलहर चलने के आसार हैं। हिमाचल प्रदेश में 23 जनवरी को भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

राजस्थान में आज से मौसम में बदलाव आ सकता है। यहां 10 जिलों में आंधड़ के साथ बारिश हो सकती है और कुछ जगह ओले गिरने की भी संभावना है।

एआई तैयारी पर आईएमएफ की रैंकिंग से असहमत भारत, अश्विनी वैष्णव ने उठाए सवाल

नईदिल्ली (एजेंसी)। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के क्षेत्र में देशों की तैयारी को लेकर रैंकिंग सूची जारी की है। इस सूची में भारत को दूसरे ग्रुप में रखा गया है, जिस पर केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि भारत एआई के लिए पूरी तरह तैयार है और उसे पहले ग्रुप में रखा जाना चाहिए, क्योंकि देश लगातार तकनीक, डिजिटल सेवाओं और इनोवेशन की क्षमता को मजबूत कर रहा है।

डब्ल्यूईएफ के मंच पर आईएमएफ की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने इंडेक्स ऑफ प्रिपेयर्डनेस की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस इंडेक्स से यह आंका जाता है कि कोई देश एआई के लिए कितना तैयार है। आईएमएफ इस आकलन में फिजिकल इंफ्रास्ट्रक्चर, कामगारों की स्किल, अर्थव्यवस्था में एआई का इस्तेमाल, नियम-कानून और नैतिक ढांचे जैसे चार मुख्य पैमानों को आधार बनाता है, ताकि देशों की वास्तविक स्थिति को समझा जा सके।

केंद्रीय सूचना एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने कहा कि भारत को दूसरे ग्रुप में रखना सही नहीं है। उन्होंने बताया कि एआई आर्किटेक्चर की पांच लेयर होती हैं, जिनमें एप्लीकेशन, मॉडल, चिप, इंफ्रास्ट्रक्चर और एनर्जी शामिल हैं। मंत्री के अनुसार भारत इन सभी स्तरों पर लगातार काम कर रहा है और अच्छी प्रगति कर चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी और निजी दोनों सेक्टर मिलकर एआई को आगे बढ़ा रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि भारत बहुत बड़े एआई मॉडल बनाने के बजाय छोटे और ज्यादा असरदार मॉडल पर ध्यान दे रहा है। उनका मानना है कि अधिकतर काम 20 से 50 अरब पैरामीटर वाले मॉडल से किया जा सकता है। ऐसे मॉडल कई सेक्टर में पहले से इस्तेमाल हो रहे हैं। आईएमएफ की रैंकिंग पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि स्टैनफोर्ड जैसी संस्थाओं ने एआई टैलेंट और तैयारी में भारत को शीर्ष देशों में माना है।

आईएमएफ की इस एआई प्रिपेयर्डनेस रैंकिंग में अमेरिका को पहला स्थान दिया गया है, क्योंकि वहां मजबूत टेक इंफ्रास्ट्रक्चर, रिसर्च और इंडस्ट्री का अच्छा तालमेल है। इसके बाद डेनमार्क और सिंगापुर को टॉप ग्रुप में रखा गया है, जहां डिजिटल गवर्नेंस और स्किल्स पर खास फोकस है। चीन को बड़े पैमाने और तेजी से बढ़ते एआई इस्तेमाल के कारण अहम देश माना गया है। उभरते देशों में सऊदी अरब का नाम भी शामिल किया गया है।

1500 किमी तक कर सकती है वार

गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार दिखेगी भारत की अत्याधुनिक हाइपरसोनिक मिसाइल

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारत इस साल अपना 77वां गणतंत्र दिवस मना रहा है. इस अवसर पर हर साल 26 जनवरी के दिन दिल्ली में कर्तव्य पथ पर भारत दुनिया को अपनी ताकत दिखाता है. जिसे देखने के हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं. इसके साथ ही दुनिया के किसी देश के राष्ट्राध्यक्ष को भी मुख्य अतिथि के तौर पर आमंत्रित किया जाता है. इस बार यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सेंटोस दा कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन मुख्य अतिथि के रूप में कर्तव्य पथ पर मौजूद रहेंगे.

गणतंत्र दिवस परेड के दौरान कर्तव्य पथ पर सभी राज्यों की झांकियों के साथ भारत की तीनों सेनाओं की झांकियां भी निकलती है. जिसमें सेनाओं के पराक्रम और भारत के मिसाइलों, तोपों, टैंक और हथियारों का प्रदर्शन किया जाता है. गणतंत्र दिवस परेड में पहली बार भारत की लॉन्ग रेंज एंटी-शिप हाइपरसोनिक ग्लाइड मिसाइल मिसाइल को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित किया जाएगा. इस मिसाइल को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने विकसित किया है. इस मिसाइल की सबसे बड़ी खूबी उसकी मारक क्षमता है. ये एंटी शिप हाइपरसोनिक मिसाइल 1500 किमी तक दुश्मन के ठिकानों को तबाह कर सकती है. इस मिसाइल से हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक स्थिति को बेहद मजबूत मिलेगी. इस मिसाइल को खासतौर पर भारतीय नौसेना की जरूरतों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है. जो हाइपरसोनिक गति से उड़ान भरती है यानी ये मिसाइल ध्वनि की गति से कई गुना अधिक होती है. इसकी तेज रफ्तार के चलते ही दुश्मन के रडार और एयर डिफेंस सिस्टम इसे ट्रेस नहीं कर सकते, जिससे इसे उसके टारगेट से पहले रोकना नामुमकिन है. ये हाइपरसोनिक मिसाइल विभिन्न प्रकार के पेलोड ले जाने में सक्षम है. इसके साथ ही ये समुद्र में तैनात दुश्मन के जहाजों की हथियार प्रणालियों को निशाना बनाने में भी सक्षम है. इसकी तेज रफ्तार समुद्री युद्ध के दौरान इसे बेहद घातक हथियार बना देती है. विशेषज्ञों के मुताबिक, इस मिसाइल से भारतीय नौसेना की स्ट्राइक क्षमता और समुद्री नियंत्रण में बढ़ोतरी होगी. परियोजना के निदेशक ए. प्रसाद गौड का कहना है कि रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन हाइपरसोनिक ग्लाइड और हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल तकनीक पर तेजी से काम कर रहा है. हाइपरसोनिक मिसाइल का प्रदर्शन गणतंत्र दिवस परेड के दौरान किया जाएगा. जो रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को मजबूत करता है. साथ ही ये दिखाता है कि भारत अत्याधुनिक मिसाइल तकनीक में तेजी से आगे बढ़ रहा है.

आंध्र प्रदेश शराब घोटाला

सुप्रीम कोर्ट ने 3,500 करोड़ रुपये के तीन आरोपियों को अंतरिम राहत दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को आंध्र प्रदेश के कथित 3500 करोड़ रुपये के शराब घोटाले के तीन आरोपियों को अंतरिम राहत दे दी. इनको हाई कोर्ट ने सरेंडर करने के लिए कहा था.

यह मामला चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की बेंच के सामने आया. हालांकि, बेंच ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले में दखल देने से मना कर दिया, जिसने आरोपी को दी गई डिफ़ॉल्ट बेल (वैधानिक जमानत) रद कर दी थी. सुप्रीम कोर्ट ने आरोपी से रेगुलर बेल के लिए ट्रायल कोर्ट जाने के लिए कहा.

पिछले साल 19 नवंबर को हाई कोर्ट ने डिफ़ॉल्ट बेल रद कर दी थी और उन्हें 26 नवंबर को ट्रायल कोर्ट के सामने सरेंडर करने और रेगुलर बेल के लिए आवेदन करने का निर्देश दिया था. इससे पहले, सुप्रीम कोर्ट ने बालाजी गोविंदप्पा, पेल्लकुरु कृष्ण मोहन रेड्डी और के. धनंजय रेड्डी की याचिकाओं पर आंध्र प्रदेश और अन्य को नोटिस जारी किया था और अगले आदेश तक उन्हें सरेंडर करने से रोक दिया था. धनंजय रेड्डी एक रिटायर्ड आईएएस ऑफिसर हैं और मुख्य मंत्री कार्यालय में सचिव थे. कृष्ण मोहन रेड्डी उस समय के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी के ओएसडी थे और बालाजी गोविंदप्पा भारती सीमेंट्स के डायरेक्टर थे. अभियोग पक्ष ने राजनीति-बिजनेस सांठगांठ का आरोप लगाया, जिसमें 2019 और 2024 (पिछली वाईएसआरसीपी सरकार के दौरान) के बीच शराब की खरीद में हेराफेरी, लोकप्रिय ब्रांड्स को दबाना, नए लेबल्स को खास ऑर्डर देना और व्यवस्थित तरीके से रिश्वत लेना शामिल है.

जनता की मूलभूत सुविधाओं की राशि मांग को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले के जनपद पंचायत अंतर्गत जनता को मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं की लंबित राशि की मांग को लेकर जिले के जनप्रतिनिधियों ने मंगलवार को कलेक्टर एवं जिला पंचायत सीईओ के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन के माध्यम से जिले के सभी जनपद पंचायतों से संबंधित तीन प्रमुख बिंदुओं पर मांग रखी गई। इसमें जनता की मूलभूत अधोसंरचना से जुड़ी सुविधा एवं सीसी रोड निर्माण, स्वच्छता के अंतर्गत नाली निर्माण, पेयजल हेतु नल-जल योजना, साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य एवं बिजली से जुड़े कार्यों के लिए आवश्यक राशि की मांग शामिल है।

जनपद सदस्यों को मिलने वाली 15वें वित्त आयोग की राशि का लंबे समय से भुगतान नहीं किए जाने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए शीघ्र भुगतान की मांग की गई है, साथ ही जनपद विकास निधि की 60 प्रतिशत बचत राशि प्रदान करने तथा गौण खनिज मद की राशि प्रत्येक जनपद सदस्य को समान रूप से वितरित करने की मांग भी प्रमुखता से रखी गई। जनपद सदस्य क्षेत्र क्रमांक 03 के प्रतिनिधि वाल्मीकि वर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार बनने के बाद से हर वर्ग इनकी जनविरोधी नीतियों का शिकार है। बीजेपी की कथनी और करनी में जमीन-आसमान का अंतर साफदिखाई देता है।

जनता द्वारा चुने गए जनप्रतिनिधियों को मिलने वाली 15वें वित्त, जनपद विकास निधि एवं गौण खनिज की राशि जो पहले समय पर मिल जाया करती थी आज पूरी तरह से अवरुद्ध है। यह स्थिति क्षेत्र के विधायक एवं प्रदेश के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा की कार्यप्रणाली को उजागर करती है। चुनाव से पहले बड़ी-बड़ी बातें की गईं, लेकिन सत्ता में आते ही जनता की आवाज को अनसुना किया जा रहा है। भाजपा की सरकार में किसान, महिला, युवा, गरीब, मजदूर एवं जनप्रतिनिधि हर वर्ग स्वयं को ठगा हुआ और उपेक्षित महसूस कर रहा है।

खबर-खास

कलेक्टर डॉ संजय कन्नौजे ने गणतंत्र दिवस की तैयारी के लिए खेलभाठा मैदान का किया मुआयना

सारंगढ़-बिलाईगढ़ (समय दर्शन)। कलेक्टर डॉ. संजय कन्नौजे ने गणतंत्र दिवस की तैयारियों के मद्देनज़र खेलभाठा मैदान का मुआयना किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने कार्यक्रम की रूपरेखा, मंच, सुरक्षा एवं दर्शक व्यवस्था का रुपरेखा तैयार किया। कलेक्टर ने लोक निर्माण, विद्युत यांत्रिकी, ग्रामीण यांत्रिकी और नगरपालिका के अधिकारियों को निर्देश दिए कि दर्शकों के लिए बैठक व्यवस्था सुव्यवस्थित, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाई जाए। साथ ही दर्शक दीर्घा (बैठक व्यवस्था) को और बड़ा तथा आकर्षक स्वरूप दें, ताकि अधिक से अधिक लोग कार्यक्रम का आनंद ले सकें। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस का कार्यक्रम गरिमामय और व्यवस्थित होना चाहिए तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो, इसके लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें। इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी सीईओ जिला पंचायत इंद्रजीत बर्मन सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ऑटो एक्सपो शुभारंभ के साथ उपभोक्ताओ में भारी उत्साह

बालोद (समय दर्शन)। राज्य शासन द्वारा 20 जनवरी से शुरू होने वाले ऑटो एक्सपो का भव्य शुभारंभ रायपुर में किया गया जो 5 फरवरी तक चलेगा जिसमें गाड़ी लेने वाले सभी उपभोक्ताओं को आजीवन रोड टैक्स पर 50 प्रतिशत की तत्काल छूट दी जाएगी ठीक इसी तरह यह सुविधा अब जिले में पहली बार अरोरा होंडा बालोद में भी दी जा रही है जहां उपभोक्ता अपनी पसंद की कोई भी गाड़ी लेकर इस सुनहरे अवसर का लाभ अपने ही शहर में ले सकते हैं होंडा शोरूम के प्रोपराइटर अरोरा ने बताया कि यह यह जिले में पहली बार हो रहा है की ग्राहक को 50त्न आरटीओ में तत्काल छूट दी जा रही है इससे पहले ग्राहक को छूट का लाभ लेने के लिए रायपुर जाना पड़ता था जो अब वह अपने निकटतम होंडा शोरूम में ही इसका लाभ ले सकता है साथ ही उन्होंने अधिक से अधिक ग्राहकों को इसका लाभ लेने की अपील की है।

अवैध धान पर भंडारण पर कार्रवाई

महासमुंद(समय दर्शन)। कलेक्टर विनय कुमार लंगेह के निर्देशानुसार जिले में अवैध धान परिवहन एवं भंडारण पर संयुक्त टीम द्वारा सतत निगरानी करते हुए कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में आज दो प्रकरणों में 330 कट्टा अवैध धान जप्त एवं एक कृषक से 21 एकड़ रकबे का समर्पण कराया गया। जिसमें बागबाहरा विकासखण्ड अंतर्गत ग्राम खिराडेरा में अवैध धान के संग्रहण की सूचना प्राप्त होने पर मंडी अमले द्वारा मौके पर कार्रवाई करते हुए 250 कट्टा धान जब्त किया गया। संबंधित प्रकरण में मंडी अधिनियम के तहत विधि सम्मत कार्रवाई की गई। वहीं तहसील बसना अंतर्गत ग्राम अंकोरी में अवैध धान परिवहन करते 80 कट्टा धान जब्त कर मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई किया गया। इसी तरह पिथौरा विकासखंड अंतर्गत ग्राम भुरकोनी (बिराजपाली) में बृजलाल साव के निवास पर धान के संबंध में सत्यापन किया गया। जांच में पाया गया कि किसान का कुल पंजीकृत रकबा 39 एकड़ है, जिसमें से 21 एकड़ रकबे में धान फसल नहीं पाई गई।

कलेक्टर-पुलिस अधीक्षक ने गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों का लिया जायजा

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे एवं पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पाण्डेय ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर शासकीय हाई स्कूल मैदान जांजगीर में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय समारोह की तैयारियों का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने इस दौरान अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य मंच की सजावट, ध्वजारोहण, हर्षफायर, परेड रिहर्सल, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बैठक व्यवस्था, बैरिकेडिंग, पार्किंग व्यवस्था, विद्युत, पेयजल, साउंड सिस्टम, सांस्कृतिक कार्यक्रम, झांकी सहित अन्य आवश्यक तैयारियों के संबंध में निर्देशित किया।

शहीद डोमेश्वर साहू शासकीय महाविद्यालय में व्यक्तित्व विकास हेतु अतिथि व्याख्यान का आयोजन

पाटन (समय दर्शन)। शहीद डोमेश्वर साहू शासकीय महाविद्यालय में दिनांक 19.01.2026 को विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास एवं चरित्र निर्माण हेतु अतिथि व्याख्यान का आयोजन भूगोल विभाग द्वारा किया गया। अतिथि वक्ता के रूप में डॉ. गौरी वर्मा सहा. प्राध्यापक भूगोल, शासकीय महाविद्यालय भाठागाँव रायपुर उपस्थित थी। व्याख्यान का विषय - मानचित्र प्रक्षेप था। उन्होने मानचित्र प्रक्षेप का इतिहास, विशेषताये, महत्व एवं उपयोग को सरल एवं प्रभावशाली ढंग से छात्रों को समझाया। मानचित्र प्रक्षेप के प्रकार बताते हुए भूमध्य रेखीय क्षेत्रों के मानचित्र निर्माण के लिए बेलनाकार प्रक्षेप, मध्यवर्ती अंक्षाशीय क्षेत्रों के मानचित्र निर्माण के लिए शंक्वाकार प्रक्षेप एवं ध्रुवीय क्षेत्रों के मानचित्र निर्माण के लिए ध्रुवीय खमध्य प्रक्षेप का उपयोग किये जाने की जानकारी दी। किसी स्थान के मानचित्र निर्माण में मानचित्र प्रक्षेप का अधिक महत्व होते है। जयश्री, टिशु, खुशबू ने अपनी शंकाओं का समाधान प्रश्नोत्तर के माध्यम से किया। मानचित्र निर्माण की कला में प्रक्षेपों के उपयोग को छात्र - छात्राओं ने सहज - सरल रूप से आत्मसात किया एवं समस्त छात्र - छात्राएं लाभान्वित हुये। प्राचार्य डॉ. शिखा अग्रवाल ने ऐसे कार्यक्रम की सराहना की एवं छात्रों के विषय के प्रति रूचि लेकर गंभीरता से अध्ययन करने के लिए प्रेरित किया।

जगतगुरू शंकराचार्य को स्नान से रोकना भाजपा का हिन्दू विरोधी चरित्र - कांग्रेस

शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान है

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। कांग्रेस ने प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शाही स्नान से रोके जाने और उनके साथ हुए दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है। जिला कांग्रेस कमेटी दंतेवाड़ा द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता को जिला अध्यक्ष सलीम रज़ा उस्मानी, महामंत्री मनीष भट्टाचार्य,महामंत्री व प्रवक्ता विमल सलाम, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गणेश दुर्गा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष विवेक देवांगन ने सँयुक्त रूप से सम्बोधित करते हुए कहा कि खुद को हिंदुओं का मसीहा बताने वाली भाजपा सरकार हिंदु संतों का अपमान कर रही है और आज हालात यह हैं कि शंकराचार्य को अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका है

और पिछले 36 घंटे से अनशन पर बैठने को मजबूर होना पड़ा हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक शंकराचार्य से बातचीत का कोई प्रयास नहीं किया गया। शंकराचार्य जी का अपमान सनातन धर्म का अपमान है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले 40 वर्षों से नियमित रूप से शाही स्नान करते आ रहे हैं और यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड धार्मिक परंपरा से रोका गया है। मौनी अमावस्या का शाही स्नान एक अखंड परंपरा है, भाजपा सरकार ने शंकराचार्य जी को स्नान से रोक कर सनातन परंपरा का अपमान किया है। भाजपा सरकार पिछले 12 वर्षों से केंद्र में सत्ता में है और हिंदुओं के नाम पर राजनीति करती रही है, लेकिन आज वही सरकार शंकराचार्य एवं उनके समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है, उनके शिष्यों को बाल पकड़कर घसीटा जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि शाही स्नान जैसी सदियों पुरानी परंपरा को रोकने का दुस्साहस किसी सरकार को कैसे हुआ, जबकि इस परंपरा को न मुगलों ने रोका था और न ही अंग्रेजों ने।

एक ओर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जेड-प्लस सुरक्षा दी जाती है, वहीं दूसरी ओर शंकराचार्य के समर्थकों के साथ मारपीट की जाती है। शंकराचार्य को उनकी पालकी पर जाने तक की अनुमति नहीं दी जाती। उन्होंने सवाल किया कि क्या मोहन भागवत शंकराचार्य से बड़े हो गए हैं?

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अपराध केवल इतना है कि वे कमियों पर सवाल उठाते हैं, सरकार की आलोचना करते हैं, अयोध्या में आधे-अधूरे राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर आपत्ति जताते हैं, महाकुंभ में अव्यवस्थाओं और कोविड काल के दौरान गंगा में तैरती लाशों का उल्लेख करते हैं।

सीएम को बिलासपुर में क्यों करना पड़ रहा ध्वजारोहण

बिलासपुर। आखिर उन समीकरणों और कारणों की व्याख्या तो होनी ही चाहिए जिनके चलते छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को गणतंत्र दिवस ध्वजारोहण के लिए बिलासपुर का चयन करना पड़ा। 2001- 2003 छत्तीसगढ़ के गठन के बाद जब अजीत प्रमोद योगी को राज्य का मुख्यमंत्री चुना गया तो बिलासपुर का प्रशासनिक, राजनीतिक महत्व तेजी से बड़ा वे बिलासपुर में गणतंत्र दिवस पर ध्वजारोहण करते रहे तभी छत्तीसगढ़ भवन का लोकार्पण भी उन्होंने किया। बिलासपुर से ही प्रदेश के मुख्यमंत्री, बिलासपुर से ही छत्तीसगढ़ विधानसभा अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद शुक्ल यह दबदबा बिलासपुर के लोग भूले नहीं भूलते। उन 3 सालों में बिलासपुर जिले का विकास देखते ही बनता था। एक रात में कितना काम हो सकता है मॉर्निंग वॉक पर निकलने वाले इस पर चर्चा करते थे। जिले का राजनीतिक महत्व भी ईठला कर बोलता था। उनके बाद डॉक्टर रमन सिंह भारतीय जनता पार्टी के मुख्यमंत्री बने और 15 साल बिलासपुर में केवल बिलासपुर विधायक मंत्री अमर अग्रवाल की चली एक 5 साल का काल उसमें ऐसा भी है जब बिल्हा विधायक धरमलाल कौशिक विधानसभा अध्यक्ष बने और बिलासपुर में भाजपाई राजनीति के दो सत्ता केंद्र बन गए। खींचतान चरम पर रही पर एक बार भी डॉक्टर रमन ने छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री होते हुए बिलासपुर में गणतंत्र दिवस की परेड की सलामी नहीं दी।

फिर आया कांग्रेस का शासन मुख्यमंत्री भूपेश बघेल बिलासपुर में ध्वजारोहण की जिम्मेदारी कैबिनेट मंत्री को मिले यही बहुत था। सत्ता ने फिर करवट ली भारतीय जनता पार्टी का शासन फिर आया पर 5 साल का सुखा कायम है। बिलासपुर से कोई कैबिनेट मंत्री नहीं है कहा जा सकता है कि डिप्टी सीएम का सरकारी आवास तो बिलासपुर है पर सब जानते हैं वह मुंगेली जिले की लोरमी विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। भारतीय जनता पार्टी के खाते में बिल्हा सीनियर नेता, बिलासपुर कद्दावर नेता, बेलतरा युवा ओज और तखतपुर हर बाग का गुलाब पर किसी को विष्णु जी ने कैबिनेट के लायक नहीं माना एक बार मंत्रिमंडल में फिर बदल भी हुआ पर सब की लॉवी धरी की धरी रह गई। इसी बीच लोकसभा चुनाव हुए बिलासपुर लोकसभा संसदीय सीट परंपरा अनुसार भारतीय जनता पार्टी के पास गई सांसद तोखन साहू को केंद्र में राज्य मंत्री का दर्जा मिला और यही से बिलासपुर जिले की राजनीति का परिदृश्य बदल गया। राज्य मंत्री तोखन साहू के पास जो विभाग है वहीं विभाग छत्तीसगढ़ के डिप्टी सीएम अरुण साव विधायक लोरमी के पास भी है। दोनों नेता मूलत: मुंगेली की राजनीति से वास्ता रखते हैं और चेस बिलासपुर जिले में लगा दिया। इनकी राजनीति के बीच भारतीय जनता पार्टी के किसी विधायक की कोई राजनीतिक हैसियत नहीं है जिन्होंने बनाने की कोशिश की सफल नहीं हुए। पिछले 3 महीने में ऐसे कई अवसर आए जब स्पष्ट हुआ कि भारतीय जनता पार्टी की अंदरूनी और प्रशासनिक खटपट जग जाहिर हुई। जिले में इस राजनीति के चलते भारतीय जनता पार्टी का नुकसान प्रारंभ हो चुका है। आदिवासी राजनीति, एससी राजनीति सांसद इंजीनियरिंग की राजनीति और नौकरशाहों की राजनीति में भारतीय जनता पार्टी की पकड़ ढीली पड़ रही है। स्मार्ट सिटी राजनीतिक खींचतान का परिणाम भुगत रही है। न्याय व्यवस्था तक पर इसकी आंच दिखाई दे रही है। केंद्र के संस्थान रेलवे, एनटीपीसी, सीईसीएल अपनी मर्जी के मालिक बन गए हैं, केंद्रीय विश्वविद्यालय ने भी बिलासपुर की छवि को नुकसान ही पहुंचाया। यहां तक की अटल यूनिवर्सिटी में भी समस्याएं कम नहीं है इन सब का बोरिया बिस्तर सीएम के पास पहुंच ही गया है उन्हें पता है बिलासपुर हाथ से गया तो राज्य हाथ से गया इसलिए पहले अधिकारियों की समीक्षा बैठक और अब सीधे बिलासपुर में परेड की सलामी लेकर वे इतना तो बात ही रहे हैं कि वे पूरे छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री हैं।

धान खरीदी में गड़बड़ी, डाटा एंट्री ऑपरेटर निलंबित

रायगढ़। जिले के धान उपार्जन केंद्र तमनार में धान खरीदी के दौरान गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। प्रारंभिक जांच में ही फर्जी प्रविष्टि कर अधिक मात्रा में धान खरीदी दर्शाए जाने का खुलासा हुआ, जिसके बाद प्रशासन ने सख्त कार्रवाई की है। यह मामला छत्तीसगढ़ शासन द्वारा धान खरीदी के लिए निर्धारित नियमों और पारदर्शी व्यवस्था पर सीधा सवाल खड़ा करता है। जिला नोडल अधिकारी धान उपार्जन केंद्र तमनार द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन के अनुसार, 19 जनवरी 2026 को कृषक चन्द्रमणी पिता हरीशचंद्र, निवासी झिंकाबहाल, धान विक्रय हेतु उपार्जन केंद्र पहुंचे थे। जांच के दौरान 85 बोरी धान अमानक पाए जाने पर उन्हें पृथक कर दिया गया, जबकि शेष धान को मानक प्रक्रिया के अनुसार ढालकर नमी मापी गई, बोरे में भरकर वजन कराया गया। इस प्रक्रिया में कुल 383 बोरी धान का वजन सही और खरीदी योग्य पाया गया। जांच के बाद समिति प्रबंधक को केवल मानक धान की खरीदी के स्पष्ट निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद जब समिति द्वारा संधारित रजिस्टर और कंप्यूटर प्रविष्टियों की जांच की गई, तो चौंकाने वाली गड़बड़ी सामने आई।

स्व सहायता समूह की महिलाओं को मुर्गी पालन का प्रशिक्षण

पिथौरा(समय दर्शन)। पिथौरा विकासखंड अंतर्गत पशुपालन विभाग द्वारा ग्राम बगारपाली में स्व-सहायता समूह की महिलाओं के लिए मुर्गियों के वैज्ञानिक पालन विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रशिक्षण में मुर्गियों के रख-रखाव, टीकाकरण, कृमिनाशक, स्वच्छता तथा संतुलित आहार से संबंधित जानकारियाँ दीं गईं। ये मुर्गियां ज्यादा से ज्यादा अंडा देती है, जिससे ज्यादा लाभ अर्जित किया जा सकता है। कार्यक्रम में जनपद सदस्य नारायण ध्रुव, सरपंच के. आर. ठाकुर शामिल हुए। कार्यक्रम में विशेषज्ञ पशु चिकित्सक डॉ. मनोज शुक्ला ने महिलाओं को वैज्ञानिक पद्धति से मुर्गी पालन कर कम लागत में नियमित आय अर्जित करने के उपाय बताए। उन्होंने बीमारियों से बचाव और पोषण प्रबंधन पर विशेष जोर दिया। इस अवसर पर उप संचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं डॉ. अंजना नायडू ने समूह के उपस्थित सदस्यों को शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देते हुए बताया कि ,स्व सहायता समूह को अंडा देने वाली मुर्गी पालन हेतु अनुदान एवं तकनीकी सहयोग प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि इन योजनाओं से महिलाओं की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी और वे आत्मनिर्भर बन सकेंगी। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को गाय पालन, बकरी पालन एवं बैकयार्ड कुक्कुट पालन जैसी अन्य पशुपालन योजनाओं की जानकारी भी दी गई तथा इनसे जुड़कर महिला सशक्तिकरण की दिशा में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर डॉ. आर. जी. यादव चल पशु चिकित्सा इकाई, डॉ. दीनानाथ पटेल प्रभारी पशु चिकित्सालय, पिथौरा सहित स्व-सहायता समूह की लगभग 40 महिलाएं उपस्थित रहीं।

एनएसयूआई ने किया भाजपा सरकार की नाकामी का अंतिम संस्कार, शव यात्रा के साथ किया प्रदर्शन

कवर्धा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में भाजपा की निकम्मी, जनद्रोही और असंवेदनशील सरकार के खिलाफ भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन (एनएसयूआई) के जिलाध्यक्ष शितेष चन्द्रवंशी के नेतृत्व मे जोरदार विरोध प्रदर्शन करते हुए प्रतीकात्मक शव यात्रा निकाली गई। इस शव यात्रा के माध्यम से भाजपा सरकार की विफल नीतियों, झूठे वादों और छात्र-युवा विरोधी सोच का सार्वजनिक रूप से पर्दाफाश किया गया।

एनएसयूआई जिला प्रभारी आदित्य नारायण ने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी अपने चरम पर है। प्रतियोगी परीक्षाओं में लगातार गड़बड़ियां हो रही हैं। शिक्षा व्यवस्था चौपट हो चुकी है और अपराध बेलगाम हैं। लेकिन भाजपा सरकार सत्ता के नशे में चूर होकर जनता की आवाज़ को दबाने में लगी है।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष शितेश चंद्रवंशी ने गृह मंत्री विजय शर्मा पर सीधा हमला बोलते हुए कहा कि गृह मंत्री के क्षेत्र से ही कानून व्यवस्था की हालत सबसे ज्यादा खराब है। छात्रो की सुरक्षा, युवाओं का भविष्य और आम जनता की जान-माल की रक्षा करने में सरकार पूरी तरह विफल रही है। जब से भाजपा सरकार आई है तब से हमारे धार्मिक आस्था के साथ खिलवाड़ हो रहा है, लेकिन भाजपा के धर्म के ठेकेदार आज घर मे सोए हैं।

शहर अध्यक्ष अशोक सिंह ने कहा कि भाजपा सरकार लोकतांत्रिक आवाज़ों को कुचलना चाहती है, लेकिन एनएसयूआई छात्र-युवाओं के हक़ की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ेगी। युवा नेतृत्वकर्ता धीरज सिंह ने कहा कि इस भाजपा सरकार में कानून व्यवस्था पूरी तरह विफल हो गई है व्यक्ति क्या भगवान भी सुरक्षित नहीं है। एनएसयूआई ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि भाजपा सरकार ने छात्र-युवा विरोधी फैसले वापस नहीं लिए, तो आने वाले समय में प्रदेशव्यापी आंदोलन किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी सरकार की होगी।

2 महीने से राशन से वंचित विकलांग, पहिया साइकिल से दुकान के चक्कर काटने को मजबूर

खाद्य विभाग की उदासीनता, निरीक्षक का फोन भी नहीं उठा

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। नगर पालिका अहिवारा क्षेत्र में सार्वजनिक वितरण प्रणाली की लापरवाही एक बार फिर सामने आई है। वार्ड नंबर 6 के निवासी मोहम्मद नसीम अहमद, जो शारीरिक रूप से विकलांग हैं, उन्हें पिछले दो महीनों से राशन नहीं मिल पाया है। जबकि उनके पास वैध राशन कार्ड मौजूद है।

मोहम्मद नसीम अहमद का हाथ और पैर से विकलांग होने के कारण चलना-फिरना अत्यंत कठिन है। वे पहिया साइकिल (व्हीलचेयर) के सहारे बड़ी मुश्किल से राशन दुकान तक पहुंचते हैं, लेकिन हर बार उन्हें यही जवाब दिया जाता है कि इस महीने आपका राशन नहीं आया है।

लगातार दो महीने से यही स्थिति बने रहने के कारण अब वे पूरी तरह राशन से वंचित हो चुके हैं।

विकलांग और निर्धन होने के कारण नसीम अहमद के लिए बार-बार दुकान तक जाना शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से पीड़ादायक हो गया है। उन्होंने बताया कि राशन नहीं मिलने से उनके परिवार के सामने भोजन का संकट खड़ा हो गया है।

मामले को लेकर जब खाद्य विभाग से संपर्क करने की कोशिश की गई तो कोई ठोस पहल नजर नहीं आई। क्षेत्र की खाद्य निरीक्षक सुधा महिलांगे को कई बार फोन किया गया, लेकिन उन्होंने कॉल रिसीव नहीं किया। इससे विभागीय संवेदनहीनता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि शासन द्वारा गरीब और विकलांगों के लिए कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर लापरवाही के कारण जरूरतमंदों को उनका हक नहीं मिल पा रहा है। अब सवाल यह है कि यदि एक विकलांग, गरीब और राशन कार्डधारी व्यक्ति को ही समय पर राशन नहीं मिलेगा, तो वह अपनी आजीविका कैसे चलाएगा?

प्रशासन से मांग की जा रही है कि मामले में तत्काल हस्तक्षेप कर पीड़ित को लंबित दो माह का राशन दिलाया जाए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज शामिल हुये मनरेगा बचाओ यात्रा में

मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत धमतरी में निकली पदयात्रा

रायपुर :- मनरेगा बचाओ संग्राम के तहत कांग्रेस ने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज के नेतृत्व में धमतरी के ग्राम मेघा से अरौद, गिरौद, सौंगा, हरदी में आयोजित ग्राम पंचायत स्तरीय पदयात्रा का आयोजन किया गया। कांग्रेस मनरेगा संशोधन के खिलाफ पूरे देश में मनरेगा बचाओ संग्राम चला रही है, जिसके तहत छत्तीसगढ़ में भी विभिन्न कार्यक्रम चलाये जा रहे है। इसी आंदोलन के तहत प्रदेश में जनसंपर्क पदयात्राये पंचायत क्षेत्रो में निकाली जा रही है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज इसके पहले राजधानी के रायपुर में तथा राजनांदगांव एवं बस्तर, बेमेतरा, महासमुंद, कोरबा, गौरेला - पेण्ड्रा- मरवाही सहित प्रदेश के अनेक हिस्सों में मनरेगा बचाओं पदयात्रा निकल चुकी है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार ने सुधार के नाम पर लोकसभा में एक और बिल पास करके दुनिया की सबसे बड़ी रोज़गार गारंटी स्कीम मनरेगा को खत्म कर दिया है। यह महात्मा गांधी की सोच को खत्म करने और सबसे गरीब भारतीयों से काम का अधिकार छीनने की जान-बूझाकर की गई कोशिश है। मनरेगा गांधीजी के ग्राम स्वराज, काम की गरिमा और डिसेंट्रलाइज्ड डेवलपमेंट के सपने का जीता-जागता उदाहरण है, लेकिन इस सरकार ने न सिर्फ़ उनका नाम हटा दिया है, बल्कि 12 करोड़ मनरेगा मज़दूरों के अधिकारों को भी बेरहमी से कुचला है। दो दशकों से, मनरेगा करोड़ों ग्रामीण परिवारों के लिए लाइफ़लाइन रहा है और कोविड -19 महामारी के दौरान आर्थिक सुरक्षा के तौर पर ज़रूरी साबित हुआ है। 2014 से, प्रधानमंत्री मोदी मनरेगा के बहुत खिलाफ़ रहे हैं। उन्होंने इसे कांग्रेस की नाकामी की जीती-जागती निशानी कहा था। पिछले 11 सालों में, मोदी सरकार ने मनरेगा को सिस्टमेटिक तरीके से कमज़ोर किया है, कमज़ोर किया है और उसमें तोड़फोड़ की है, बजट में कटौती करने से लेकर राज्यों से कानूनी तौर पर ज़रूरी फंड रोकने, जॉब कार्ड हटाने और आधार बेस्ड पेमेंट की मजबूरी के ज़रिए लगभग सात करोड़ मज़दूरों को बाहर करने तक। इस जानबूझकर किए गए दबाव के नतीजे में, पिछले पांच सालों में मनरेगा हर साल मुश्किल से 50-55 दिन काम देने तक सिमट गया है। कार्यक्रम में सिहावा विधायक अम्बिका मरकाम, धमतरी विधायक ओंकार साहू, धमतरी कांग्रेस जिलाध्यक्ष तारिणी चंद्राकर, पूर्व विधायक लेखराम साहू, महामंत्री सकलेन कामदार, सुनील माहेश्वरी, विनोद तिवारी, लक्ष्मी ध्रुव, पंकज महावर, शरद लोहाना, मोहन लालवानी, विपिन साहू, आनंद पवार, प्रभातराव मेघावाले, ब्लॉक अध्यक्ष अखिलेश दुबे, योगेश शर्मा, महिम शुक्ला, होमेंद्र साहू, राजू सोम, अनवर रज़ा, विनीत बाफ्ना, गौतम वाधवानी, नरेन्द्र सोनवानी, राजा देवांगन, अंबिका सिन्हा, शास्त्री सोनवानी, राजकुमारी दीवान, गोविंद साहू, किसान कांग्रेस अध्यक्ष चंद्रहास साहू, डीहूराम साहू, राजू साहू, आशीष शर्मा सहित कांग्रेसजन शामिल हुये।

छत्तीसगढ़ की धरती जनजातीय शौर्य और बलिदान की साक्षी : मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज अखिल भारतीय हल्बा-हल्बी आदिवासी समाज के तत्वावधान में साइंस कॉलेज ग्राउंड रायपुर में आयोजित शहीद शिरोमणि गैंदसिंह के 201वें शहादत दिवस एवं श्रद्धांजलि सभा कार्यक्रम में शामिल हुए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने महान जनजातीय नायक एवं स्वतंत्रता संग्राम के अग्रदूत शहीद गैंदसिंह का पुण्य स्मरण करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने शहीद गैंदसिंह के सम्मान में नया रायपुर में चौक के नामकरण एवं मूर्ति स्थापना, चंगोराभाटा स्थित समाज के सामुदायिक भवन के जीर्णोद्धार, तथा बालोद जिले के देवरी, कांकेर जिले के मरकाटोला, दानीटोला, नगरी, डोंगरगांव एवं बस्तर जिले के भानपुरी तथा करूटोला में हल्बा समाज के सामाजिक केंद्रों के निर्माण हेतु प्रत्येक स्थान के लिए 10-10 लाख रुपये प्रदान किए जाने की घोषणा की। इसके साथ ही ग्राम कितूर में रंगमंच निर्माण तथा चपका बस्तर में श्रीराम मंदिर के जीर्णोद्धार की भी घोषणा मुख्यमंत्री द्वारा की गई।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि जनजातीय समाज का इतिहास अत्यंत गौरवशाली और समृद्ध रहा है। उन्होंने कहा कि देश में स्वतंत्रता संग्राम की शुरुआत भले ही वर्ष 1857 से मानी जाती है, किंतु उससे बहुत पहले ही छत्तीसगढ़ की धरती पर जनजातीय क्रांतियों की गूंज सुनाई देने लगी थी। महान क्रांतिकारी शहीद गैंदसिंह अंग्रेजी हुकूमत से संघर्ष करते हुए वर्ष 1825 में शहीद हुए, और उस कालखंड में भी आदिवासी समाज ने आजादी की लड़ाई में अग्रणी भूमिका निभाई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में एक-दो नहीं बल्कि कुल 14 जनजातीय क्रांतियां हुईं, जिन्होंने अंग्रेजों की सत्ता की नींव हिला दी। यह धरती शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदसिंह और वीर गुण्डाधुर जैसे महान जननायकों की भूमि रही है। उन्होंने कहा कि दुर्भाग्यवश इन वीरों और जनजातीय नायकों को लंबे समय तक इतिहास के पन्नों में उचित स्थान नहीं मिला। देश के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने जनजातीय नायकों के योगदान को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिलाने का कार्य किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में हुई 14 जनजातीय क्रांतियों पर आधारित ट्राइबल म्यूजियम नया रायपुर में निर्मित किया गया है, जिसका लोकार्पण स्वयं प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया।

कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से मुलाकात कर सौंपा ज्ञापन,,,,कानून व्यवस्था पर जताई चिंता

रायपुर :- रायपुर शहर में लगातार बिगड़ती कानून व्यवस्था, बढ़ते अपराध और आम नागरिकों में व्याप्त असुरक्षा की भावना को लेकर आज कांग्रेस पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर से मुलाकात कर विस्तृत ज्ञापन सौंपा। शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने बताया कि राजधानी रायपुर में हत्या लूट बलात्कार जैसी गंभीर आपराधिक घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे आमजन भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं। शहर अध्यक्ष श्रीकुमार शंकर मेनन ने आरोप लगाया कि अपराधियों में पुलिस का भय समाप्त होता जा रहा है जो अत्यंत चिंताजनक है। ज्ञापन के माध्यम से कांग्रेस पार्टी ने प्रमुख रूप से तीन मांगें रखीं। पहली, पंडरी थाना क्षेत्र अंतर्गत इंद्रा चौक में मासूम बच्ची के साथ हुए बलात्कार मामले में गिरफ्तार आरोपी के विरुद्ध फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर कड़ी से कड़ी, फांसी तक की सजा सुनिश्चित की जाए। दूसरी, फाफाडीह स्थित त्रिवेणी पान ठेला परिसर में पास फोटोकॉपी दुकान में हुई जितेंद्र दास महंत की संदिग्ध मृत्यु की निष्पक्ष एवं गंभीर जांच कर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाए। तीसरी, रायपुर शहर में अपराधों के पीछे सक्रिय नशे के कारोबार एवं अवैध गतिविधियों पर सख्त नियंत्रण करते हुए सभी थाना क्षेत्रों में चल रहे अवैध अहातों एवं नशे के कारोबार को तत्काल बंद कराया जाए। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से आग्रह किया कि इन मामलों में त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई कर राजधानी की जनता को भयमुक्त वातावरण प्रदान किया जाए। साथ ही यह भी चेतावनी दी गई कि यदि उपरोक्त मांगों पर गंभीरता से कार्रवाई नहीं की गई तो कांग्रेस पार्टी सड़क पर उतरकर जनआंदोलन करने के लिए बाध्य होगी, जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन की होगी। कांग्रेस पार्टी ने स्पष्ट किया कि वह पुलिस विभाग के हर सकारात्मक प्रयास में सहयोग करेगी, लेकिन लापरवाही, भ्रष्टाचार एवं जनता को परेशान करने वाले मामलों में सार्वजनिक विरोध से पीछे नहीं हटेगी। इस अवसर पर कुलदीप जुनेजा प्रमोद दुबे पंकज शर्मा दीपक मिश्रा सुधा सरोज विजय टंडन विनोद ठाकुर कमल धृतलहरे हीरेंद्र देवांगन संजय सोनी सहित कार्यकर्ता उपस्थित थे।

देश ज़हर में डूब रहा है — IPAP ने 'जीवन सत्याग्रह' का राष्ट्रीय ऐलान किया

पानी से दवा तक सब कुछ ज़हरीला, अब चुप रहना राष्ट्रीय अपराध है – डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी

रायपुर। इडियन पीपुल्स अधिकार पार्टी (IPAP) के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. पुरुषोत्तम तिवारी ने आज देशभर में फैल चुके पानी, हवा, भोजन, दवा, शिक्षा और स्वास्थ्य के ज़हरीले संकट को लेकर कड़ा बयान जारी करते हुए जीवन सत्याग्रह — ज़हर नहीं, जीवन चाहिए नामक राष्ट्रीय जनआंदोलन की घोषणा की।

डॉ. तिवारी ने कहा कि भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहाँ नागरिक धीरे-धीरे मारे जा रहे हैं, लेकिन इस पर न सरकारें बोल रही हैं, न मीडिया और न ही सिस्टम।

उन्होंने कहा,

हम जिस पानी को पीते हैं वह ज़हर है, जिस हवा में सांस लेते हैं वह ज़हरीली है, जो खाना खाते हैं वह बीमारी है, जो दवा लेते हैं वह व्यापार है और जो शिक्षा मिलती है वह बेरोज़गारी पैदा कर रही है। यह कोई प्राकृतिक आपदा नहीं — यह कॉरपोरेट-सरकार गठजोड़ द्वारा रची गई साज़िश है।

हर नागरिक ज़हर की चपेट में- (IPAP) के अनुसार देश की स्थिति बेहद गंभीर हो चुकी है:

गाँव-गाँव और शहर-शहर में पीने का पानी नाइट्रेट, सीवेज और केमिकल से दूषित है।

हवा PM2.5 और ज़हरीले कणों से लोगों के फेफड़े नष्ट कर रही है

भोजन कीटनाशक और मिलावट से भरा है।

दवाइयाँ और अस्पताल जनता की बीमारी से मुनाफा कमा रहे हैं।

स्कूल और शिक्षा व्यवस्था बेरोज़गारों की फैक्ट्री बन चुकी है।

युवा नशे और अवसाद में धकेले जा रहे हैं।

टैक्स जनता पर बोझ है और कॉरपोरेट पर मेहरबानी।

न्याय पैसा और रसूख वालों के पक्ष में झुका हुआ है।

डॉ. तिवारी ने कहा, यह देश अब नागरिकों के जीवन की नहीं, बल्कि मुनाफाखोरों की सुविधा की व्यवस्था बन गया है। आम आदमी का शरीर इस सिस्टम की प्रयोगशाला बन चुका है।

'जीवन सत्याग्रह' क्या है?

जीवन सत्याग्रह एक राष्ट्रव्यापी जनआंदोलन है, जिसका लक्ष्य है:

ज़हरीले पानी और हवा के खिलाफ संघर्ष। मिलावटी भोजन और नकली दवाओं का बहिष्कार। महंगे और भ्रष्ट स्वास्थ्य सिस्टम को चुनौती। बेरोज़गारी और नशे के खिलाफ अभियान। जनता को उसके जीवन और स्वास्थ्य के अधिकार वापस दिलाना। डॉ. तिवारी ने स्पष्ट किया कि यह आंदोलन किसी चुनाव के लिए नहीं, बल्कि जीवन बचाने के लिए है।

श्रीमंत शंकर देव के विचार सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक विविधता की नींव – श्री डेका

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में स्थापित श्रीमंत शंकर देव शोध पीठ का हुआ लोकार्पण

रायपुर। राज्यपाल श्री रमेन डेका की पहल पर पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में स्थापित महान संत, समाज सुधारक और सांस्कृतिक चेतना के प्रणेता श्रीमंत शंकरदेव के विचारों, दर्शन और साहित्य को समर्पित शोध संस्थान का भव्य लोकार्पण आज गरिमामय समारोह में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता राज्यपाल श्री रमेन डेका ने की। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय, उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंकराम वर्मा, डॉ. कृष्ण गोपाल जी सह-सरकार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ सहित शिक्षा जगत के विद्वान, शोधार्थी, युवा वर्ग तथा गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इसके साथ ही पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ तथा पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के मध्य एम.ओ.यू. पर भी हस्ताक्षर किया गया। एम.ओ.यू. के पश्चात दोनों ही विश्वविद्यालय के शोधार्थी एक-दूसरे विश्वविद्यालय में अंतरविषयक अनुसंधान कर सकेंगे। इस अवसर पर अपने संबोधन में राज्यपाल ने कहा कि श्रीमंत शंकर देव के विचार आज भी समाज को जोड़ने, सामानता स्थापित करने और मानवीय मूल्यों को सुदृढ़ करने की प्रेरणा देते हैं।

श्री डेका ने कहा कि इस शोध पीठ की स्थापना उत्तर पूर्वी भारत और मध्य भारत की सांस्कृतिक विरासत को अकादमी एवं शोध के स्तर पर जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। यह शोध पीठ भारत की महान संत परंपरा, भक्ति आंदोलन और सामाजिक सुधारों पर केंद्रित अध्ययन का सशक्त केंद्र बनेगी। उन्होंने कहा कि ऐसे अकादमिक प्रयास देश की सांस्कृतिक एकता को और मजबूत करते हैं। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा इस शोध पीठ के संचालन हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2 करोड़ रूपये दिए गए हैं जिसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया। राज्यपाल ने कहा कि श्रीमंत शंकर देव ने समाज सुधारक, शिक्षाविद, कलाकार, नाटककार, नाट्य निर्देशक, चित्रकार, साहित्यकार, गीतकार, संगीत और वैष्णव धर्म के प्रवर्तक व प्रचारक के रूप में ख्याति अर्जित की है। श्रीमंत शंकर देव को उत्तर पूर्व भारत के महान समाज सुधारक बताते हुए कहा कि उन्होंने जाति, वर्ग और धर्म से ऊपर उठ कर समरस समाज की कल्पना की। नामघर और सत्र परंपरा के माध्यम से उन्होंने समानता, करूणा और उदारता पर आधारित सामाजिक व्यवस्था को सुदृढ़ किया। श्रीमंत शंकर देव द्वारा रचित साहित्य अंकिया नाट और बोरगीत आज भारतीय सांस्कृतिक विरासत की अमूल्य धरोहर हैं। उनके विचारों ने असमिया समाज को एक सूत्र में पिरोया और सामाजिक चेतना को नई दिशा दी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि पूज्य शंकरदेव जी का कार्यक्षेत्र भले ही असम था, लेकिन उनके द्वारा सामाजिक जागरण का जो कार्य किया गया, उसका प्रभाव संपूर्ण देश पर पड़ा। श्रीमंत शंकर देव जी द्वारा रचित साहित्य, नाटक, भजन में भारतीय संस्कृति का उद्घोष है।. हमारा देश अपनी एकता और अखंडता के लिए जाना जाता है। इसके पीछे श्री शंकरदेव जी जैसे भारत माता के सपूत हैं, जिन्होंने अपना पूरा जीवन देश की संस्कृति को समर्पित किया। वर्तमान और नई पीढ़ी को अपने पूर्वजों के योगदान को बताकर हम एक सक्षम और समृद्ध भारत बना सकते हैं। इससे लोगों में देशभक्ति की भावना का संचार होता है। श्री शंकर देव जी ने अपनी एक रचना में कहा कि भारत भूमि में जन्म लेना सबसे सौभाग्य की बात है। उन्होंने 500 वर्ष पहले एक भारत का जो संदेश दिया, उसे आज हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' का नारा देकर साकार कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मोटोरोला रिपब्लिक डे पर motorola edge 60 PRO, edge 60 FUSION, moto g96 5G, moto g67 POWER, moto g57 POWER पर लेकर आया

शानदार ऑफर्स, आज से शुरू हो रही फ्लिपकार्ट रिपब्लिक डे सेल में उठाएं फायदा मोबाइल फोन इनोवेशन में दुनिया की प्रमुख कंपनी और भारत के मशहूर 9 एआई स्मार्टफोन ब्रांड, मोटोरोला ने आज अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन्स पर रोमांचक रिपब्लिक डे ऑफर्स की घोषणा की है। इन ऑफर्स के तहत, उपभोक्ताओं को अविश्वसनीय कीमतों में ढेरों फीचर्स से लैस 5त्र डिवाइस में अपग्रेड करने का एक अनूठा अवसर मिलेगा। ये ऑफर्स आज से शुरू हो रही फ्लिपकार्ट रिपब्लिक डे सेल के दौरान उपलब्ध होंगे। रिपब्लिक डे सेल के तहत, मोटोरोला अपने पोर्टफोलियो से सबसे अधिक फीचर वाले स्मार्टफोन आकर्षक कीमतों पर पेश करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहरा रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को बेजोड़ मूल्य मिल सके। ऐसे समय में जब पूरे उद्योग में स्मार्टफोन की कीमतों में वृद्धि देखी गई है, मोटोरोला ने अपनी पूरी रेंज में शानदार कीमतों में पैसा वसूल उत्पाद देना जारी रखा है। इससे उपभोक्ताओं को बड़ी आसानी से उनके स्मार्टफोन में प्रीमियम डिजाइन, उन्नत कैमरा और एआई क्षमताएं, शक्तिशाली प्रदर्शन और लंबे समय तक चलने वाली बैटरी मिल रही है। रिपब्लिक डे सेल मोटोरोला के लोकप्रिय edge और moto g-series पोर्टफोलियो पर लागू है, जिससे हर उपभोक्ता वर्ग को एक शक्तिशाली और श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ स्मार्टफोन विकल्प मिलेगा। फ्लैगशिप edge सीरीज से शुरू करते हुए, motorola edge 60 PRO को सिर्फ 25,999* रुपये की प्रभावी कीमत पर खरीदा जा सकता है, जो पहले 29,999 रुपये थी, इससे यह अपनी कीमत में सबसे अच्छा फ्लैगशिप ग्रेड फोन 9 बन गया है। motorola edge 60 PRO उन्नत moto AI क्षमताओं से संचालित एक वास्तविक फ्लैगशिप-ग्रेड अनुभव प्रदान करता है और इसमें सेगमेंट का एकमात्र 50MP + 50MP + 50X AI-पावर्ड कैमरा सिस्टम है, जो हर परिदृश्य में शानदार फोटोग्राफी के लिए है। इसमें दुनिया का सबसे शानदार 1.5K ट्रू कलर क्वाड-कर्व्ड डिस्प्ले दिया गया है, जिससे बेहतरीन विजुअल्स मिलते हैं। साथ ही DXOMARK गोल्ड लेबल-रेटेड 6000mAh बैटरी 3 दिनों तक चल सकती है। स्मार्टफोन 90W टर्बोपावरङ्ग फास्ट चार्जिंग, IP68/IP69 अंडरवाटर प्रोटेक्शन को सपोर्ट करता है, और प्रीमियम पैनटोनङ्ग क्यूरेटेड डिजाइन में आता है, वास्तव में यह इस रिपब्लिक डे पर उपलब्ध सबसे आकर्षक फ्लैगशिप स्मार्टफोन्स में से एक है।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस ने उत्तर प्रदेश में 1,750 युवाओं को फ्यूचर-टेक स्किल्स में सर्टिफिकेट दिया

भारत के सबसे बड़े कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स ब्रांड सैमसंग ने राष्ट्रीय युवा दिवस के मौके पर, अपने प्रमुख सैमसंग इनोवेशन कैंपस (SIC) प्रोग्राम के तहत उत्तर प्रदेश में 1,750 छात्रों को सर्टिफ़िकेट देने की घोषणा की, जो राज्य में कंपनी के युवा-कौशल प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। सर्टिफ़िकेशन समारोह लखनऊ के सिटी ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशंस में आयोजित किया गया था, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार की माननीय उच्च शिक्षा मंत्री श्रीमती रजनी तिवारी, साथ ही शैक्षणिक नेताओं और कार्यक्रम भागीदारों की उपस्थिति थी। इस बैच के साथ, उत्तर प्रदेश में सैमसंग इनोवेशन कैंपस के तहत प्रशिक्षित छात्रों की कुल संख्या 3,900 हो गई है, जिससे यह कार्यक्रम के तहत सबसे तेज़ी से बढ़ने वाले राज्यों में से एक बन गया है। सैमसंग ने उत्तर प्रदेश में 5,000 युवाओं को कुशल बनाने के अपने इरादे की घोषणा की, जो 20,000 छात्रों को अपस्किल करने के अपने व्यापक राष्ट्रीय लक्ष्य का हिस्सा है, जो पिछले साल की तुलना में छह गुना ज़्यादा है। यह कार्यक्रम वर्तमान में 10 राज्यों में चल रहा है। लखनऊ पहल के तहत, छात्रों को उभरती हुई टेक्नोलॉजी में इंडस्ट्री के हिसाब से ट्रेनिंग मिली, जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (950 छात्र), कोडिंग और प्रोग्रामिंग (550 छात्र), बिग डेटा (150 छात्र), और इंटरनेट ऑफ़ थिंग्स (100 छात्र) शामिल हैं। सैमसंग में, हमारा पक्का मानना है कि भारत का भविष्य उसके युवाओं द्वारा तय किया जाएगा। सैमसंग इनोवेशन कैंपस को AI, IoT, या बिग डेटा और कोडिंग जैसे फ्यूचर-टेक कोर्स में हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग देकर शिक्षा और इंडस्ट्री के बीच के गैप को पाटने के लिए डिज़ाइन किया गया है। लखनऊ में 1,750 छात्रों का सर्टिफिक्केशन भारत सरकार के स्किलिंग विज़न को सपोर्ट करने और उत्तर प्रदेश के युवा स्टूडेंट्स को इंडस्ट्री से जुड़ी क्षमताओं के साथ सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

एचडीएफसी बैंक सोशल इम्पैक्ट स्टार्टअप्स को देगा 20 करोड़ रुपये- परिवर्तन स्टार्टअप ग्रांट्स के 9वें एडिशन में

मुंबई: भारत के प्रमुख प्राइवेट सेक्टर बैंक, एचडीएफसी बैंक ने आज अपने फ्लैगशिप प्रोग्राम 'परिवर्तन स्टार्टअप ग्रांट्स प्रोग्राम' के वित्तीय वर्ष 2026 (FY-26) एडिशन को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह प्रोग्राम सोशल इम्पैक्ट-आधारित इनोवेशन को सपोर्ट करता है और पिछले सालों की सीख के आधार पर क्लाइमेट इनोवेशन, एग्रीकल्चर और सस्टेनेबल आजीविका, मैन्युफैक्चरिंग और एमएसएमई इनोवेशन, फाइनेंशियल इन्क्लूजन, और जेंडर डाइवर्सिटी और इन्क्लूजन सहित प्रायोरिटी वाले सेक्टर्स में 10 स्ट्रेटेजिक पहलों को सपोर्ट करेगा, साथ ही एआई और डीप टेक्नोलॉजी जैसे उभरते क्षेत्रों को भी शामिल करेगा।

एचडीएफसी बैंक परिवर्तन वित्त वर्ष (FY) -26 में नॉन-डाइल्यूटिव ग्रांट्स के ज़रिए 20 करोड़ रुपये देगा जो आमतौर पर पायलट, वैलिडेशन और शुरुआती स्टेज के स्केल-अप को सक्षम बनाएगा।

एफआई-26 एडिशन प्रोग्राम के 10-साल के मील पत्थर की ओर लगातार प्रगति को भी दिखाता है साथ ही अलग-अलग क्षेत्रों के प्रतिष्ठित संस्थानों से जुड़े इनक्यूबेटर्स के साथ पार्टनरशिप का विस्तार भी करता है।

परिवर्तन स्टार्टअप ग्रांट्स प्रोग्राम एक इनक्यूबेटर-आधारित, पोर्टफोलियो-आधारित मॉडल को फॉलो करता है, जिसके तहत पार्टनर इनक्यूबेटर प्रोग्राम डिज़ाइन, स्टार्टअप आउटरीच, मूल्यांकन, मेंटरिंग, मॉनिटरिंग और इम्पैक्ट रिपोर्टिंग का नेतृत्व करते हैं।

संपादकीय

दोस्ती की बातें महज रस्म-अदायगी

पैक्स सिलिका का मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के क्षेत्र में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई श्रृंखला, जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसको लेकर अभी कई अस्पष्टताएं हैं। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने नई दिल्ली पहुंचने पर भारत को जो 'उपहार' दिया, वह एक सांत्वना पुरस्कार ही है। राजदूतों का काम संबंधित देश में अपने मुल्क के लिए सद्भावना निर्मित करना भी होता है, तो गोर ने भारतीय कानों को सुहावनी लगने वाली बातें कहीं। साथ ही एलान किया कि भारत को अगले महीने पैक्स सिलिका गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा। कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने नौ देशों को शामिल करते हुए इस गठबंधन का एलान किया, तो उससे भारत में मायूसी का माहौल बना था। ट्रंप ने उसमें अपने देश के अलावा क्वॉड के दो सदस्य देशों- जापान एवं ऑस्ट्रेलिया को शामिल किया। साथ ही आई2यू2 समूह के देशों इजराइल और यूएई को भी उसमें रखा। मगर इन दोनों समूहों के सदस्य भारत को उससे बाहर रखा गया। इन देशों के अलावा दक्षिण कोरिया, सिंगापुर, ब्रिटेन और नीदरलैंड्स इसके बाकी सदस्य हैं। इसका मकसद सेमीकंडक्टर, महत्त्वपूर्ण खनिज और आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस के मामलों में वैकल्पिक सप्लाई चेन बनाना है। ऐसी सप्लाई श्रृंखला जो चीन पर निर्भर ना रहे। मगर यह दीर्घकालीन योजना है, जिसमें निवेश और जिसकी कार्य प्रणाली को लेकर अभी तमाम किस्म की अस्पष्टताएं हैं। अब ट्रंप ने अपने राजदूत के जरिए इसकी सदस्यता का उपहार भारत को भेजा है। मगर इस समूह की परिकल्पना भारत की जरूरतों के हिसाब से नहीं की गई है। हकीकत यह है कि जो सप्लाई चेन ट्रंप चाहते हैं, उसकी तुरंत आवश्यकता अमेरिका को है। रेयर अर्थ खनिजों के क्षेत्र में निर्भरता के कारण उन्हें चीन के खिलाफ सख्त व्यापारिक कार्रवाइयां वापस लेनी पड़ी हैं। इसलिए वे अपने सहयोगी देशों की मदद से चीन पर निर्भरता घटाना चाहते हैँ। जबकि भारत की फौरी जरूरत अमेरिका के साथ अनुकूल व्यापार समझौता है। उसमें मामला जहां का तहां अटका हुआ है। इस बारे में गोर ने इतना भर बताया कि वार्ता जारी है। इस बीच ट्रंप ने ईरान से कारोबार करने वाले देशों पर 25 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया है। उससे भारत भी प्रभावित होगा। स्पष्टत: ऐसे कदमों के साथ दोस्ती की बातें महज रस्म-अदायगी नजर आती हैँ।

भ्रष्टाचार तो अब और गंभीर समस्या बन चुका है

सुनील दास

आजादी के बाद भ्रष्टाचार कोई गंभीर समस्या नहीं था। लेकिन आजादी के बाद के दशकों में यह गंभीर समस्या होता चला गया है क्योंकि राजनीति में पहले जो लोग सेवा के लिए आते थे अब भ्रष्टाचार कर पैसा कमाने के लिए आने लगे। धीरे धीरे सेवा का भाव तो खत्म हो गया है आज तो ज्यादातर लोग राजनीति में पैसा कमाने के लिए आते हैं, उनको लगता है कि राजनीति में आकर पैसा कमाना बहुत आसान है, हमारी पार्टी की सरकार बन गई तो हम जितना चाहे भ्रष्टाचार कर सकते हैं और जितना चाहे उतना पैसा कमा सकते हैं।पहले तो सौ सरकारी कर्मियों, सौ नेताओं में इक्का दुक्का भ्रष्ट होते थे, उनको अच्छी नजर से देखा नहीं जाता था, उनको समाज में इज्जत नहीं मिलती थी। आज तो सौ में 90 सरकारी कर्मी व नेता भ्रष्ट माने जाते हैं और सिंडीकेट बनाकर भ्रष्टाचार करने के कारण भ्रष्ट लोगों को कोई बुरा नहीं कहता है,वह होशियार माने जाते है और अब तो 10 प्रतिशत ईमानदार लोगों को बेवकूफ समझा जाता है कि उसे मौका मिल रहा है और वह भ्रष्टाचार नहीं कर रहा है। जहां तक सरकारी सिस्टम व सरकार के स्तर पर होने वाला भ्रष्टाचार है इसे रोक पाना किसी एक ईमानदार सीएम के लिए आसान नहीं है क्योंकि सरकारी सिस्टम हो या सरकार के स्तर पर होने वाले काम हों, अफसर,कर्मचारी से लेकर मंत्री तक पैसा कमाने का कोई न कोई मौका तलाश लेते हैं। भ्रष्टाचार जब बहुत से लोग सामूहिक रूप से करते हैं तो उसे पकड़ना और मुश्किल होता है। क्योंकि जिन पर भ्रष्टाचार रोकने की जिम्मेदारी होती है वही भ्रष्टाचार करते है, भ्रष्टाचार को बढ़ावा देते हैं तो भ्रष्टाचार रुक कैसे सकता है।जब किसी सरकार का मुखिया किसी को इसलिए बनाया जाता है कि वह पार्टी को दो चार हजार करोड़ रुपए राज्य से जुटाकर देगा तो मुखिया अपने घर से तो इतना पैसा नहीं देता है, वह राज्य के पैसा में संगठित रूप से भ्रष्टाचार कर पार्टी को देता है। साथ ही अपने परिवार के लिए पैसा निकालता है तो ऐसे में राज्य मे एक के बाद घोटाले सामने कैसे नहीं आएंगे। ऐसे मुखिया के रहते तो राज्य में भ्रष्टाचार शिष्टाचार,नवाचार बन जाता है तो उसके बाद आने वाले मुखिया के लिए भ्रष्टाचार को रोकना और मुश्किल हो जाता है। खासकर उस मुखिया के लिए भ्रष्टाचार रोकना मुश्किल हो जाता है जो भ्रष्टाचार नहीं होने देने की बात भी करता है और ऐसे उपाय भी करता है कि भ्रष्टाचार न हो सके।भ्रष्टाचार करने वालों पर कार्रवाई हो। पांच साल में तंत्र को भ्रष्टाचार करने की आदत हो जाती है तो उसे सुधारने में वक्त तो लगता है,भ्रष्टाचार भी शेर के मुंह में खून लग जाने के समान होता है, एक बार आदत हो जाए तो मौका मिलते ही भ्रष्टाचार करने वाले कहां चूकते हैं। नए नए तरीके से भ्रष्टाचार करते हैं।पांच साल में एक मुखिया जितना भ्रष्टाचार को बढ़ा सकता है, दूसरा मुखिया पांच साल में उसे कम नहीं कर सकता क्योंकि बीमारी होती जल्दी है, उसके उपचार में वक्त लगता है। भ्रष्टाचार में बड़ी संख्या में सरकारी कर्मचारी पकड़े जाते हैं तो सरकार के सामने यह समस्या तो आती है कि वह कार्रवाई करेगी तो शासन चलाने में दिक्कत होगी।इसी वजह से आजादी के बाद यह व्यवस्था यह व्यवस्था की गई कि सरकारी कर्मचारी या अफसरों पर भ्रष्टाचार का मामला चलाने के लिए सरकार से अनुमति लेनी होगी।इसे लेकर जैसे लोगों में मतभेद हैं उसी तरह का मतभेद जजों में भी सामने आया है। दो जजों की पीठ के सामने यह मामला आया कि अफसरों के खिलाफ भ्रष्टाचार के मामलों की जांच से पहले अनुमति लेना ठीक है या गलत है तो एक जज विश्ननाथन ने कहा है कि धारा 17 ए संवैधानिक रूप से वैध है उनका कहना है कि जब तक ईमानदार को तुच्छ जांच से बचाया नहीं जाता तब तक नीतिगत गतिरोध उत्पन्न हो जाएगा।

महाराष्ट्र चुनाव ने क्या संदेश दिया है

राजेश कुमार पासी

2014 के बाद से मोदी की राजनीति देश के सिर पर चढ़कर बोल रही है। 2024 लोकसभा चुनाव में जब भाजपा बहुमत से दूर रह गई तो राजनीतिक विश्लेषकों ने कहा कि अब मोदी की राजनीति का उतराव शुरू हो गया है । विपक्षी दल भी काफी खुश थे कि अब जनता में मोदी का असर कम होने लगा है । लोकसभा चुनाव के बाद कई राज्यों में भाजपा की जबरदस्त जीत ने बता दिया है कि मोदी का असर कम होने की जगह बढ़ गया है । इस साल पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी में चुनाव होने वाले हैं, जो यह तय करेंगे कि विपक्ष का भविष्य क्या होगा । महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में भाजपा ने बड़ी जीत हासिल की थी लेकिन मुंबई महानगरपालिका चुनाव की जीत के अलग मायने हैं । बीएमसी के बजट को देखते हुए कहा जा सकता है कि यह किसी बड़े राज्य से कम महत्वपूर्ण नहीं है । महाराष्ट्र भाजपा के लिए दूसरा गुजरात बन सकता है । जिस तरह से मोदी ने अपने शासन में धीरे-धीरे विपक्ष को खत्म कर दिया था, वैसे ही महाराष्ट्र में देवेंद्र फड़णवीस भी मोदी के नेतृत्व में विपक्ष के खात्मे की ओर चल पड़े हैं।

विपक्ष के खात्मे का ये मतलब नहीं है कि वो खत्म हो जाएगा बल्कि उसके खात्मे का मतलब है कि वो सत्ता छीनने के काबिल न बचेगा । इस नीति में विपक्ष जिंदा तो रहेगा लेकिन खड़ा होने के काबिल नहीं होगा। भाजपा की हिन्दुत्व और विकास की राजनीति विपक्ष को बहुत भारी पड़ रही है । अखिलेश यादव ने कहा है कि भाजपा बहुत प्रोफेशनल पार्टी है. उसका मुकाबला उसके तरीके से ही किया जा सकता है । कोई भी दल परम्परागत तरीके से लड़कर उससे जीत नहीं सकता । सवाल यह है कि क्या अखिलेश यादव के अलावा कोई और विपक्षी नेता इस बात को समझ नहीं पा रहा है । वास्तव में समझ तो सभी को आ रहा है लेकिन भाजपा जैसी राजनीति करना किसी के बस में नहीं है । भाजपा और संघ इतने बड़े बन चुके हैं कि उनसे मुकाबला करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए आसान नहीं रहा है । कांग्रेस दूसरी सबसे बड़ी पार्टी है और सही मायनों में भाजपा के अलावा वहीं एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है लेकिन सच्चाई यह है कि कांग्रेस धीरे-धीरे अपना प्रभाव खोती जा रही है ।

बीएमसी चुनाव परिणाम का संदेश यह भी है कि मोदी के नेतृत्व में भाजपा राजनीतिक धोखे का बदला बड़ी बेदर्दी से लेती है । पहले मोदी-शाह की जोड़ी ने एनसीपी और शिवसेना को दो टुकड़ों में तोड़ दिया और अब महाराष्ट्र में यह जोड़ी पूर्ण वर्चस्व पाने की ओर चल पड़ी है । इस लड़ाई को लड़ने के लिए मोदी के पास देवेंद्र फड़णवीस के रुप में एक बड़ा योद्धा है । देखा जाए तो इस जीत ने देवेंद्र फड़णवीस का कद देश की राजनीति में बहुत बड़ा कर दिया है । एनसीपी के दोनों धड़ो की ऐसी हालत हो गई है कि यहां से ऊपर उठना लगभग असंभव लग रहा है । इसके बावजूद उद्धव ठाकरे अपने पिता की विरासत बचाने की जंग भी जीतते नजर आ रहे हैं । देखने से लगता है कि एकनाथ शिंदे की शिवसेना की सफलता उद्धव ठाकरे की शिवसेना से बड़ी है लेकिन एकनाथ शिंदे भाजपा से अलग होकर उद्धव ठाकरे के खिलाफ लड़ते हैं तो हालात बदल सकते हैं। उद्धव ठाकरे ने 65 सीटें जीतकर दिखा दिया है कि वो अब भी कमजोर नहीं हुए हैं लेकिन सच यह है कि अब वो बीएमसी से बाहर हो गए हैं। बीएमसी से ही उन्हें पार्टी चलाने की ऊर्जा मिल रही थी, अब उन्हें यह ऊर्जा मिलनी बंद हो जाएगी तो धीरे-धीरे उनकी पार्टी की ताकत कम होती जाएगी। अगर एकनाथ शिंदे और भाजपा का गठबंधन ऐसे ही बना रहता है तो महाराष्ट्र की राजनीति में विपक्षी दलों के लिए मौके कम होते जाएंगे । एनसीपी की आर्थिक ताकत बहुत ज्यादा है, इसलिए वो अपना अस्तित्व बनाये रख सकती है लेकिन उद्धव ठाकरे के लिए आर्थिक कमजोरी मुश्किलें खड़ी कर सकती है। देखा जाए तो महाराष्ट्र की राजनीति बड़े जटिल मोड़ पर खड़ी हो गई है, यहां से कौन कहाँ जाएगा, कहना बड़ा मुश्किल है। कांग्रेस ने इन चुनाव में अपनी ताकत दिखा दी है। कांग्रेस महाराष्ट्र में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी बन सकती है, क्योंकि उसे मुंबई के अलावा अन्य शहरों में अच्छी सीटें मिली हैं। अगर भाजपा और एकनाथ शिंदे का गठबंधन बना रहता है तो आने वाले समय में कांग्रेस ही मुख्य विपक्षी पार्टी होगी।

महाराष्ट्र से भाजपा ने अपने सहयोगियों और विरोधियों को बड़ा संदेश दिया है। जहां भाजपा ने अपनी पुरानी सहयोगी पार्टी शिवसेना को ठिकाने लगा दिया है, तो वहीं दूसरी तरफ उसने एनसीपी के अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर दिया है। वैसे देखा जाए तो राजनीति में ऐसी उठापटक चलती रहती है लेकिन महाराष्ट्र से भारत की जनता ने विपक्ष को बड़ा संदेश दिया है। जनता ने बताया है कि सत्ता प्राप्त करना मुश्किल नहीं है लेकिन उसे संभालना मुश्किल है। शरद पवार ने उद्धव ठाकरे की सत्तालोलुपता का फायदा उठाकर कांग्रेस के साथ मिलकर महाराष्ट्र की सत्ता तो हासिल कर ली, लेकिन उसे संभाल नहीं पाए । उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद को पाना अपनी सफलता माना था लेकिन वो उनकी सबसे बड़ी राजनीतिक भूल साबित हुई है। उन्होंने अपने पिता से मिली राजनीतिक पूंजी अपनी एक गलती से गवां दी है। उनकी पार्टी सिर्फ बीएमसी से बाहर नहीं हुई है, बल्कि अन्य शहरों में भी कोई कमाल नहीं दिखा सकी। इसका मतलब है कि उनके शासन से जनता निराश थी, जिसका खामियाजा उन्हें विधानसभा के बाद निकाय चुनाव में भुगतना पड़ा है। वर्तमान विपक्ष की सबसे बड़ी कमी यही है कि वो मोदी की लाइन छोटी करने के चक्कर में अपनी लाइन ही भूल गया है। दूसरी तरफ मोदी के नेतृत्व में भाजपा विपक्ष को अनदेखा करते हुए अपनी बड़ी लाइन खींच रही है। विपक्ष भाजपा को कोसता रहता है लेकिन वो यह नहीं देखता कि जो राज्य उसके पास हैं, वो वहां ऐसा कुछ नहीं कर पा रहा है, जिससे जनता में उसकी छवि मजबूत हो । भाजपा में कमियां ढूंढने की जगह विपक्ष अपने राज्यों में बेहतर काम करे तो जनता उसके साथ आ सकती है। विपक्ष द्वारा शासित राज्यों में से बंगाल, केरल और तमिलनाडु में इस साल चुनाव होने वाले हैं, लेकिन कहीं भी विपक्ष पूरे दावे के साथ यह नहीं कह सकता कि वो जीतने वाला है। अजीब बात यह है कि इन तीनों राज्यों में भाजपा ने अभी तक एक बार जीत हासिल नहीं की है। तमिलनाडु और केरल में तो भाजपा विपक्ष में भी नहीं है।

विपक्ष को यह समझना चाहिए कि वो अपने ही किले में घिरा हुआ महसूस क्यों कर रहा है। बंगाल में ममता बनर्जी पिछले 15 सालों लगातार सत्ता में हैं, लेकिन वो घबराई हुई हैं । तमिलनाडु में भाजपा मुख्य विपक्षी दल नहीं है लेकिन मुख्यमंत्री स्टालिन को भाजपा का डर सता रहा है। यही हालत केरल में है, जहां एक बार वामपंथी गठबंधन एलडीएफ और कांग्रेसनीत गठबंधन यूडीएफ सत्ता में आते रहे हैं। यह सिलसिला पिछली बार एलडीएफ ने सत्ता में वापिसी करके तोड़ दिया था लेकिन इस बार उसकी हालत खराब है । अजीब बात यह है कि एलडीएफ को सत्ता जाने का डर है लेकिन कांग्रेस को सत्ता मिलने का विश्वास नहीं है। इसकी वजह यह है कि भाजपा केरल में कुछ भी कर सकती है। भारतीय राजनीति में भाजपा ने एक नया ट्रेंड शुरू कर दिया है। चाहे केंद्र हो या राज्य, भाजपा सत्ता बचाने की लड़ाई जीत जाती है। केंद्र में भाजपा ने तीसरी बार सरकार बनाई है और कई राज्यों में उसकी सरकारें कई कार्यकाल पूरे कर चुकी हैं । जहां विपक्षशासित राज्यों में विपक्ष को सत्ताविरोधी लहर का डर सताता है, वहीं दूसरी तरफ भाजपाशासित राज्यों में उसे सत्तापक्षी लहर का डर सताता है।अगर जनता बार-बार भाजपा को सत्ता देती है तो इसके पीछे क्या वजह है, यह समझने को विपक्ष तैयार नहीं है। लोकसभा चुनाव में बहुमत से दूर रहने के बावजूद भाजपा बहुमत जैसी मजबूत सरकार चला रही है। इसकी वजह यह है कि उसका गठबंधन आज भी मजबूत है जबकि दूसरी तरफ उसका मुकाबला करने के लिए विपक्षी दलों द्वारा बनाये गए 'इंडिया' गठबंधन का कुछ पता नहीं है। जो विपक्ष भाजपा से लड़ने के लिए एक ढंग का गठबंधन भी खड़ा नहीं कर सका, वो वोट चोरी का शोर मचाता है । विपक्ष की समस्या यह नहीं है कि उसे सत्ता नहीं मिलती बल्कि समस्या यह है कि जब उसे सत्ता मिल जाती है तो वो उसका सही इस्तेमाल नहीं कर पाता है। लोकतंत्र में जनता की खुशी ही सब कुछ है, लेकिन विपक्ष से जनता खुश नहीं है। एक-एक करके भाजपा ने विपक्ष से उसके राज्यों को छीन लिया है लेकिन विपक्षी दलों को यह समझ नहीं आ रहा है कि ऐसा क्यों हो रहा है। अगर इस पर विपक्ष विचार करे तो उसे आगे का रास्ता मिल सकता है।

कुछ-कुछ 2025 जैसा ही 2026 में संभव

हरिशंकर व्यास

कुछ-कुछ 2025 जैसा ही 2026 में संभव। ऊपर से भौकाल मचाते आंकड़े वही जमीनी असलियत में खोखला। विश्व बाजार में पिछले साल भारत का रुपया लुढ़का वही आर्थिकी तथा बाजार की रौनक चीनी कारखानों के उत्पादों पर आश्रित। वैश्विक वास्तविकताओं में यह हमेशा सुना गया है कि जो विकसित है या विकसित होता हुआ है तो उसकी करेंसी उसी अनुपात में मंहगी, मूल्यवान होती है। वहां के नागरिकों के पासपोर्ट का मान बढ़ता है। पर मोदी राज के हवाबाज ढोलों का कमाल है जो रुपया, निर्यात लुढके, बेरोजगारी बढ़ी मगर फिर भी ब्रिटेन, जापान, जर्मनी सभी को भारत पछाड़ता हुआ। आगे बस चीन और अमेरिका का नंबर आना है। भारत के पासपोर्ट का जहां सवाल है तो विश्वगुरू बन गए पर अपना पासपोर्ट अफ्रीकी देशों के पासपोर्ट से भी कमजोर, लुढ़कता हुआ। सच्चाई है कि भारत की आबादी दुनिया की कुल आबादी का साढे 17 प्रतिशत है जबकि बेचारे ब्रिटेन, जापान, जर्मनी की कुल आबादी सिर्फ तीन प्रतिशत है। भारत 140 करोड़ लोगों की भीड लिए हुए है वही ब्रिटेन, जर्मनी, जापान तीनों देशों की कुल आबादी 24 करोड है। मतलब भारत के मध्यवर्ग की अनुमानित संख्या से भी कम।

लेकिन 2026 की ताजा शुरूआत जापान को पछाड देने के ढोल से हुई। यह शोर लगातार बढ़ना है। जबकि विकसित ब्रिटेन, जापान, जर्मनी बनाम भारत का बुनियादी फर्क है जो वे देश आत्मनिर्भर आर्थिकी के गौरव में सांस लेते हैं वही भारत की आर्थिकी चीन आश्रित है। भारत किसी भी मामले में अब आत्मनिर्भर नहीं है। 2014 के बाद से भारत का विकास या तो बाजार के रूप में है या व्यापारिक लेन-देन, कृषि, सेवा और खैरात-रेवड़ियों की आर्थिकी से फलता-फूलता हुआ है। ऐसा ही सुरक्षा, सामरिक, भू राजनीति में है। 2025 के ऑपरेशन सिंदूर में भारत के पक्ष में खुलकर बोलने वाला कौन देश था? ईमानदारी से केवल इजराइल। रूस ने तटस्थता रखी। डोनाल्ड ट्रंप ने मौके का फायदा उठाया तथा बाद में पाकिस्तान पर शहाथ रखा। चीन ने पाकिस्तान को हर संभव मदद दी। दक्षिण एशिया, आसियान देशों में भी भारत अलग-थलग था। वह स्थिति 2026 में और बढेगी। 2026 में ट्रंप प्रशासन के साथ टैरिफ करार भले हो जाए लेकिन पाकिस्तान के लिए उसके खुले दरवाजे बंद नहीं होने हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश को लेकर अमेरिका, पश्चिमी देश, यूरोपीय संघ, जापान, ऑस्ट्रेलिया सभी तटस्थ रहने हैं। भारत की चिंताओं में कोई साझेदार नहीं होगा। तभी नोट रखें दिसंबर 2026 में भारत की आर्थिकी अधिक पराश्रित होगी तो भूराजनीति व सामरिक मामलों में भी भारत ज्यादा अलग-थलग होगा।

पश्चिम बंगाल का चुनाव घुसपैठिया भगाओ के नैरेटिव की भी परीक्षा

अजीत द्विवेदी

पश्चिम बंगाल विधानसभा की लड़ाई एक समान्य चुनावी लड़ाई नहीं है। यह उससे कहीं ज्यादा है। भारतीय जनता पार्टी और उसके दोनों सर्वोच्च नेताओं नरेंद्र मोदी और अमित शाह के लिए यह प्रतिष्ठा की लड़ाई है। मोदी और दीदी यानी नरेंद्र मोदी और ममता बनर्जी के कल्ट की ल्ड़ाई है। भाजपा और भाजपा विरोध के बुनियादी नैरेटिव की लड़ाई है और भाजपा के हिंदुत्व बनाम हिंदू धर्म की विविधता का भी मुकाबला है। ध्यान रहे दक्षिण के राज्यों को छोड़ दें तो बंगाल एकमात्र राज्य है, जहां मोदी और शाह का जादू नहीं चल पा रहा है। बिहार में भी नहीं चला लेकिन वहां 2015 का चुनाव हारने के बाद भाजपा को समझ में आ गया था कि नीतीश कुमार के रहते अकेले दम पर चुनाव जीतना संभव नहीं है। इसलिए भाजपा ने नीतीश के साथ गठबंधन को प्राथमिकता दी।

इसी तरह झारखंड में 2014 में जादू चल गया था और भाजपा जीत गई थी। लेकिन उसके बाद लगातार दो बार से हार रही है। तभी वहां भी झारखंड मुक्ति मोर्चा को एनडीए में लाने के प्रयासों की गाहेबगाहे खबर आती रहती है। परंतु पश्चिम बंगाल में भाजपा ऐसा नहीं कर सकती है। वहां उसे ममता बनर्जी के खिलाफ ही लड़ना है और दोनों साथ नहीं आ सकते हैं। आखिर ममता के मुकाबले लेफ्ट और कांग्रेस की ताकत पूरी तरह से समाप्त करके ही भाजपा वहां मजबूत हुई है। लेकिन अभी इतनी मजबूत नहीं हो पाई है कि ममता बनर्जी को हरा कर सत्ता प्राप्त कर ले।

भारतीय जनता पार्टी पश्चिम बंगाल की लड़ाई जीवन मरण की तरह लड़ रही है। कह सकते हैं कि भाजपा हर जगह ऐसे ही लड़ती है। यह सही है फिर भी पश्चिम बंगाल की लड़ाई अलग है। यह हिंदू बनाम मुस्लिम के ध्रुवीकरण की राजनीति का टेस्ट केस है। गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में मुस्लिम आबादी 30 फीसदी के करीब है। बाकी करीब 70 फीसदी हिंदू आबादी है। यह आम धारणा है कि पश्चिम बंगाल में बांग्लादेशी घुसपैठियों या मुसलमानों की प्रजनन दर की वजह से राज्य की जनसंख्या संरचना बदल रही है। तेजी से मुस्लिम आबादी बढ़ती जा रही है और ममता बनर्जी की मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति के कारण हिंदू परेशान हैं।

इसमें भी कोई संदेह नहीं है कि हिंदू सचमुच की परेशानी या बनाई गई धारणा के कारण भाजपा की ओर मुड़े हैं। पिछले तीन चुनावों में, जिनमें 2019 और 2024 के लोकसभा चुनाव और 2021 का विधानसभा चुनाव शामिल है, भाजपा को औसतन 40 फीसदी के करीब वोट मिले हैं। इसका मतलब है कि उसे 70 फीसदी हिंदुओं में से 60 फीसदी का वोट मिला है। यह बहुत बड़ा ध्रुवीकरण है। आमतौर पर दूसरे राज्यों में सांप्रदायिक ध्रुवीकरण में हिंदू 50 फीसदी वोट भाजपा को करे तो वह बड़ी जीत हासिल करती है। लेकिन बंगाल में 60 फीसदी पर भी वह जीत नहीं पाती है।

इसका अर्थ है कि और ज्यादा हिंदू ध्रुवीकरण होने पर ही भाजपा के लिए मौका बनेगा। क्या इस बार यह संभव हो पाएगा? अगर भाजपा 70 फीसदी हिंदू आबादी में से 70 फीसदी वोट प्राप्त करे तब उसकी जीत सुनिश्चित होगी। ऐसा गणित इसलिए है क्योंकि पश्चिम बंगाल में बिल्कुल आमने सामने का चुनाव होता है। तृणमूल कांग्रेस बनाम भाजपा का मुकाबला होता है। लेफ्ट और कांग्रेस की ताकत पूरी तरह से समाप्त हो गई है। दोनों को मिला कर 10 फीसदी के करीब वोट मिलता है। 87 से 88 फीसदी वोट तृणमूल और कांग्रेस में बंटते हैं। अगर कोई ऐसी ताकत आए, जिसकी वजह से मुस्लिम वोट का बंटवारा हो तब भाजपा के लिए मौका है या वह 70 फीसदी हिंदू वोट ले और बचा हुआ हिंदू वोट अकेले तृणमूल की तरफ जाने की बजाय दूसरी पार्टियों में बंटे तब उसके लिए मौका बने।

पिछले चुनाव में हुगली के फुरफुरा शरीफ के पीरजादा अब्बास सिद्दीकी ने इंडियन सेकुलर फ्रंट बनाया था और कांग्रेस व लेफ्ट के साथ तालमेल करके लड़े थे। इन तीनों पार्टियों के गठबंधन को 294 में से सिर्फ एक सीट पर जीत मिली थी वह सीट भी आईएसएफ को मिली थी। इसका मतलब है कि तमाम गठबंधन के बावजूद मुस्लिम पूरी तरह से ममता बनर्जी के साथ रहे। इस बार अलग तरह से प्रयास हो रहा है। मुर्शिदाबाद में तृणमूल से निष्कासित विधायक हुमायूं कबीर ने बेलडांगा में बाबरी मस्जिद बनाने का ऐलान किया है। उन्होंने नींव रख दी है और फरवरी में निर्माण कार्य शुरू होगा। उन्होंने जातीय उन्नयन पार्टी का गठन किया है। वे असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एमआईएम से तालमेल की तैयारी कर रहे हैं।

दूसरी ओर कांग्रेस पार्टी ने एक बार फिर जोर लगाया है। ममता बनर्जी की पार्टी से राज्यसभा सांसद मौसम बेनजीर नूर की कांग्रेस में वापसी हुई है। वे एबीए गनी खां चौधरी यानी बरकतदा के परिवार की हैं, जिसका मालदा में बड़ा असर है। उनके चचेरे भाई ईशा खान चौधरी बंगाल में कांग्रेस के इकलौते सांसद हैं। सो, कांग्रेस भी मुस्लिम वोट के लिए जोर लगा रही है। इंडियन सेकुलर फ्रंट तो है ही। हालांकि इतनी भीड़ के बावजूद मुस्लिम वोट टूटेंगे इसमें संदेह है।

अब सवाल है कि क्या हिंदू वोट का 70 फीसदी भाजपा के साथ जाएगा? यह एक मुश्किल लक्ष्य लग रहा है। इसका कारण यह है कि ममता बनर्जी भी पश्चिम बंगाल की संस्कृति से जुड़ी धार्मिकता को बढ़ावा दे रही हैं। पिछला चुनाव उन्होंने मां काली का मंत्र पढ़ कर जीता था। इस बार उन्होंने दीघा में जगन्नाथ धाम बनाया है। यह बंगाल की संस्कृति से जुड़ा मामला है। ध्यान रहे बंगाल में चैतन्य महाप्रभु का बड़ा असर है और जगन्नाथ धाम उनके भक्तों को आकर्षित कर रहा है। इसी तरह उन्होंने न्यू कोलकाता टाउन में सबसे बड़े दुर्गा मंदिर की नींव रखी है। वे दुर्गा आंगन बनवा रही हैं। उधर सिलिगुड़ी में वे सबसे बड़ा महाकाल मंदिर बनवाएंगी। ध्यान रहे बंगाल में शिव शक्ति की पूजा की संस्कृति रही है। ममता बनर्जी ने दुर्गापूजा करे सभी पंडालों को पहले से ज्यादा पैसे भी दिए।

इस तरह वे भाजपा और संघ के पूरे देश को जय श्रीराम के नारे के साथ वैष्णव बनाने के प्रोजेक्ट को चैलेंज कर रही हैं। ध्यान रहे संघ और भाजपा हिंदू धर्म की विविधता को एकरूपता में बदलने की परियोजना चला रहे हैं। पश्चिम बंगाल शक्ति की पूजा वाला प्रदेश है। वहां शाक्त संप्रदाय के लोगों की बड़ी आबादी है। वे मातृ शक्ति की पूजा करते हैं। सो, एक तरफ भाजपा के सामने सांप्रदायिक ध्रुवीकर्ण को एक्सट्रीम तक ले जाने की चुनौती है तो दूसरी ओर हिंदू धर्म की बहुलता, विविधता को एकरुपता में ढालने के उसके दीर्घकालिक प्रयोग की भी परीक्षा है।

बहरहाल, अगर 30 फीसदी मुस्लिम आबादी वाले प्रदेश में भी भाजपा हिंदू ध्रुवीकरण करा कर चुवाव नहीं जीतती है तो क्या वह इस राजनीति की सीमाओं को समझेगी और इसमें कोई बदलाव करेगी? इस बार पश्चिम बंगाल का चुनाव घुसपैठिया भगाओ के नैरेटिव की भी परीक्षा है। भाजपा ने इसे बड़ा मुद्दा बनाया है। असम की तर्ज पर बंगाल में डुसपैठियों को निकालमे और जमीन खाली कराने का दावा किया जा रहा है। इसके अलावा एक परीक्षा एसआईआर की भी है। दावा किया जा रहा है कि एसआईआर के जरिए जो वोट कटे हैं उसका ममता बनर्जी को बड़ा नुकसान होगा। इस दावे का आधार यह है कि भाजपा के लोग कह रहे हैं कि मृत या शिफ्ट कर गए मतदाताओं के नाम पर तृणमूल के लोग वोट डालते थे। वो नाम कट गए हैं तो इससे भाजपा का वोट कटेगा। दूसरी ओर तृणमूल का कहना है कि भाजपा समर्थकों के वोट ज्यादा कटे हैं और इसलिए तृणमूल की सीटें बढ़ेंगी। गौरतलब है कि मालद, मुर्शिदाबाद, नादिया, दिनाजपुर जैसे मुस्लिम बहुल इलाकों में कम वोट कटे हैं। बंगाल के विकास के नैरेटिव की भी एक परीक्षा है। पश्चिम में उद्योग धंधे बंद हो गए हैं और जीडीपी से लेकर प्रति व्यक्ति आय तक में बंगाल पहले से काफी पीछे चला गया है। अंत में एक परीक्षा भ्रष्टाचार के आरोपों की भी है। चिटफंड से लेकर शिक्षक भर्ती घोटाले तक में तृणमूल के अनेक नेता फंसे। हालांकि ममता बनर्जी बेदाग रही हैं। जो हो इस साल के पांच चुनावों में सबसे ज्यादा दिलचस्प चुनाव पश्चिम बंगाल का होने वाला है।

घर के साथ-साथ ऑफिस में भी रखें कामधेनु की मूर्ति

कामधेनु गाय, जिसे हिंदू पौराणिक कथाओं में एक इच्छा पूरी करने वाली गाय के रूप में भी जाना जाता है, यह प्रचुरता, समृद्धि और सफलता का एक पवित्र प्रतीक होती है। वास्तु शास्त्र के अनुसार यदि आप इस गाय की मूर्ति को घर में रखती हैं तो आपके जीवन में समृद्धि आकर्षित होती है। इसे घर के कुछ निश्चित स्थानों में रखने की सलाह दी जाती है। यही नहीं अगर हम इस गाय की मूर्ति को अपने ऑफिस में भी रखते हैं तो इसके लाभ होते हैं। वर्कप्लेस पर कामधेनु गाय की मूर्ति रखने से आपके करियर के विकास पर सकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है, आपके जीवन की बाधाओं को दूर करने में मदद मिल सकती है और सौभाग्य आ सकता है। इसके लाभों को बढ़ाने के लिए इस शुभ आकृति का सही स्थान जरूरी होता है। आइए वास्तु एक्सपर्ट से जानें वास्तु शास्त्र के अनुसार किस स्थान और नियमों से कामधेनु की मूर्ति रखनी चाहिए।

वर्क प्लेस पर कामधेनु की मूर्ति रखने के फायदे

कामधेनु को सभी प्रकार की समृद्धि का स्रोत माना जाता है। इसे घर में रखने से परिवार में धन का प्रवाह बना रहता है और आर्थिक संकट दूर होते हैं। वहीं जब आप इसे वर्कप्लेस पर रखते हैं तो ये आपके लिए आर्थिक लाभ के स्रोत खोलने में मदद करती है।

कामधेनु की मूर्ति वर्कप्लेस में रखने से व्यापार में उन्नति

कामधेनु की मूर्ति को कार्यस्थल पर रखना व्यापार और करियर में उन्नति के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। यह मूर्ति वर्कप्लेस पर न केवल सकारात्मक ऊर्जा का संचार करती है, बल्कि व्यावसायिक बाधाओं को दूर कर नए अवसरों का मार्ग भी प्रशस्त करती है। ऑफिस या दुकान में कामधेनु की मूर्ति स्थापित करने से आपको कार्यों में सफलता मिलती है और साथ ही, पदोन्नति के अच्छे अवसर मिल सकते हैं। यही नहीं व्यापार में मुनाफा पाने के लिए भी इसे आप अपनी दुकान के मुख्य प्रवेश द्वार पर रख सकती हैं।

ऑफिस की डेस्क पर रखा जाए

यदि इसे ऑफिस की डेस्क पर रखा जाए, तो यह कार्य के प्रति आपकी एकाग्रता और समर्पण को बढ़ावा देती है। साथ ही, कामधेनु धन-संपत्ति को आकर्षित करती है और आर्थिक स्थिरता लाने में भी मदद करती है। इसे कार्यस्थल पर स्थापित करने से न केवल नए व्यावसायिक अवसर मिलते हैं, बल्कि टीम के बीच तालमेल भी बेहतर होता है।

कामधेनु की मूर्ति ऑफिस में किस दिशा में रखना शुभ

वास्तु शास्त्र के अनुसार कामधेनु की मूर्ति रखने की सबसे अच्छी दिशा उत्तर-पूर्व ही मानी जाती है । यह दिशा धन और समृद्धि के देवता कुबेर और ज्ञान के देवता बृहस्पति से जुड़ी है। यदि आप वर्कप्लेस पर इसी दिशा में कामधेनु मूर्ति रखें तो आपको इसके सर्वोत्तम लाभ मिलते हैं। ऑफिस में कामधेनु की मूर्ति को उत्तर दिशा में भी रख सकते हैं। इससे आपके व्यापार में उन्नति होती है। यह दिशा आर्थिक प्रगति और करियर ग्रोथ के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

पूजा में नारियल को लाल कपड़े में ही क्यों रखा जाता है?

पूजा-पाठ के दौरान नारियल का प्रयोग किया जाता है। नारियल को जब भी पूजा में रखते हैं तो उसका भी एक नियम होता है। पूजा में रखे जाने वाले नारियल को हमेशा लाल कपड़े में लपेटकर स्थापित किया जाता है। शास्त्रों में बताया गया है कि पूजा में कभी भी नारियल उघड़ा यानी कि बिना कपड़े में लपेटे नहीं रखना चाहिये। वहीं, सिर्फ लाल रंग के कपड़े में ही नारियल को रखने की बात शास्त्रों में कही गई है। ऐसे में ज्योतिषाचार्य लाल कपड़े में ही क्यों नारियल रखने का विधान है। पूजा में लाल कपड़े में नारियल रखने से क्या होता है?

नारियल को सुख-समृद्धि का सूचक:

नारियल को 'श्रीफल' भी कहा जाता है यानी कि माता लक्ष्मी का प्रतीक है। इसके अलावा, नारियल को सुख-समृद्धि का सूचक भी माना जाता है। इसके अलावा, शास्त्रों में वर्णित है कि नारियल में भगवान शिव, भगवान विष्णु और ब्रह्मा जी का वास होता है। वहीं, लाल रंग का सनातन परंपरा में बहुत महत्व माना गया है। लाल रंग ऊर्जा, शक्ति, और समृद्धि को दर्शाता है। ऐसे में जब लाल रंग के कपड़े में नारियल को लपेटकर रखा जाता है तो पूजा में आध्यात्मिक बल की वृद्धि होती है। पूजा में लाल कपड़े में लपेटकर नारियल को रखने से त्रिदेवों की ऊर्जा पूजा स्थल पर स्थाई बनी रहती है। इसके अलावा, चूंकी नारियल और लाल रंग का नाता मां लक्ष्मी से है तो इससे माता का घर में निवास स्थापित होता है और समृद्धि घर आती है।

नारियल को पवित्र और सुरक्षित रखने का तरीका:

नारियल को लाल कपड़े में लपेटने से उसकी शुद्धता बनी रहती है। यह एक प्रकार से नारियल को पवित्र और सुरक्षित रखने का तरीका है, ताकि पूजा के दौरान वह अपवित्र न हो जाए और पूजा में किसी भी प्रकार का दोष न लगे। नारियल को लाल कपड़े में लपेटने से वह एक शुभ और सकारात्मक आभा को ग्रहण करता है जिससे पूजा निर्विघ्न संपन्न होती है। नारियल को लाल रंग के कपड़े में लपेटकर पूजा में रखने से घर की आर्थिक स्थिति में भी वृद्धि होती है।

ठंड में बच्चों की खास केयर 'टिप्स

इस समय कड़ाके की सर्दियां पड़ रही हैं। इतनी ठंड में बच्चों का खास ध्यान रखने की जरूरत होती है। जरा सी लापरवाही हुई नहीं कि बच्चे तुरंत बीमार पड़ जाते हैं। वैसे तो सर्दियों में पैरेंट्स ज्यादातर बच्चों को घर में ही रखते हैं लेकिन फिर भी स्कूल तो भेजना ही पड़ता है। सुबह-सुबह कड़ाके की ठंड में बच्चों को बाहर भेजना पैरेंट्स के लिए थोड़ा मुश्किल जरूर होता है। इस दौरान बच्चों को और भी खास केयर की जरूरत होती है। ऐसे में अगर आपके बच्चे भी सर्दियों में स्कूल जा रहे हैं तो इन खास बातों का ध्यान आपको जरूर रखना चाहिए।

■ गर्म कपड़ों से कवर कर के भेजें स्कूल

ठंड के मौसम में बच्चों का खास ख्याल रखने की जरूरत होती है। खासतौर पर अगर बच्चे स्कूल गोइंग हैं, तो उनके पहनावे का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। बच्चे को ठंड ना लगे इसके लिए उन्हें थर्मल वियर, स्वेटर के साथ मोजे, कैप ,ग्लव्स जैसी चीजें जरूर पहनाएं। हालांकि इसका मतलब यह बिल्कुल भी नहीं है कि बच्चों को जरूरत से ज्यादा कपड़े पहना दिए जाएं। ये उनके लिए थोड़ा सफोकेटिंग भी हो सकता है।

खान-पान का रखें ध्यान

ठंड के मौसम में सर्दी-जुकाम आदि की समस्या काफी बढ़ जाती है। ऐसे में अगर बच्चे की इम्युनिटी स्ट्रॉन्ग होगी, तो वो इन मौसमी बीमारियों के खतरे से बचा रहेगा। यही वजह है कि सर्दी के मौसम में बच्चों के खानपान का विशेष ध्यान रखने की जरूरत होती है। इस मौसम में हेल्दी फ्रूट्स और वेजिटेबल इजीली अवेलेबल रहते हैं, इन्हें बच्चे की डाइट में शामिल करें। इससे बच्चे हेल्दी भी रहेंगे और बीमारियों से भी बचे रहेंगे।

■ नींद भी होनी चाहिए पूरी

बच्चे हों या बड़े, फिजिकली और मेंटली स्ट्रांग रहने के लिए नींद पूरी होना बहुत जरूरी है। हालांकि मोबाइल फोन, टैबलेट और टीवी के इस जमाने में बच्चे इतना मशगूल हो जाते हैं कि उन्हें सोने-जागने, खाने-पीने की फिक्र ही नहीं रहती है। ऐसे में पेरेंट्स की जिम्मेदारी है कि वो इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा भरपूर नींद ले। दिन भर पढ़ाई और भागदौड़ की वजह से बच्चे थक जाते हैं, ऐसे में सर्दियों के मौसम में उन्हें फिट और एक्टिव बनाए रखने के लिए कम से कम 8 से 9 घंटे की नींद जरूर दिलाएं।

■ ना हो बच्चे को मेंटल स्ट्रेस

सर्दियों के मौसम में दिन बहुत छोटा होता है, ऐसे में बच्चों के लिए टाइम मैनेजमेंट करना थोड़ा मुश्किल हो जाता है। स्कूल और पढ़ाई के बीच में बच्चों को खेलने का समय नहीं मिल पाता है, जिसकी वजह से मानसिक तनाव होना स्वाभाविक है। ऐसे में पेरेंट्स की ये जिम्मेदारी है कि वो बच्चे के मेंटल स्ट्रेस को कम करने का प्रयास करें। पढ़ाई-लिखाई के साथ खेलकूद का भी प्रॉपर समय दें। जिससे बच्चों का दिमाग रिलैक्स हो सके।

■ वर्कआउट करना भी है जरूरी

सर्दियों के मौसम में बच्चों को वर्कआउट करने के लिए भी प्रेरित करें। दरअसल वर्कआउट करने से शरीर को हीट मिलती है, जिससे ठंड का असर थोड़ा कम होता है। सुबह रनिंग, जॉगिंग करने से बच्चों के शरीर को एनर्जी तो मिलेगी ही, साथ ही दिनभर उनका दिमाग एक्टिव और फ्रेश रहेगा। इसके अलावा बच्चे को आउटडोर गेम खेलने के लिए भी प्रोत्साहित करें।

नाखूनों पर टिकी रहेगी नेल पॉलिश

बस लगाते हुए फॉलो करें ये टिप्स

अपने नाखूनों को सुंदर दिखाने के लिए इन्हें रंगने का रिवाज बड़े ही लंबे समय से चला आ रहा है। कोई भी ट्रेंड आए या जाए लेकिन नेल्स पर नेल पॉलिश लगाने का ट्रेंड आज भी बरकरार है। टीनएजर्स लड़कियां हों या महिलाएं उनके मेकअप बॉक्स में आपको ढेर सारी नेल पॉलिश की शीशियां मिल ही जाएंगी। नेल पॉलिश के साथ दिक्कत ये है कि इसे तुरंत अप्लाई करने पर तो नेल्स बड़े सुंदर लगते हैं लेकिन मुश्किल से एक दिन भी नहीं बीतता कि ये नाखूनों से उतरना शुरू हो जाती है। इसके बाद तो नेल्स पहले से भी ज्यादा बुरे दिखाई देने लगते हैं। अगर आपकी नेल पॉलिश भी ज्यादा देर के लिए नहीं टिकती तो आज हम आपको कुछ बड़े कमाल के हैक्स बताने वाले हैं, इससे आपकी नेल पेंट लॉन्ग लास्टिंग हो जाएगी।

हमेशा करें डबल कोट

नेल पॉलिश को लॉन्ग लास्टिंग बनाना है तो इसे अप्लाई करते हुए हमेशा ध्यान रखें कि आपको डबल कोट करना है। यानी एक बार नेल पॉलिश लगाने के बाद उसे अच्छी तरह सूखने दें। इसके बाद दोबारा एक और कोट अप्लाई करें। आप कलर्ड नेल पेंट के ऊपर ट्रांसपेरेंट नेल पॉलिश अप्लाई कर सकती हैं। इससे नेल पॉलिश लॉक हो जाएगी और लंबे समय तक नेल्स पर टिकी रहेगी।

बेस कोट लगाना ना भूलें

अपनी मनपसंद नेल पॉलिश लगाने से पहले बेस कोट लगाना बिल्कुल ना भूलें। ये एक तरह की ट्रांसपेरेंट नेल पॉलिश होती है तो नेल्स पर नेल पेंट को लंबे समय तक टिकाने का काम करती है। नेल्स पर पहले अच्छी तरह बेस कोट लगाएं फिर उसे सूखने दें। इसके बाद नेल पेंट अप्लाई करें। इससे आपकी नेल पॉलिश लंबे समय तक टिकी रहेगी।

नाखूनों को अच्छी तरह कवर करें

नेल पॉलिश लगाते हुए इस बात का ध्यान रखें कि ये पूरे नाखून पर अच्छी तरह अप्लाई हो। कई बार नाखूनों की साइड्स और टिप पर नेल पॉलिश ठीक से नहीं लग पाती है, जिससे बाद में वो आसानी से हटने लगती है। ऐसे में जल्दीबाजी में नहीं बल्कि अच्छी तरह पूरे नेल को कवर कर के नेल पॉलिश अप्लाई करें।

नेल पॉलिश खरीदते हुए रखें इन बातों का ध्यान

अपने लिए जब भी नेल पॉलिश खरीदें तो कुछ बातों को ध्यान में रखकर ही खरीदें। हमेशा अच्छी क्वालिटी की नेल पॉलिश खरीदें। सस्ती नेल पेंट कुछ देर के लिए अच्छी लग सकती है लेकिन ये आपके नाखूनों को डैमेज कर सकती है। ध्यान रखें नेल पेंट जितनी गाढ़ी होगी वो उतनी ही लॉन्ग लास्टिंग होगी। इसके अलावा जेल नेल पॉलिश भी काफी दिनों तक टिकी रहती है, ऐसे में आप इन्हें खरीद सकती हैं। कोशिश करें कि वॉटरप्रूफ नेल पेंट ही खरीदें। ये काफी लंबे समय तक टिकी रहती हैं।

खुद की देखभाल के लिए उठाएं ये छोटे कदम

कोई अगर आपसे यह सवाल करे कि आप हर दिन खुद पर कितना वक्त खर्च करती हैं, तो आपका क्या जवाब होगा? जहां तक मेरा अनुभव है, अधिकांश महिलाएं झट से कहेंगी कि जिम्मेदारियों से वक्त मिले, तब तो वो खुद के लिए कुछ कर पाएं। हमारे-आपके अनुभव ही नहीं बल्कि हाल में हुए एक अध्ययन में भी यह बात सामने आई है कि महिलाएं पुरुषों की तुलना में खुद पर बहुत कम वक्त खर्च करती हैं। इंडिया स्पेंड नाम की एक संस्था के द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार शादीशुदा भारतीय महिलाएं अपने समकक्ष पुरुषों की तुलना में खुद को हर दिन 85 मिनट कम वक्त दे पाती हैं। वहीं भारतीय महिलाएं हर सप्ताह 44 घंटे से ज्यादा का वक्त ऐसे कामों में बिताती हैं, जिनके लिए उन्हें कोई मेहनताना नहीं मिलता। वहीं पुरुष हर सप्ताह ऐसे कामों पर मात्र पांच घंटे खर्च करते हैं।

छोटे-छोटे कदमों से

1 हर दिन कुछ वक्त खुद के साथ बिताएं। चौबीसों घंटे कोई-न-कोई जिम्मेदारी उठाते रहना जरूरी नहीं। मन की शांति के लिए हर दिन कुछ वक्त शांति से बैठना और आराम करना भी जरूरी है। खास बात यह है कि आपका ऐसा करना स्वार्थी होना बिल्कुल भी नहीं है।

2 आपकी जिंदगी में भी कुछ लोग ऐसे होंगे, जिनसे बातें करके आपका मन हल्का होता होगा। ऐसे लोगों से नियमित रूप से बात करें। तनाव कम करने में मदद मिलेगी।

3 अगर आपके घर में पालतू जानवर हैं, तो हर दिन कुछ वक्त उनके साथ बिताएं। पालतू जानवरों के साथ वक्त बिताने से न सिर्फ शारीरिक सक्रियता बढ़ती है बल्कि एंग्जाइटी का सामना करने में भी मदद मिलती है।

4 अपनी सीमाएं तय करें। हर चीज के लिए हां कहने की अपनी आदत बदलें। जिस काम को करने की आपकी इच्छा नहीं है, उसके लिए ना कहना सीखें।

5 अपने स्मार्टफोन के स्क्रीन में डूबे रहना हम सब की आदत हो गई है। इस आदत को बदलें। स्मार्टफोन से दूरी बनाएं ताकि आपको रीचार्ज होने का मौका मिले। सोशल मीडिया, ईमेल और खबरों से नियमित रूप से दूरी बनाकर आप अपने मन को सुकून दे पाएंगी।

6 कोई ऐसी गतिविधि तलाशें, जिससे आपके मन को सुकून मिलता हो। नियमित रूप से ऐसी गतिविधि करने से तनाव कम होगा और खुद की बेहतरी की दिशा में नए सफर की शुरुआत होगी।

सामूहिक आस्था की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति

स शनिवार की शाम भगवद्गीता के श्लोक जीवंत हो उठे, जब चिन्मय मिशन ने बारकू पाटिल उद्यान में 5000 से अधिक भक्तों को भगवद्गीता के 15वें अध्याय के 'समष्टि (सामूहिक) पाठ' के लिए एकत्रित किया। इस आयोजन ने भक्ति, चिंतन और आंतरिक रूपांतरण के लिए एक साझा मंच तैयार किया।

वर्ष 2026 में चिन्मय मिशन के 75वें वर्ष में प्रवेश करने के साथ ही, इस विशाल सभा ने सामूहिक आस्था की एक शक्तिशाली अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। यह आयोजन इसके संस्थापक, पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद के उस विजन को आगे ले जाने का एक प्रयास था, जिसमें उन्होंने भगवद्गीता के शाश्वत ज्ञान को केवल शास्त्रों तक सीमित न रखकर रोजमर्रा के जीवन में उतारने का संकल्प लिया था। इस समागम में 25 स्कूलों के 1500 छात्रों ने भाग लिया, जो युवा पीढ़ी को जोड़ने और उन्हें भारत की आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत से छोटी उम्र में ही परिचित कराने के चिन्मय मिशन के निरंतर प्रयासों को दर्शाता है। शाम की शुरुआत चिंतनशील और भक्तिमय वातावरण में हुई, जहाँ चिन्मय मिशन के विश्व प्रमुख पूज्य स्वामी स्वरूपानंद के आगमन से पूर्व भजनों ने भक्ति का माहौल बना दिया।

कार्यक्रम के दौरान पूज्य गुरुदेव के जीवन और उनकी विरासत पर एक लघु फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें वेदांत के ज्ञान को प्रवचनों से परे दैनिक व्यवहार में लाने के उनके दृष्टिकोण को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के साथ एक विशेष रूप से तैयार की गई 'लाइट-एंड-लेजर' प्रस्तुति भी दी गई, जिसने कठिन दार्शनिक विचारों को दर्शकों के लिए एक दृश्य अनुभव में बदल दिया। भगवद्गीता का 15वाँ अध्याय, जिसे 'पुरुषोत्तम योग' के रूप में जाना जाता है, इस ग्रंथ की सबसे शक्तिशाली दार्शनिक शिक्षाओं में से एक है। उल्टे 'अश्वत्थ वृक्ष' के रूपक के माध्यम से, यह सांसारिक अस्तित्व की नश्वरता और विवेक व वैराग्य की आवश्यकता को समझाता है। यह अध्याय 'पुरुषोत्तम' के परम सत्य जो क्षर (नाशवान) और अक्षर (अविनाशी) दोनों से परे है, उस समझ के साथ संपन्न होता है। उन्होंने आगे कहा, जब हजारों लोग एक साथ पाठ करते हैं, तो यह दर्शनशास्त्र से ऊपर उठकर एक साझा आंतरिक अनुभव बन जाता है। जैसे-जैसे चिन्मय मिशन 75 वर्ष पूरे कर रहा है, यह सामूहिक पाठ समाज में स्पष्टता, शक्ति और एकता लाने की गीता की कालातीत शक्ति को दर्शाता है। मुंबई का यह 'समष्टि गीता पाठ' इस बात की याद दिलाता है कि भगवद्गीता उम्र, भाषा और पृष्ठभूमि की सीमाओं को तोड़कर लोगों को एकजुट करना जारी रखती है। सामूहिक पाठ के माध्यम से, चिन्मय मिशन ने इस विश्वास को फिर से पुख्ता किया कि भारत की आध्यात्मिक विरासत केवल संरक्षित करने के लिए नहीं है, बल्कि इसे एक साथ जीने, साझा करने और अनुभव करने के लिए है।

रोज सब्जी बनाते हुए रखें इन बातों का ध्यान

बढ़ते मोटापे ने आज अधिकतर लोगों की नाक में दम कर रखा है। इसके पीछे सबसे बड़ी वजह हमारा गलत खानपान और फिजिकल एक्टिविटीज की कमी है। कोई भले ही आपको वजन कम करने के कितने भी शॉर्ट कट क्यों ना बताए लेकिन सच तो यही है कि वजन कम करने के लिए अच्छी डाइट और वर्कआउट दोनों ही जरूरी हैं। आप अपने खानपान पर थोड़ा सा ध्यान दे कर ही अच्छा-खासा वजन कंट्रोल कर सकते हैं। अब आपकी रोजाना की थाली में स जी तो शामिल होगी ही, तो क्यों ना शुरुआत यहीं से की जाए। तो बस आज हम आपको स जी बनाने के ऐसे तरीकों के बारे में बताएंगे जिससे ये स जी ही आपकी वेट लॉस में मदद करेगी।

हेल्दी फैट्स को करें सब्जी में शामिल

वेट लॉस के लिए सब्जी बनाते हुए सबसे पहला बदलाव तो आपको अपने कुकिंग ऑयल में करने की जरूरत है। सिर्फ कम तेल डालना ही काफी नहीं है बल्कि सही तेल का इस्तेमाल करना भी जरूरी है। वेट लॉस के लिए नारियल का तेल सबसे अच्छा माना जाता है। एक चम्मच नारियल का तेल मेटाबॉलिज्म को लगभग 5 परसेंट तक बढ़ा सकता है। इसके अलावा आप सब्जी में एक चम्मच देसी घी डालकर भी खा सकते हैं। घी में मौजूद गुड फैटी एसिड और ओमेगा 6, शरीर में चर्बी को कम करने और लिपिड और प्रोटीन को बनाए रखने में सहायक होते हैं।

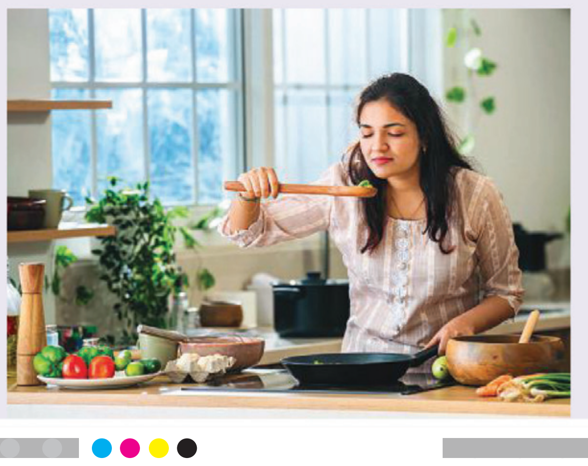

मसालों का करें भरपूर इस्तेमाल

भारतीय मसाले महज खाने के जायके को बढ़ाने का ही काम नहीं करते बल्कि सेहत के लिए भी ये बहुत फायदेमंद होते हैं। आयुर्वेद में तरह-तरह के रोगों का इलाज करने में इनका इस्तेमाल होता है। ऐसे में रोजाना की सब्जी बनाते हुए उसमें मसाले शामिल करना ना भूलें। वेट लॉस के लिए हल्दी, लाल मिर्च और काली मिर्च जैसे मसाले काफी अच्छे होते हैं। ये फैट बर्निंग में तो मदद करते ही हैं, साथ ही शरीर के टॉक्सिंस को बाहर निकालने में भी काफी फायदेमंद होते हैं।

करी पत्ते को करें तड़के में शामिल

वेट लॉस स्पेशल सब्जी बनाने के लिए तड़का लगाते समय करी पत्ते का इस्तेमाल जरूर करें। फ्रेश करी पत्ता आपकी सब्जी में खुशबूदार फ्लेवर भी एड करेगा और साथ ही वेट लॉस में भी आपकी मदद करेगा। करी पत्ता फैट सेल्स को बर्न कर मोटापा घटाने में मदद करता है। ये शरीर में मौजूद टॉक्सिंस को रिमूव कर बॉडी को डिटॉक्स करने में भी हेल्प करता है। अगर आप बढ़ते कोलेस्ट्रॉल से भी परेशान हैं तो करी पत्ते को अपनी डाइट में जरूर शामिल करें।

ग्रेवी वाली सब्जी के लिए चुनें सही बेस

कोई ग्रेवी वाली सब्जी बना रहे हैं तो सही बेस का चुनाव करना बहुत जरूरी है। आमतौर पर ग्रेवी की थिकनेस बढ़ाने के लिए क्रीम या योगर्ट का इस्तेमाल होता है लेकिन ये दोनों ही वजन बढ़ा सकते हैं। इसलिए ग्रेवी के बेस के लिए हमेशा दही, नारियल का दूध या पानी में कार्न फ्लोर मिलाकर उसका इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे ग्रेवी बिल्कुल परफेक्ट भी बनेगी और वजन बढ़ने का खतरा भी नहीं रहेगा।

पुलिस ने नारायणपुर में पकड़ा 01 क्विंटल 85 किलो अवैध मादक प्रदार्थ गांजा, दो तस्कर गिरफ्तार

जशपुर(समय दर्शन)। जशपुर जिला पुलिस के नारायणपुर थाना की टीम ने गांजा तस्करों के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की है। जप्त गांजे की बाजार में कीमत लगभग 55लाख रु से अधिक बताई जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के नेतृत्व व दिशा निर्देश पर, नशे के खिलाफ जशपुर पुलिस का ऑपरेशन आघात अनवरत जारी है, जिसके तहत जशपुर पुलिस निरंतर नशे के कारोबारियों के विरुद्ध कार्रवाई कर रही है, जिसके लिए पुलिस के अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया गया है, इसी क्रम में जशपुर पुलिस के द्वारा थाना नारायणपुर क्षेत्रांतर्गत रानीकोंबो में मुखबिर की सूचना पर एक क्रेटा कार से 01 क्विंटल 85 किलो 42 ग्राम अवैध मादक प्रदार्थ गांजा के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। जप्त गांजे की बाजार में कीमत 55 लाख 50हजार रु है। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की प्रात: करीबन 03 से 04 बजे के मध्य थाना नारायणपुर पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली थी कि एक संदिग्ध सफेद रंग की क्रेटा कार कार क्रमांक यूपी-32-एचएफ-0299 में कुछ व्यक्ति अवैध मादक प्रदार्थ गांजा को छुपाकर कुनकुरी की ओर से नारायणपुर होते हुए, उत्तर प्रदेश की ओर ले जा रहे हैं। जिस पर थाना नारायणपुर पुलिस के द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए, मुखबिर की सूचना के संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अवगत कराते हुए, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जशपुर शशि मोहन सिंह के दिशा निर्देश पर तत्काल थाना बगीचा की पुलिस टीम के साथ ग्राम रानीकोंबो के मुख्य मार्ग पर नाकाबंदी करते हुए संदिग्ध वाहनों की चेकिंग की जा रही थी, इसी दौरान कुनकुरी की ओर से उक्त संदिग्ध सफेद रंग की क्रेटा कार आता दिखाई देने पर, पुलिस के द्वारा कार्यवाही करते हुए, घेराबंदी कर संदिग्ध क्रेटा कार को रोका गया, कार में दो व्यक्ति बैठे मिले, पुलिस के द्वारा कार की तलाशी लेने पर, कार की बीच सीट के नीचे व डिक्की में एक कारपेट के नीचे छुपा कर रखा गया, पीली रंग की प्लास्टिक टेप से लपेटा गया, कुल 180 पैकेट में अवैध मादक प्रदार्थ गांजा मिला, जिसका कुल वजन 1 क्विंटल 85 किलो 42 ग्राम था। जिस पर पुलिस के द्वारा क्रेटा कार सहित अवैध मादक प्रदार्थ गांजा को जप्त करते हुए, दोनो संदिग्ध तस्करों को हिरासत में लिया गया। पूछताछ पर हिरासत में लिए गए दोनों तस्करों ने अपना नाम क्रमश: 1. शान मोहम्मद उर्फ सानू, उम्र 22 वर्ष निवासी जगदीशपुर, मानपुरलाल, लखनऊ (उत्तर प्रदेश) है।

खबर-खास

संस्कार सिटी कॉलेज में फ्रेशर पार्टी, खुशी वैष्णव बनीं मिस फ्रेशर, निखिल कुमार को मिला मिस्टर फ्रेशर का खिताब

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संस्कार सिटी कॉलेज ऑफएजुकेशन, ठाकुरटोला, राजनांदगांव में डी.एल.एड. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा नवप्रवेशी विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य नए विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षणिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक वातावरण से परिचित कराना रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत नवप्रवेशी विद्यार्थियों के पुष्प-गुच्छ एवं तालियों के साथ आत्मीय स्वागत से हुई। इसके बाद विद्यार्थियों ने गीत, नृत्य एवं विभिन्न मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे पूरा परिसर उत्साह और उमंग से सराबोर रहा। महाविद्यालय की परंपरा के अनुसार इस वर्ष खुशी वैष्णव को मिस फ्रेशर तथा निखिल कुमार को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। दोनों को चयन की घोषणा के बाद उपस्थित शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने बधाई दी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम एवं सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। साथ ही उन्होंने सफल आयोजन के लिए विद्यार्थियों की सराहना की।

फ्रेशर पार्टी सौहार्दपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्राचार्य, शिक्षकगण एवं सभी प्रशिक्षणार्थी उपस्थित रहे।

पोषण अधिनियम एवं शी-बॉक्स पोर्टल को लेकर जिले में पोस्टर अभियान शुरू

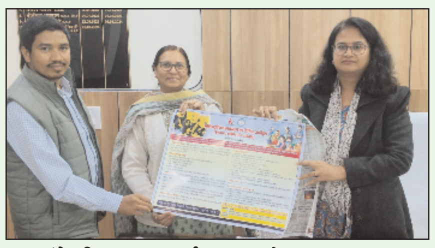

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार महिलाओं की सुरक्षा एवं सम्मान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कार्यस्थल पर महिलाओं के लैंगिक उत्पीड़न निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष अधिनियम 2013 तथा शी-बॉक्स पोर्टल के संबंध में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में अतिरिक्त कलेक्टर श्रीमती निष्ठा पाण्डेय तिवारी द्वारा जागरूकता पोस्टर का अनावरण किया गया। एडीएम ने कार्यक्रम के दौरान कार्यस्थल पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर अधिनियम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया।

जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती संजुला शर्मा ने पोस्टर चस्पा कर जिले में अभियान का शुभारंभ किया। उन्होंने बताया कि महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा कार्यस्थल पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न से महिलाओं की सुरक्षा के लिए शी-बॉक्स पोर्टल प्रारंभ किया गया है। इस पोर्टल के माध्यम से ऐसे सभी शासकीय एवं अशासकीय कार्यालयों/संस्थानों, जहां 10 या उससे अधिक कर्मचारी कार्यरत हैं, में आंतरिक समिति का गठन एवं पोर्टल पर पंजीयन अनिवार्य किया गया है। पीड़ित महिलाएं इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकती हैं। इस अवसर पर जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी गोपाल लांझी, संरक्षण अधिकारी (नवविहान) श्रीमती सीतामणी कच्छप सहित विभाग के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

अवैध रूप से संचालित मांस-मटन दुकान को निगम ने किया बेदखल

भिलाईनगर (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम भिलाई आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय के प्रात: निरीक्षण में खुले में अवैध रूप से दुकान लगाकर मांस-मटन विक्रय करते पाया गया। निगम क्षेत्र में अवैध दुकान संचालित कर मांस-मटन विक्रय प्रतिबंधित किया गया है, उसके बाद भी मुख्य चौराहे पर कटिंग कर बेचा जा रहा था।

जोन-3 सुभाष चौंक में अवैध रूप से दुकान लगाकर खुले में मांस-मटन विक्रय किया जा रहा था। निगम आयुक्त के निर्देशानुसार स्वास्थ्य अधिकारी जावेद अली के उपस्थिति में मांस-मटन किये जा रहे दुकानों पर बेदखली कार्यवाही की गई। लगाये गये बांस-बल्ली को जे.सी.बी. से तोड़कर जप्त किया गया। दुकान संचालक को समझाइस भी दिया गया है कि कहीं भी खुले में दुकान न लगाये। कार्यवाही के दौरान सहायक राजस्व अधिकारी बसंत देवांगन, जोन स्वास्थ्य अधिकारी बीरेन्द्र बंजारे, स्वच्छता निरीक्षक चुड़ामणी यादव सहित बेदखली टीम उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस मांस-मटन की बिक्री पर प्रतिबंध

दुर्ग (समय दर्शन)। जनवरी को गणतंत्र दिवस पर मांस-मटन का प्रतिबंध पूर्णत: प्रतिबंधित रहेगा। राज्य शासन के प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा इस संबंध में ऑर्डर जारी किए गए हैं। इसको ध्यान में रखते हुए नगर निगम ने 26 जनवरी को पशुवध गृहों और मांस-मटन के निगम सीमा क्षेत्र अंतर्गत के दुकान को बंद रखने के संबंध में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग द्वारा पत्र प्रसारित किया है। 26 जनवरी (गणतंत्र दिवस) में किसी भी दुकान में मीट-मटन की बिक्री पाए जाने पर जप्ती के साथ ही संबंधित व्यक्ति की राय यथोचित गणना की जाएगी।

स्व. दाऊ रामचन्द्र साहू सेजेश विद्यालय पाटन में वार्षिक उत्सव एवं प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

पाटन (समय दर्शन)। पाटन स्थित स्व. दाऊ रामचन्द्र साहू सेजेश विद्यालय में वार्षिक उत्सव, प्रतिभा सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल रहे। वहीं विशेष अतिथि के रूप में भाजपा प्रदेश मंत्री जितेंद्र वर्मा, दिलीप साहू, नगर पंचायत अध्यक्ष निक्की भाले, उपाध्यक्ष निशा सोनी, मंडल अध्यक्ष रानी केशव बंछोर सहित पार्षदगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के स्वागत से हुई। शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष मिलन देवांगन एवं शिक्षकों द्वारा सभी अतिथियों का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया तथा मंच पर उनका सम्मान किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रतिभावान विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। अतिथियों ने बच्चों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दीं, जिन्हें उपस्थित जनसमूह ने खूब सराहा। पूरे आयोजन में उत्साह और अनुशासन का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर शाला विकास समिति के सदस्य भगत राम बंछोर, रोहित देवांगन, दिनेश निषाद, प्रमोद सिन्हा मौजूद रहे।

सांसद ज्योत्सना महंत ने ली जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने एवं यातायात सुगम बनाने हेतु प्रभावी कदम उठाने के दिए निर्देश

कोरबा (समय दर्शन)। सांसद लोकसभा क्षेत्र कोरबा श्रीमति ज्योत्सना चरण दास महंत की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला स्तरीय सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में सांसद ने जिले की यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. पवन सिंह, कलेक्टर कुणाल दुदावत, पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी, वनमण्डलाधिकारी कोरबा प्रेमलता यादव, जिला पंचायत सीईओ दिनेश कुमार नाग और जिला परिवहन अधिकारी विवेक सिन्हा सहित विभागीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

सांसद श्रीमति महंत ने सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं पर नियंत्रण हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि दुर्घटनाओं को रोकने प्रभावी कदम उठाएं जाएं। इस हेतु आवश्यक स्थानों में गति अवरोधक, रेडियम पट्टी, संकेतक, साइन बोर्ड अनिवार्य रूप से प्रदर्शित की जाए। उन्होंने ओवर स्पीडिंग, बिना हेलमेट, तीन सवारी और बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों पर सख्त चालानी कार्यवाही करने के भी निर्देश दिए। सांसद ने स्कूल-कॉलेजों में शिविर आयोजित कर युवाओं को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने के निर्देश दिए। बैठक को संबोधित करते हुए कलेक्टर दुदावत ने जिले में सड़क दुर्घटनाओं के प्रमुख कारण, सड़क सुरक्षा से संबंधित किए गए प्रयास व सड़क सुरक्षा जागरूकता के संबंध में किए गए कार्यो की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने जिले में यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में पहल करते हुए सभी विभागों को सौंपे गए दायित्वों का समय पर निर्वहन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने दुर्घटना जन्य क्षेत्रों पर ब्रेकर्स, स्पष्ट साइनेज, रेडियम पट्टियाँ, तथा पेड़ों और झाड़ियों की छटाई कर दृष्टि बाधाओं को प्राथमिकता से दूर करने निर्देश दिए। पुलिस अधीक्षक श्री तिवारी ने बताया कि विभाग द्वारा जिले में ओवर स्पीडिंग, शराब पीकर वाहन चलाने और मोडिफाइड साइलेंसर का उपयोग करने वालों के खिलाफनिरंतर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि अब तक कई लापरवाह चालकों के ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किए जा चुके हैं। साथ ही सैकड़ो प्रकरणों में चलानी कार्यवाही भी की गई है। जिससे गत वर्ष की तुलना में इस वर्ष सड़क दुर्घटना में होने वाली मृत्यु में कमी आई है। उन्होंने बताया कि जिले में नेत्र परीक्षण शिविर आयोजित कर ट्रक, बस जैसे भारी वाहन चालकों सहित हल्की वाहन चालकों एवं आमजनों का दृष्टि परीक्षण कराया जाएगा।

संयुक्त संचालक ने किया छ.ग. टीचर्स एसोसिएशन के कैलेंडर का विमोचन

संजय शर्मा के हाथों सम्मानित हुए मिडिया प्रभारी प्रदीप जायसवाल

कोरबा (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जिला कोरबा के संघीय वार्षिक कैलेंडर 2026 का विमोचन श्री आर.पी.आदित्य संयुक्त संचालक शिक्षा संभाग बिलासपुर ने किया। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा के नेतृत्व में संघ की ओर से शिक्षकों के समस्याओं पर चर्चा किया गया। जिस पर संयुक्त संचालक महोदय ने त्वरित निराकरण करने का आश्वासन दिया है। सहायक संचालक जे.के.शास्त्री एवं प्रकाश तिवारी को वार्षिक कैलेंडर भेंट किया गया।

संजय शर्मा प्रदेश अध्यक्ष,मनोज सनाट्य प्रांतीय सचिव,बसंत चतुर्वेदी प्रदेश उपाध्यक्ष ने बताया कि छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन जिला कोरबा मातृत्व संघ के वार्षिक कैलेंडर में पूर्ण पेंशन, क्रमोन्नति,वेतन विसंगति दूर,पदोन्नति,बीएड का ब्रीज कोर्स आदि प्रमुख मांगों को प्रमुखता से स्थान दिया गया है।

प्रमोद सिंह राजपूत प्रदेश संगठन मंत्री,मनोज चौबे जिला अध्यक्ष, नरेंद्र चंद्रा जिला सचिव ने बताया कि 2026 की संघीय कैलेंडर में 28 सामान्य अवकाश एवं 61 ऐच्छिक अवकाश का विवरण प्रकाशित किया गया है जो अधिकारी कर्मचारीयों सहित आम जनों के लिए उपयोगी है। ऑफिस,कार्यालय,स्कूलों में कैलेंडर का वितरण किया जाता है एवं जनप्रतिनिधियों को कैलेंडर सप्रेम भेंट किया जाता है।

संजय शर्मा,मनोज सनाढ्य, बसंत चतुर्वेदी के कर कमलों से प्रदीप जायसवाल जिला मीडिया प्रभारी को कोरबा जिला के संगठन के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने हेतु माला पहनाकर मोमेंटो प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया। कैलेंडर विमोचन में सर्वप्रमुख प्रदेश अध्यक्ष संजय शर्मा, प्रांतीय सचिव मनोज सनाढ्य, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं संभाग प्रभारी बसंत चतुर्वेदी, प्रदेश संगठन मंत्री प्रमोद सिंह राजपूत, कोरबा जिलाध्यक्ष मनोज चौबे, बिलासपुर जिला अध्यक्ष संतोष सिंह,जिला सचिव नरेंद्र चंद्रा,प्रदीप जायसवाल जिला मीडिया प्रभारी,राजेंद्र नायक जिला उपाध्यक्ष, जय कमल जिला संगठन मंत्री, सत्य प्रकाश खांडेकर जिला संगठन मंत्री, संतोष यादव जिला सहसचिव, मनीराम साहू जिला संगठन सचिव, रमेश जांगड़े जिला महामंत्री, शिशुपाल प्रभाकर जिला संगठन सचिव, रामशेखर पांडे ब्लॉक अध्यक्ष पोड़ी उपरोड़ा, नागेंद्र मरावी ब्लॉक अध्यक्ष पाली, बसंत मिरी मीडिया प्रभारी करतला, प्रताप सिंह राजपूत प्रचार मंत्री, भारत राम डिक्सेना जिला संयुक्त सचिव,शंकर दास मानिकपुरी जिला पदाधिकारी,ज्योतिष तिवारी,गनपत ध्रुव,प्रकाश चंद भारद्वाज,मानिक राम कहरा,बम्हनीडीह ब्लॉक अध्यक्ष उमेश तेम्बुलकर,बिलासपुर जिला कोषाध्यक्ष आशीष गुप्ता, जांजगीर जिला संगठन मंत्री उत्तम साहू,जांजगीर जिला संगठन सचिव नवधा चन्द्रा, आदि की गरिमामय उपस्थिति रही।

पौराणिक काल की महत्वपूर्ण विद्या है तीरंदाजी खेल : नीलू शर्मा

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संस्कारधानी तीरंदाजी संघ, जिला इकाई राजनांदगांव द्वारा युवा दिवस के अवसर पर एक दिवसीय तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 18 जनवरी 2026 को अंतर्राष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम राजनांदगांव में किया गया। स्वामी विवेकानंद के आदर्शो को लेकर प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं में पारंपरिक खेलों के प्रति रुचि जागृत करना एवं खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना था।

प्रतियोगिता के समापन समारोह पर्यटन मंडल के अध्यक्ष नीलू शर्माएके मुख्य आतिथ्य, महापौर मधुसूदन यादव के अध्यक्षता तथा उत्तर मंडल अध्यक्ष भाजपा सुमित भाटिया, कस्तूरबा महिला मंडल की संरक्षक एवं समाजसेवी शारदा तिवारी, सचिव साधना तिवारी तथा गेमू कुंजाम के विशिष्ट आथित्य में संपन्न हुआ। समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि नीलू शर्मा ने अपने उद्बोधन में कहा कि तीरंदाजी हमारे पौराणिक काल की एक महत्वपूर्ण विद्या है, जिसका उल्लेख रामायण और महाभारत जैसे महान ग्रंथों में मिलता है। उन्होंने कहा कि प्राचीन समय में तीरंदाजी का उपयोग युद्ध और खेल दोनों के रूप में किया जाता था। आज के समय में इस पारंपरिक खेल को पुन: प्रोत्साहित किया जाना अत्यंत सराहनीय पहल है। उन्होंने संस्कारधानी तीरंदाजी संघ के प्रशिक्षकों एवं पदाधिकारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए भविष्य में हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

वहीं महापौर मधुसूदन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि संस्कारधानी तीरंदाजी संघ, जिला इकाई राजनांदगांव विगत वर्षों से निरंतर ऐसे प्रेरणादायक कार्यक्रमों का आयोजन कर रहा है। संघ शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी तीरंदाजी खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देकर खेल प्रतिभाओं को निखारने का कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब बच्चे मोबाइल और टीवी तक सीमित होते जा रहे हैं, ऐसे में खेलों के माध्यम से उनके शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए किए जा रहे प्रयास अत्यंत प्रशंसनीय हैं।

कार्यक्रम के अंत में अतिथियों द्वारा प्रतियोगिता के विजेता व उपविजेता खिलाड़ियों को विशाल ट्रॉफी देकर पुरस्कृत किया गया। समापन समारोह में प्रमुख रूप से संस्कारधानी तीरंदाजी संघ के सचिव राहुल साहू, उपाध्यक्ष राधेश्याम गुप्ता सहित वरिष्ठ खिलाड़ी कुशल रजक, अंजली यादव, भूपेंद्र सिन्हा, जतिन यादव, राहुल साहू सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ियों के अभिभावक एवं खेल प्रेमी जनता मौजूद रहे।

संस्कार सिटी कॉलेज ऑफएजुकेशन ने आयोजित किया ग्रामीण शिविर, गौ रक्षा पर जागरूकता अभियान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संस्कार सिटी कॉलेज ऑफएजुकेशन, ठाकुरटोला द्वारा 2026 के प्रशिक्षणार्थियों के साथ मिलकर शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला, टप्पा ग्राम अमलीडीह, ब्लॉक डोगरगढ़ में एक दिवसीय ग्रामीण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों में गौ रक्षा के महत्व को समझाना और छात्रों को सामाजिक गतिविधियों में भागीदारी का अनुभव प्रदान करना था। शिविर के दौरान बी.एड प्रथम वर्ष के प्रशिक्षणार्थियों ने पहले एक जागरूकता रैली निकाली, जो टप्पा ग्राम के मुख्य मार्गों से होते हुए लोगों तक गौ रक्षा के विषय में संदेश पहुंचाने का कार्य किया। इसके बाद, छात्रों ने एक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया, जिसमें गाय के दूध के पोषक तत्वों और गौ तस्करी को रोकने के महत्व पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक का मंचन किया। इस नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को गौ माता की सुरक्षा और उसके दूध से होने वाले स्वास्थ्य लाभों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी दी गई।

शिविर के समापन पर महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. गुरप्रीत कौर ने शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला के प्रधानाचार्य को धन्यवाद स्वरूप स्मृति चिन्ह भेंट किया।

डॉ. गुरप्रीत कौर ने कहा, इस शिविर का उद्देश्य केवल गौ रक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना ही नहीं, बल्कि छात्रों को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी का अहसास कराना भी था। इस शिविर ने छात्रों को न केवल सामाजिक कार्यों के महत्व का एहसास कराया, बल्कि उन्हें समुदाय में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।

दीपप्रज्वलन कर महापौर ने किया प्रदर्शनी का शुभारंभ

प्रदर्शनी का शुभारंभ करते हुए महापौर अलका बाघमार ने कारीगरों के हुनर को बताया प्रेरणादा

दुर्ग (समय दर्शन)। भारत सरकार, एमएसएमई मंत्रालय, एमएसएमई-विकास कार्यालय, रायपुर द्वारा पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए प्रदर्शनी-सह-व्यापार मेला का आयोजन दिनांक 21 एवं 22 जनवरी, 2026 को स्वामी विवेकानंद भवन, दुर्ग में किया जा रहा है।जिसका आज महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने एमआईसी सदस्य देव नारायण चंद्राकर, शेखर चंद्राकर,ज्ञानेश्वर चन्द्राकर, निलेश अग्रवाल,शशि साहू की उपस्थिति में 100 स्टॉलों में सजी विश्वकर्माओं की कला,दीपप्रज्वलन कर प्रदर्शनी का उद्घाटन हुआ।

बता दे कि विश्वकर्माओं द्वारा अपने उत्पादों का प्रदर्शन एवं विक्रय किया जा रहा है। इस प्रदर्शनी में पीएम विश्वकर्मा योजना के लाभार्थियों के लिए लगभग 100 स्टॉल लगाए है।

इस कार्यक्रम के अवसर पर महापौर अलका बाघमार ने कहा कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता, हर काम का अपना महत्व है।इस योजना में टूलकिट पोस्ट ऑफिस से भेजा जा रहा है जो कि पारदर्शी है, सराहनीय है, 5% वार्षिक दर पर ऋण मिल रहा है यह भी एक उपलब्धि है हमारे विश्वकर्मा जनों के लिए।

उन्होंने ये भी कहा कि इस योजना के माध्यम से विश्वकर्माओं को अपने साथ साथ अपने बच्चों का भी भविष्य संवारने में मदद मिलेगी।विलुप्त हो रही हस्तकला को वापस लाने के लिए ही यह योजना बनाई गई है।हर हाथ को काम मिले और युवागण नौकरी के ऊपर निर्भर ना रहे यही हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी की अभिलाषा है।जब हर हाथ को, हर कारीगर को काम मिलेगा तभी हमारा देश तरक्की के रास्ते पर तेजी से आगे बढ़ेगा।गांवों का विकास तभी होगा जब पुराने और परंपरागत व्यवसाय को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा और हमारे गांव पहले की तरह समृद्ध और आत्मनिर्भर हो सकेंगे। डॉक्टर सीपी दुबे अध्यक्ष लघु उद्योग भारती इंसान के बनाए हुए सामानों की महत्ता के बारे बताया भारत एक समय सोने की चिड़िया था क्योंकि देश के हरेक गांव में सारी सुविधाएं उपलब्ध थी उनको बाहर जाने की आवश्यकता नहीं थी। इसी कारण माननीय प्रधानमंत्री ने कारीगरों को आगे बढ़ाने के लिए यह योजना लांच की है ताकि गांवों की उन्नति के साथ हमारा देश पुन: सोने की चिड़िया बन सके। बी आर निकुंज मुख्य महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र दुर्ग पीएम विश्वकर्मा योजना के अंतर्गत दुर्ग जिले में प्राप्त आवेदनों, टूल किट वितरण, स्वीकृत ऋण आदि के बारे में बताया।

विधायक श्रीमती चतुरी नंद ने गणतंत्रयात्रा के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला बिलखंड का किया दौरा

बसना (समय दर्शन)। बसना विकासखण्ड के वनांचल ग्रामों का सतत दौरा करते हुए सरायपाली विधायक श्रीमती चतुरी नंद ने गणतंत्रयात्रा के दौरान शासकीय प्राथमिक शाला बिलखंड पहुची।

विद्यालय परिसर में पहुंचते ही शिक्षकों, विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों द्वारा क्षेत्रीय विधायक का आत्मीय स्वागत किया गया। गणतंत्रयात्रा के दौरान विधायक श्रीमती चतुरी नंद ने विद्यार्थियों एवं ग्रामीणजनों को संबोधित करते हुए कहा कि भारत का संविधान हमें समता और बंधुत्व के साथ ,समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार देता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और देश के विकास की सबसे मजबूत नींव है, इसलिए सरकारी विद्यालयों को सशक्त बनाना उनकी प्राथमिकता है।

इस अवसर पर विद्यालय के बच्चों द्वारा देशभक्ति गीत एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं।

उन्होंने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने, अनुशासन को जीवन उताश्रने और अपने लक्ष्य के प्रति सजग रहने के लिए प्रेरित किया।

साथ ही शिक्षकों से विद्यालय की शैक्षणिक स्थिति, संसाधनों और आवश्यकताओं की जानकारी ली तथा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने भी क्षेत्र की समस्याओं एवं विकास से जुड़े मुद्दों को विधायक के समक्ष रखा। श्रीमती चतुरी नंद ने कहा कि क्षेत्र के समग्र विकास के लिए वे निरंतर प्रयासरत हैं और जनसमस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक विजय धृतलहरे, सहायक शिक्षक शंभूसिंह परेश्वर, मंडल अध्यक्ष पद्लोचन पटेल, विधायक प्रतिनिधि रमेश पटेल ,कोषाध्यक्ष कन्हैया पटेल, पुरन बरिहा, विजय भोई, विद्या सिदार ,कांग्रेस कार्यकर्तागण एवं ग्रामीण बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

खबर-खास

बेमचा स्कूल में नि: शुल्क सरस्वती सायकल का वितरण

महासमुन्द(समय दर्शन)। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बेमचा में सायकल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके मुख्य अतिथि के रूप में जनपद सदस्य संगीता राहुल चंद्राकर, शाला विकास समिति के अध्यक्ष लखनु राम निर्मलकर, विधायक प्रतिनिधि रविकांत चंद्राकर, उप सरपंच सुनीता कहार, वरिष्ठ नागरिक भगत राम साहू, हीरालाल साहू , सेवती यादव, राम दयाल साहू, लीलाधर साहू प्रधान पाठक के आतिथ्य व प्राचार्य एस एल पाटकर के मार्गदर्शन में प्रभारी व्याख्याता गंगा बंजारे के साथ विजयलक्ष्मी शर्मा प्रधान पाठक, खेमिन साहू एवं उपस्थित पालकगण के बीच हर्षोल्लास के साथ छात्राओं को सायकल वितरण किया गया।

उद्बोधन में अतिथि गण ने कहा कि यह छत्तीसगढ़ शासन का छात्राओं के लिये विशेष योजना है ताकि दूर दराज ग्रामीण क्षेत्र से हाई स्कूल पढ़ने आने वालों के लिये सुगम व सुविधा प्रदान करने के लिये नि:शुल्क सायकल प्रदान किया जाता है कि छात्राएं समय पर स्कूल पहुच सकें साथ ही इससे उनमें आत्मविश्वास भी बढ़ता है। निडरता की भावना बढ़ती है। सभी बच्चे अधिक मेहनत करें अच्छे अंको से पास हो अपने स्कूल माता पिता क्षेत्र का नाम रोशन करें। इस अवसर पर हायर सेकेंडरी स्कूल स्टाफ से प्राचार्य एस एल पाटकर, पी के ध्रुव, वाय एस बलिहार, नवीन चन्द्राकर, किरण पटेल, तारिणी कहार, महेश्वरी साहू ,कुन्ती दीवान, गंगा बंजारे, जुगनी गुंबर, अमृता कौर, आराधना साहू, संगीता चंद्राकर, डॉ सेवन दास मानिकपुरी ,रश्मि चंद्राकर, सुमन भारती कोशरे , विनोद वर्मा, मनीष साहू शकुंतला सोनी , रुक्मणी साहू ,सुषमा सागर ,जागेश्वरी गोस्वामी, आकांक्षा पात्रे के विद्यालयीन छात्र छात्राओं की उपस्थिति में सायकल वितरण किया गया।

बिर्रा में संगीतमय श्रीराम कथा कल से

बिर्रा (समय दर्शन)। श्री बम-भोले राम लीला मंडली बिर्रा में हर साल की तरह धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन 23 जनवरी से किया जा रहा है।इस बार संगीतमय श्रीराम कथा का आयोजन किया गया है। कथावाचक आचार्य पं राजेन्द्र कृष्ण महराज (श्रीधाम वृंदावन गुरूकुलम) होंगे।कथा का समय दोपहर दो बजे से हरि इच्छा तक। यज्ञाचार्य लखनदास महराज जी। वहीं मुख्य यजमान श्रीमती उषा दिलीप कुमार केंवट होंगे। संगीतमय श्रीराम कथा अलौकिक प्रसंग में 23 जनवरी को सुबह भव्य कलशयात्रा शोभायात्रा निकाली जाएगी। तत्पश्चात वेदी पूजन देव आह्वान के पश्चात प्रथम दिवस श्रीराम कथा महिमा,24 को भारद्वाज याज्ञवल्क्य संवाद शिव सती चरित्र शिव पार्वती विवाह,25 को श्रीराम जन्म महोत्सव,26 को श्रीराम बाल लीला,27 को धनुष यज्ञ श्री सीताराम विवाह,28 को श्रीराम वन गमन केंवट (निषाद राज) प्रसंग ,29 को भरत चरित्र,30 को अनुसुइया प्रसंग शबरी प्रसंग,31 को सुंदरकांड श्रीराम राज्याभिषेक कथा विश्राम 1 फरवरी को यज्ञ हवन पूर्णाहुति सहस्त्रधारा ब्राह्मण भोजन के साथ संगीतमय श्रीराम कथा का समापन होगा। आयोजन को लेकर श्री बम-भोले राम लीला मंडली देवांगन मुहल्ला एवं समस्त ग्रामवासी जुटे हुए हैं।

राज्य स्तरीय रोजगार मेले का आयोजन 29 से 31 जनवरी तक

दुर्ग (समय दर्शन)। शासन द्वारा जिले के शिक्षित बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र में रोजगार उपलब्ध कराने हेतु विशेष पहल की जा रही है। प्रदेश के कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग द्वारा आगामी 29, 30 और 31 जनवरी 2026 को शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, सेजबहार रायपुर में तीन दिवसीय 'राज्य स्तरीय रोजगार मेला' का आयोजन किया जा रहा है।

ओडेकेरा धान खरीदी केंद्र में गंभीर अनियमितता

सक्ती (समय दर्शन)। जिले के ओडेकेरा में स्थित धान खरीदी केंद्र में धान तौल को लेकर गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया है। किसानों का आरोप है कि शासन द्वारा निर्धारित मानक 40 किलो 600 ग्राम प्रति बोरी के स्थान पर खरीदी केंद्र प्रभारी द्वारा 41 किलो 300 ग्राम तक धान लिया जा रहा है। इस प्रकार प्रत्येक बोरी में 500 से 600 ग्राम अतिरिक्त धान की वसूली की जा रही है, जिससे किसानों को प्रत्यक्ष आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

किसानों का कहना है कि यह उनकी मेहनत की कमाई पर सीधा डाका है। एक ओर शासन किसानों के हित में पारदर्शी धान खरीदी का दावा कर रहा है, वहीं दूसरी ओर खरीदी केंद्र स्तर पर नियमों की खुलेआम अनदेखी की जा रही है।

यदि निर्धारित मात्रा से अधिक धान देने से इनकार किया जाता है तो खरीदी प्रभारी द्वारा यह कहकर धान वापस कर देने की धमकी दी जाती है कि धान साफनहीं है। मजबूरी में किसान अतिरिक्त धान देने को विवश हैं, क्योंकि धान लौटने की स्थिति में उन्हें दोबारा परिवहन और समय का नुकसान उठाना पड़ता है।

गौरतलब है कि सक्ती कलेक्टर अमृत विकास तोपनो द्वारा जिले के सभी धान खरीदी केंद्रों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि किसानों से केवल शासन द्वारा निर्धारित मानक के अनुसार ही धान की तौल की जाए और किसी भी प्रकार की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके बावजूद ओडेकेरा धान खरीदी केंद्र में ऐसी शिकायतें सामने आना प्रशासनिक निगरानी और जवाबदेही पर सवाल खड़े करता है।

छुरा जनपद में प्रधानमंत्री आवास योजना पर बड़ा सवाल

नांगझर में सरकारी कर्मचारी के नाम स्वीकृति, रसेला से लेकर गांव-गांव तक फैलता जा रहा आवास खेल

गरियाबंद (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) देश के सबसे गरीब, बेघर और कच्चे मकानों में रहने वाले परिवारों के लिए एक पक्की छत का भरोसा लेकर आई थी।लेकिन छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले के छुरा जनपद पंचायत क्षेत्र में यह महत्वाकांक्षी योजना लगातार विवादों में घिरती जा रही है। रसेला,सोरिद,हिराबतर और रुवाड जैसे मामलों के बाद अब ग्राम पंचायत घटकर्रा के आश्रित ग्राम नांगझर से सामने आया नया प्रकरण यह संकेत दे रहा है कि कथित अनियमितताओं की श्रृंखला अब भी जारी है।

ताजा मामला नांगझर निवासी उमेश साहु पिता समारू साहु से जुड़ा है, जो वर्ष 2017 से एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) में पदस्थ बताए जा रहे हैं।उपलब्ध दस्तावेजों के अनुसार वर्ष 2024ङ्क25 में उनके नाम प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान स्वीकृत किया गया। रिकॉर्ड में दर्शाया गया है कि पहली किस्त 8 सितंबर 2024 को और अंतिम किस्त 28 फरवरी 2025 को जारी हुई।इस तरह कुल 1 लाख 20 हजार रुपये की राशि का पूरा भुगतान हो चुका है और आवास को पूर्ण दर्शाया गया है।प्रधानमंत्री आवास योजना के दिशा-निर्देश स्पष्ट करते हैं कि नियमित सरकारी सेवा में कार्यरत व्यक्ति इस योजना के पात्र नहीं होते। इसके बावजूद किसी सरकारी कर्मचारी के नाम आवास स्वीकृत होना, निर्माण पूरा होना और पूरी राशि निकल जाना पूरे सिस्टम की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

,मामले में जब जिस व्यक्ति के नाम प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ है, उस उमेश साहु से संपर्क किया गया,तो उन्होंने कहा— मैं वर्ष 2017 से एसटीएफमें पदस्थ हूं। हां, मेरे नाम से प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ है। मकान का निर्माण भी पूरा हो चुका है और पूरी किस्त की राशि भी मिल चुकी है। मैं शासकीय कर्मचारी हूं, लेकिन मेरे नाम से आवास कैसे स्वीकृत हुआ, यह ग्राम पंचायत के सरपंच,सचिव और जनपद पंचायत के अधिकारी ही बता पाएंगे।यह बयान इस बात की पुष्टि करता है कि हितग्राही स्वयं सरकारी सेवा में होने की बात स्वीकार कर रहे हैं और स्वीकृति प्रक्रिया को लेकर जिम्मेदारी पंचायत व जनपद स्तर पर होने की ओर इशारा कर रहे हैं।

ग्रामीणों ने की पुष्टि

गांव के कई ग्रामीणों ने नाम प्रकाशित न करने की शर्त पर बताया कि—उमेश पिता समारु राम साहु एसटीएफ में शासकीय कर्मचारी हैं।इसके बावजूद उनके नाम से प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत हुआ और मकान का निर्माण भी कराया गया।ग्रामीणों का कहना है कि गांव में यह बात सभी जानते हैं कि उमेश साहु सरकारी सेवा में हैं, इसके बावजूद आवास योजना में उनका नाम जुड़ना समझ से परे है।

मामले में जब ग्राम पंचायत घटकर्रा से जानकारी ली गई तो वर्तमान सचिव कृष्णा कुमार साहु ने कहा कि यह मामला उनके कार्यभार संभालने से पहले का है और इसकी जानकारी पूर्व सचिव या तत्कालीन सरपंच ही दे सकते हैं।

शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान- सुखचंद बेसरा

भाजपा सरकार पर लगाया हिंदू विरोधी और परंपराओं को ठेस पहुंचाने का आरोप

गरियाबंद (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर आज गरियाबंद स्थित विश्राम गृह में पत्रकार वार्ता आयोजित की गई। इस दौरान कांग्रेस जिला अध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने प्रयागराज माघ मेले में जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शाही स्नान से रोके जाने की घटना की कड़ी निंदा की।सुखचंद बेसरा ने कहा कि जगद्गुरु शंकराचार्य का अपमान सीधे-सीधे सनातन धर्म का अपमान है। उन्होंने आरोप लगाया कि खुद को हिंदुत्व का ठेकेदार बताने वाली भाजपा सरकार का असली चेहरा अब सामने आ गया है,जहां हिंदू संतों के साथ दुर्व्यवहार किया जा रहा है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले 40 वर्षों से निरंतर शाही स्नान करते आ रहे हैं और यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड धार्मिक परंपरा से रोका गया।मौनी अमावस्या का शाही स्नान सनातन परंपरा का अभिन्न हिस्सा है, जिसे रोकना धार्मिक भावनाओं पर सीधा आघात है।

कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने सवाल उठाया कि जिस परंपरा को न मुगलों ने रोका और न अंग्रेजों ने, उसे रोकने का दुस्साहस आज की सरकार कैसे कर सकती है। उन्होंने कहा कि एक ओर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जेड प्लस सुरक्षा दी जाती है, वहीं दूसरी ओर शंकराचार्य के समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है।शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अपराध केवल इतना है कि वे सरकार से सवाल करते हैं—चाहे वह अयोध्या में अधूरे राम मंदिर का मुद्दा हो, महाकुंभ की अव्यवस्थाएं हों या कोविड काल में गंगा में तैरती लाशों का सच। इन्हीं सवालों से असहज होकर भाजपा सरकार उनका अपमान कर रही है।

इस दौरान ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अमित मिरी शहर कांग्रेस,वरिष्ठ कांग्रेसी नेता कृष्ण कुमार शर्मा श्रद्धा राजपूत पार्षद छगन यादव पूर्व पार्षद योगेश बघेल सहित अन्य कांग्रेसी नेता मौजूद रहे।

जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला को सफल, सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं जनसहभागिता युक्त बनाने के संबंध में बैठक आयोजित

जांजगीर-चांपा (समय दर्शन)। जिले में प्रस्तावित जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला को सफल, सुव्यवस्थित, गरिमामय एवं जनसहभागिता युक्त बनाने के उद्देश्य से कलेक्टोरेट सभाकक्ष में कलेक्टर श्री जन्मेजय महोबे की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव एवं एग्रीटेक कृषि मेला आयोजन 11 से 13 फरवरी 2026 तक किया जाएगा। इस अवसर पर जांजगीर-चांपा विधायक श्री ब्यास कश्यप, पूर्व संसदीय सचिव श्री अम्बेश जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष इंजी. सत्यलता आनंद मिरी, नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती रेखा देवा गढ़ेवाल, पुलिस अधीक्षक श्री विजय कुमार पांडेय, अपर कलेक्टर श्री ज्ञानेन्द्र सिंह ठाकुर, संयुक्त कलेक्टर श्री संदीप सिंह ठाकुर एवं जनप्रतिनिधिगण, मीडिया के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं मीडिया प्रतिनिधियों द्वारा अपने विचार एवं महत्वपूर्ण प्रस्ताव रखे गए। जाज्वल्यदेव लोक महोत्सव के दौरान लोक संस्कृति, परंपराओं एवं सांस्कृतिक धरोहर को प्रमुखता से प्रदर्शित करने साथ ही सुप्रसिद्ध कलाकारों, स्थानीय कलाकारों, लोक नृत्य, लोक गायन प्रस्तुतियों को मंच प्रदान किया जाएगा। एग्रीटेक कृषि मेला को किसानों के लिए जानकारी, तकनीक और लाभ का प्रभावी माध्यम बनाने पर चर्चा की गई साथ ही मेले में उन्नत कृषि तकनीक, आधुनिक कृषि यंत्र, जैविक एवं प्राकृतिक खेती, फसल विविधीकरण, जल संरक्षण एवं मृदा स्वास्थ्य तथा शासन की विभिन्न कृषक हितैषी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।

कापुडीह में बसंत पंचमी पर सार्वजनिक सरस्वती पूजा महोत्सव का भव्य आयोजन

बसना(समय दर्शन)। बसना विकासखंड के अंतर्गत के ग्राम कापुडीह(सागरपाली)जो बसना से लगभग 23 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है,इस क्षेत्र का पहला गांव है जहां सरस्वती पूजा महोत्सव को बड़े ही व्यापक और भव्य रूप में मनाया जाता है। सरस्वती पूजा के आयोजन के लिए यह गांव पूरे क्षेत्र में विशेष पहचान रखता है। ग्राम कापुडीह में सार्वजनिक सरस्वती पूजा महोत्सव का आयोजन लगातार 17 वें वर्ष किया जा रहा है। यह महोत्सव प्रत्येक वर्ष बसंत पंचमी के अवसर पर तीन दिवसीय कार्यक्रम आयोजित होता है। कार्यक्रम में प्रथम दिवस शुक्रवार 23 जनवरी 2026 को सुबह 10 बजे कलश यात्रा तथा दोपहर 12:30 बजे माता सरस्वती की मूर्ति स्थापना की जाएगी। वहीं सोमवार 26 जनवरी 2026 को गांव के शासकीय प्राथमिक विद्यालय में ध्वजा रोहण के पश्चात विधिवत मूर्ति विसर्जन एवं प्रसाद वितरण के साथ आयोजन का समापन होगा। सरस्वती पूजा महोत्सव में शामिल होने के लिए गांव सहित आसपास एवं दूर-दराज के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं।

श्रद्धालु माता सरस्वती की पूजा-अर्चना कर ज्ञान,बुद्धि और विवेक की कामना करते हैं।

महोत्सव के दौरान रात्रिकालीन मनोरंजन कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे।

प्रथम दिवस (23 जनवरी 2026 दिन शुक्रवार)को भागवत कीर्तन,द्वितीय दिवस (24 जनवरी 2026 दिन शनिवार)को बच्चों का सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा

तृतीय दिवस (25 जनवरी 2026 दिन रविवार)को गम्मत-गंवई के हीरा(छत्तीसगढ़ी नाच पार्टी,जेवरा) द्वारा शानदार प्रस्तुति दी जाएगी।

सरस्वती पूजा महोत्सव के अवसर पर विशेष आकर्षण के रूप में भव्य मीना बाजार का आयोजन भी किया जा रहा है।

यह मीना बाजार 23 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक शासकीय प्राथमिक विद्यालय के सामने स्थित खेल मैदान कापुडीह में आयोजित होगा,जहां बच्चों एवं ग्रामीणों के लिए मनोरंजन एवं खरीदारी की विशेष व्यवस्था रहेगी।

ग्रामवासियों एवं आयोजन समिति ने श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर सरस्वती पूजा महोत्सव में सहभागिता करने की अपील की है।

बच्चों के बैठने की सुविधा नहीं,मोटरसाइकल रखने बनाए स्टैंड, स्कूल जतन योजना का बुरा हाल

गरियाबंद (समय दर्शन)। राज्य शासन द्वारा शिक्षा के स्तर को ऊंचा करने के साथ बच्चों के भविष्य को ध्यान में रखकर स्कूली बच्चों को हर सुविधा दे रही है,साथ ही स्कूलों में सुविधा उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त राशि भी आबंटित किया जा रहा है,लेकिन शिक्षा से जुड़े विभाग की लापरवाही कहे या उनके अपने स्वार्थ को लेकर स्कूली बच्चों को अपनी स्वयं की सुविधा के लिए मोहताज होना पड़ रहा है,ऐसी ही स्थिति जिला मुख्यालय से 15 किलोमीटर दूर ग्राम टेवारी के प्राथमिक शाला का है।

ज्ञात हो कि राज्य शासन द्वारा स्कूलों के लिए नए भवन के निर्माण के साथ अच्छे भवनों को भी सुसज्जित करने के लिए लाखों रुपए की राशि का आबंटन किया गया था,लेकिन जिला प्रशासन में बैठे कुछ अधिकारियों के स्वार्थ के चलते जर्जर भवन के जीर्णोद्धार के लिए आए राशि को अन्य कार्यों में खर्च कर दिए है।ज्ञात हो कि ग्राम टेवारी के प्राथमिक शाला भवन के कमरे का छज्जा काफी जर्जर हो गया है,उस कमरे के छत का छड़ निकलकर बाहर आ गया है जिसके चलते बरसात के दिनों में पूरा चार महीने तक पानी टपकते रहता है,वही छत के गिर जाने के डर से स्कूल स्टाफबच्चों को कमरे के अंदर बिठाने से डरते है और बच्चों को अन्यत्र बिठाकर पठन कार्य कराते है,साथ ही उक्त जर्जर कमरे के छत में पानी का सीपेज अभी तक व्याप्त है।इस स्थिति से स्कूल विभाग के अधिकारियों को अवगत कराए और कमरा मरम्मत के लिए राशि की मांग किए,जिससे राशि तो मिला लेकिन सहायक आयुक्त विभाग के स्वार्थ के चलते उक्त राशि से कमरे का जीर्णोद्धार न कर राशि को दूसरे कार्य में खर्च कर दिए।जिसके चलते बच्चे उसी जर्जर कमरे में बैठने मजबूर है। स्कूल स्टाफ द्वारा बच्चों की सुरक्षा और भविष्य के भविष्य के लिए कमरे के जीर्णोद्धार करने स्कूल जतन योजना के तहत राशि की मांग किए,और राशि स्वीकृत भी हुआ लेकिन वो राशि वो राशि किस मद से आया कहा खर्चा हुआ ये अलग कहानी बया करता है।गौरतलब है कि राज्य शासन द्वारा 8 लाख 49 हजार की राशि स्वीकृत किया गया।

।। न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन, जिला दुर्ग (छत्तीसगढ़) ।।

// ईश्तहार //

रा.प्र. क्र. / 202601101500027 / अ-74 / 2025-26

ग्राम खर्रा, प.ह.नं. 38
तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)
पाटन, दिनांक 16/01/2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका नंदनी बाई साहू पिता रिखीराम निवासी वार्ड क्र. 01 खुदनी खोरदो तहसील गुरूर जिला बालोद द्वारा मौजा ग्राम खर्रा पहन 38 तहसील पाटन जिला दुर्ग स्थित हक, स्वामित्व एंव भू राजस्व अभिलेख में दर्ज भूमि खसरा नं. 476/3, 537/3, 764 / 3 रकबा क्रमशः 0.17, 0.31, 0.06 हे. कुल खसरा 03 रकबा 0.54 हे. भूमि का मूल ऋण पुस्तिका गुम हो जाने से द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका प्राप्त करने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है। प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः आवेदिका द्वारा प्रस्तुत द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा / आपत्ति प्रस्तुत करना हो तो वे नियत सुनवाई दिनांक 04/02/2026 तक स्वतः या अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत समयावधि के बाद प्राप्त दावा / आपत्ति पर न्यायालय द्वारा विचार नहीं किया जावेगा ।

ईश्तहार आज दिनांक 16/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

मुहर

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला-दुर्ग (छ.ग.)

BEFORE THE LD. NOTARY PUBLIC AT CHIRIMIRI

AFFIDAVIT

I. FARUKH ANSARI, aged about 72 years, son of MOHMMAD MUSA ANSARI, Muslim by religion, Housewife by occupation, residing at Ward No 05, old miners pondi, West Chirimiri P.O. West Chirimiri, Dist. MCB (C.G.) 497773 do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1) That MD. EKRAM ANSARI is my son, who is serving in Indian Army being Service No.4582578N, Rank L/NK Unit 15 Mahar Regiment.

2) That my actual / correct name is FARUKH ANSARI, and my correct DOB is 10/10/1953 which has correctly been written in my Aadhaar Card being No. 9705 5691 3343 and also in my PAN Card being No.AMSPA5798H.

3) That in my son's service record, wherein my name has been wrongly written/recorded as MD FAROOKH ANSARI and my DOB is 10/03/1959 in place of my actual /correct name i.e. N FARUKH ANSARI, and my actual/correct DOB i.e. is 10/10/1953

4) That I am swearing this affidavit for the purpose of correction my actual/correct name as KAANSARI, and my correct DOB 10/10/1953 in place of my wrongly name i.e. MD FAROOK ANSARI and my DOB is 10/03/1959 in my son's service record.

That the statements made above are true to the best of my knowledge and I sign this affidavit on this the 20th day of January, 2026 at Chirimiri

Declarant
FARUKH ANSARI

BEFORE THE LD. NOTARY PUBLIC AT CHIRIMIRI

AFFIDAVIT

I NAJMA BEGAM, aged about 65 years, Wife of FARUKH ANSARI, Muslim by religion, Housewife by occupation, residing at Ward No 05, old miners pondi, West Chirimiri P.O. West Chirimiri, Dist. MCB (C.G.) 497773 do hereby solemnly affirm and declare as follows:-

1) That MD. EKRAM ANSARI is my son, who is serving in Indian Army being Service No.4682578N, Rank L/NK Unit 15 Mahar Regiment.

2) That my actual / correct name is NAJMA BEGAM, and my correct DOB is 08/05/1960 which has correctly been written in my Aadhaar Card being No. 3251 2170 5752 and also in my PAN Card being No.BW.JPB7870B.

3) That in my son's service record, wherein my name has been wrongly written/recorded as NAJMA BEGUM and my DOB is 20/01/1964 in place of my actual /correct name i.e. NAJMA BEGAM, and my actual /correct DOB i.e. is 08/05/1960

4) That I am swearing this affidavit for the purpose of correction my actual/correct name as NAJMA BEGAM, and my correct DOB 08/05/1960 in place of my wrongly name i.e. NAJMA BEGUM and my DOB is 20/01/1964 in my son's service record.

That the statements made above are true to the best of my knowledge and I sign this affidavit on this the 20th day of January, 2026 at Chirimiri

Declarant
NAJMA BEGAM

कार्यस्थल पर सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण के लिए जिला न्यायालय दुर्ग में विशेष कार्यशाला आयोजित

दुर्ग(समय दर्शन)। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के मार्गदर्शन में जिला न्यायालय दुर्ग के नवीन सभागार में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा महिलाओं का कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 (क्कह्रस्॥॥्र ष्ह्ल) के अंतर्गत महिलाओं को कार्यस्थल पर सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण प्रदान करने के उद्देश्य से एक जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला के दौरान वक्ताओं ने कहा कि वर्तमान समय में सरकारी एवं गैर-सरकारी दोनों ही क्षेत्रों में बड़ी संख्या में महिलाएं कार्यरत हैं। कई बार महिलाएं कार्यस्थल पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न अथवा अनुचित व्यवहार के विरुद्ध आवाज़ उठाने से डरती हैं या जानकारी के अभाव में शिकायत नहीं कर पातीं। इसी को ध्यान में रखते हुए क्कह्रस्॥ ष्ह्ल लागू किया गया है, ताकि महिलाएं बिना किसी भय के अपनी शिकायत दर्ज कर सकें और सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में कार्य कर सकें। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग ने अपने संबोधन में महिला कर्मचारियों के साथ घटित मामलों के उदाहरणों के माध्यम से यह स्पष्ट किया कि लैंगिक उत्पीड़न (निवारण, प्रतिषेध एवं प्रतितोष) अधिनियम, 2013 क्यों आवश्यक है। उन्होंने कहा कि ऐसे कानूनों की जानकारी एवं समय-समय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति सजग हो सकें और किसी भी प्रकार की प्रताड़ना के विरुद्ध निर्भीक होकर आवाज़ उठा सकें।

उक्त कार्यशाला में महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी द्वारा स्॥द्ग-क्च्र× पोर्टल (ह्यद्धद्गड्ढश्र×.2ष्स्न.द्दश1.द्बठ्ठ) की विस्तृत जानकारी दी गई तथा बताया गया कि कार्यस्थल पर लैंगिक उत्पीड़न की स्थिति में महिलाएं इस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन शिकायत दर्ज कर सकती हैं और इसका लाभ उठा सकती हैं। इस अवसर पर चतुर्थ जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष आंतरिक शिकायत समिति, जिला न्यायालय दुर्ग ने बताया कि जिला न्यायालय दुर्ग में भी **POSH Act** के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु आंतरिक शिकायत समिति का गठन पूर्व से ही किया गया है, जिससे न्यायालय परिसर में कार्यरत महिलाओं को सुरक्षित कार्य वातावरण सुनिश्चित किया जा सके।

सोनकर कॉलेज, मुंगेली में 19वीं राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य समापन

विकलांग विमर्श पर देशभर के शिक्षाविदों का मंथन, मुंगेली को मिली राष्ट्रीय पहचान

मुंगेली(समय दर्शन)। मुंगेली में 17 एवं 18 जनवरी 2026 को सोनकर कॉलेज, मुंगेली में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का भव्य और गरिमामय समापन हुआ। इस संगोष्ठी का विषय था विकलांग विमर्शः एक अध्ययन, जिसमें देशभर के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों, शोधार्थियों, प्राचार्यों, प्राध्यापकों और समाजसेवियों ने हिस्सा लिया। यह आयोजन मुंगेली क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा और गौरवशाली शैक्षणिक कार्यक्रम माना जा रहा है।

कॉलेज के डायरेक्टर शिव आशीष सोनकर ने संगोष्ठी के आयोजन का स्वागत करते हुए बताया कि इसका शुभारंभ 17 जनवरी को डॉ. व्ही. के. सरस्वत, कुलपति पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय, बिलासपुर के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस दौरान डॉ. विनय कुमार पाठक, राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद एवं कुलपति थावे विद्यापीठ, गोपालगंज (बिहार) ने अध्यक्षता की। संगोष्ठी में न्यायमूर्ति चंद्र भूषण वाजपेई (पूर्व न्यायाधीश, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय), मदन मोहन अग्रवाल (राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद), संतुलाल सोनकर (संस्थापक, सोनकर कॉलेज), और शिव आशीष सोनकर विशेष अतिथि के रूप में मंच पर मौजूद रहे।

तकनीकी सत्रों में गहन शैक्षणिक विमर्श

संगोष्ठी के समन्वयक डॉ. गजेंद्र तिवारी ने बताया कि उद्घाटन सत्र के बाद प्रातः 11 बजे से तकनीकी सत्रों की शुरुआत हुई। पहले सत्र की अध्यक्षता अमलनेर, महाराष्ट्र के प्रसिद्ध शिक्षाविद डॉ. सुरेश माहेश्वरी ने की। इस सत्र में डॉ. रामशंकर भारती (झांसी, उत्तर प्रदेश), डॉ. अनीता सिंह (बिलासपुर) एवं डॉ. विनोद कुमार वर्मा (बिलासपुर) ने अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। प्रोफेसर सी. के. सरस्वत, कुलपति पंडित सुंदरलाल शर्मा मुक्त विश्वविद्यालय ने अपने संबोधन में कहा कि सोनकर कॉलेज निरंतर शैक्षिक गुणवत्ता के लिए काम कर रहा है और यहां विविध प्रकार के पाठ्यक्रम संचालित होते हैं। उन्होंने कहा, यह कॉलेज विद्यार्थियों को एक मंच प्रदान कर रहा है, जहां वे अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित कर सकते हैं।

संक्षिप्त-खबर

सौर पैनल के केबल को चोरी करते चोर को पकड़ने पहुंचे ग्रामीण, दो चोर बाइक छोड़कर भाग गए, रानीतराई पुलिस जांच में जुटी

पाटन(समय दर्शन)। चूलगहन गांव में सौर पैनल का केबल तार चोरी करते समय ग्रामीणों ने चोरों को रंगे हाथों पकड़ लिया। बताया जा रहा है कि दो चोर रात के समय सौर पैनल का केबल तार चुरा रहे थे। ग्रामीणों को भनक लगते ही उन्होंने घेराबंदी की, लेकिन चोर बाइक और केबल तार मौके पर छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए।

घटना की सूचना मिलते ही रात में ही रानीतराई पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। ग्रामीणों ने चोरों द्वारा छोड़ी गई बाइक को अपने कब्जे में लेकर थाना पहुंचाया, जहां पुलिस ने बाइक जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि बाइक के नंबर और अन्य साक्ष्यों के आधार पर फरार चोरों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जाएगी। गांव में हुई इस घटना के बाद ग्रामीणों में सतर्कता बढ़ गई है।

पाटन अटारी के यतीश वर्मा बने विद्युत कर्मचारी जानता यूनियन के पुनः प्रदेश उपाध्यक्ष, पाटन क्षेत्र मैं खुशी की लहर

पाटन (समय दर्शन)। विद्युत कर्मचारी जनता यूनियन प्रदेश संगठन का नए सिरे से चुनाव हुआ इसमें पाटन के अटारी वार्ड में रहने वाले यतीश वर्मा एक बार फिर से उपाध्यक्ष चुने गए हैं। यतीश के चुने जाने से पाटन क्षेत्र में खुशियों की लहर है।

अयोध्या में श्रीराम मंदिर स्थापना की तृतीय वर्षगांठ पर ग्राम फुंडा में कलश यात्रा, ग्रामीणों में उत्साह

पाटन(समय दर्शन)। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर की स्थापना की तृतीय वर्षगांठ के अवसर पर ग्राम फुंडा में भव्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में मंगलवार को ग्राम में कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाओं एवं श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कलश यात्रा पूरे गांव में भ्रमण करते हुए पूजा स्थल तक पहुंची।

आयोजन समिति के अनुसार 22 जनवरी को पांच कुंडीय यज्ञ का विधिवत आयोजन किया जाएगा। यज्ञ में वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ आहुतियां दी जाएंगी और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की जाएगी। कार्यक्रम के समापन अवसर पर सायंकाल भंडारे का आयोजन किया गया है, जिसमें सभी श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। इसके अलावा भजन मंडली द्वारा भक्ति भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी, जिससे पूरा गांव भक्तिमय माहौल में सराबोर रहेगा। कार्यक्रम को लेकर ग्रामीणों में विशेष उत्साह देखा जा रहा है और आयोजन को सफल बनाने के लिए सभी मिलकर सहयोग कर रहे हैं।

दो दिवसीय सत्संग समारोह 22 एवं 23 जनवरी को अरसनारा में आयोजित

पाटन(समय दर्शन)। पाटन विधानसभा के ग्राम अरसनारा में प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी दो दिवसीय सत्संग समारोह आयोजित किया गया है। यह आयोजन दिनांक 22 एवं 23 जनवरी 2026, दिन- गुरूवार एवं शुक्रवार को समस्त ग्रामवासीयों के सहयोग से आयोजित है। संत शिरोमणि सद्गुरु श्री कबीर साहेब जी के विचार कि समाज में व्याप्त बुराईयों को दूर कर प्रेम,अहिंसा एवं सदाचार का पाठ पढ़ाकर एक सूत्र में पिरोकर मानवता का दिव्य संदेश को जनजन तक पहुंचाने हेतु परमपूज्य संत श्री निष्ठा साहेब जी श्री कबीर आध्यात्म संस्थान मुंजापुर, मसौली (बाराबंकी) उत्तरप्रदेश से अपने संत मंडली सहित उपस्थिति प्रदान कर रहे हैं ।दोनों दिवस में दो सत्र में भजन एवं प्रवचन होगा, जिसमें प्रथम सत्र में सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे एवं द्वितीय सत्र में दोपहर 3.00 बजे से शायं 5.30 बजे तक सत्संग आयोजित है। अतः आप समस्त धर्मप्रेमी हंसजनों से आग्रह है कि समय को ध्यान में रखते हुए सत्संग एवं संतदर्शन का लाभ लेने सहपरिवार सादर आमंत्रित हैं ।यह जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष डेहरलाल साहू ने प्रदान किया।

मनरेगा बचाओ अभियान के तहत पथरीय ब्लॉक में कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

मुंगेली(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ प्रदेश में मनरेगा को लेकर सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी तारतम्य में जिला कांग्रेस कमेटी मुंगेली पार्टी द्वारा 12 जनवरी से 26 फरवरी तक चलाए जा रहे मनरेगा बचाओ अभियान के तहत प्रदेश भर में विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। इस कड़ी में पथरीय ब्लॉक में भी कांग्रेस ने जोरदार प्रदर्शन किया, जिसमें जिला कांग्रेस अध्यक्ष घनश्याम वर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने मनरेगा की वर्तमान स्थिति को लेकर सरकार के खिलाफविरोध दर्ज कराया।

प्रतीकात्मक तरीके से विरोध प्रदर्शन

प्रदर्शन का तरीका प्रतीकात्मक और संदेश देने वाला रहा, जिसमें कार्यकर्ताओं ने मनरेगा के तहत गोदी खुदाई कर अपनी नाराजगी जताई। प्रदर्शन में कांग्रेस के जिला, ब्लॉक और मंडल स्तर के पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल हुए। सभी ने एक स्वर में मनरेगा को कमजोर किए जाने का आरोप लगाते हुए सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान मजदूर हितों की अनदेखी और मनरेगा के नियमों में किए गए बदलावों को लेकर गहरी नाराजगी देखने को मिली।

घनश्याम वर्मा ने सरकार पर लगाए गंभीर आरोप

इस मौके पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष घनश्याम वर्मा ने कहा कि मनरेगा देश की सबसे महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी योजनाओं में से एक है, जिसने ग्रामीण क्षेत्र के गरीब और जरूरतमंद मजदूरों को रोजगार की गारंटी दी है। लेकिन वर्तमान में मनरेगा के नियमों में किए जा रहे बदलावों से इस योजना की मूल भावना और आत्मा को खत्म किया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि काम के दिनों में कटौती, मजदूरी भुगतान में देरी और नए नियमों के कारण मजदूरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

वर्मा ने कहा कि वर्तमान सरकार मजदूरों के अधिकारों से खिलवाड़ कर रही है, और इसका खामियाजा ग्रामीण क्षेत्रों को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने समय रहते मनरेगा से जुड़े नियमों में सुधार नहीं किया और मजदूरों के हितों की रक्षा नहीं की, तो कांग्रेस पार्टी इसका करारा जवाब देगी। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस नेताओं ने यह भी कहा कि मनरेगा केवल रोजगार की योजना नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। इस योजना के कमजोर होने से गांवों में बेरोजगारी बढ़ेगी और गरीब परिवारों पर सीधा असर पड़ेगा। उन्होंने मांग की कि मनरेगा को उसके मूल स्वरूप में लागू किया जाए, मजदूरों को समय पर भुगतान सुनिश्चित किया जाए और नियमों में किए गए जनविरोधी बदलावों को वापस लिया जाए।

मनरेगा बचाओ अभियान जारी रहेगा

कार्यक्रम के अंत में कांग्रेस नेताओं ने स्पष्ट किया कि मनरेगा बचाओ अभियान केवल एक दिन का प्रदर्शन नहीं है, बल्कि यह 26 फरवरी तक पूरे प्रदेश में लगातार जारी रहेगा। आने वाले दिनों में जिले के अन्य ब्लॉकों में भी इसी तरह के विरोध प्रदर्शन और जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

पथरीय ब्लॉक में हुए इस प्रदर्शन से यह साफसंकेत मिल रहा है कि मनरेगा को लेकर सियासत आने वाले दिनों में और तेज हो सकती है।

नितिन नबीन के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर पाटन में हर्षोल्लास, कार्यकर्ताओं ने मनाया उत्सव

पाटन (समय दर्शन)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की उपस्थिति में नितिन नबीन का भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में चयन होना पार्टी कार्यकर्ताओं के लिए अत्यंत हर्ष और गौरव का विषय है। इसी शुभ अवसर पर भारतीय जनता पार्टी पाटन मंडल द्वारा रेस्ट हाउस, पाटन में संकल्प एवं हर्ष-उल्लास कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के दौरान कार्यकर्ताओं ने आतिशबाज़ी कर एवं मिठाइयों का वितरण कर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की। उत्साहित कार्यकर्ताओं ने संगठन के प्रति अपनी निष्ठा, एकजुटता और विश्वास को सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सलीम राज (चेयरमैन, छत्तीसगढ़ राज्य वक्फबोर्ड) की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में विशेष रूप से नगर पंचायत पाटन अध्यक्ष योगेश निक्की भाले,पाटन मंडल अध्यक्ष श्रीमती रानी केशव बंछोर, नगर पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती निशा सोनी, सभापति केवल देवांगन, महामंत्री अखिलेश मिश्रा, दामोदर चक्रधारी, सागर सोनी, हरप्रसाद आदिल, विजय बंछोर (सोशल मीडिया प्रभारी), मिलन देवांगन,प्रकाश बिजौरा सहित बड़ी संख्या में वरिष्ठ, ज्येष्ठ एवं समर्पित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना जाना संगठन को नई ऊर्जा, सशक्त दिशा और मजबूती प्रदान करेगा। यह आयोजन भाजपा की एकता, अनुशासन और मजबूत नेतृत्व में अटूट विश्वास का सशक्त प्रतीक बना।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने किया निजी अस्पताल का औचक निरीक्षण

मुंगेली(समय दर्शन)। कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देशानुसार जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. शीला साहा ने छत्तीसगढ़ नर्सिंग होम अधिनियम 2013 के अंतर्गत लोरमी स्थित साहू हास्पिटल का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की महिला एवं पुरुष वार्ड, आईसीयू, ऑपरेशन थिएटर, दवा भंडारण कक्ष सहित अन्य प्रमुख विभागों का गहन अवलोकन किया गया। अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सकीय सुविधाओं, डॉक्टरों की उपस्थिति, नर्सिंग स्टाफ, स्वच्छता व्यवस्था एवं मरीजों को दी जा रही सेवाओं की विस्तार से जांच की गई। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी ने निरीक्षण के दौरान अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि मरीजों के उपचार के दौरान सभी आवश्यक विशेषज्ञ डॉक्टर समय पर उपलब्ध रहें तथा अस्पताल में शासन द्वारा निर्धारित सभी मानकों एवं नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही अस्पताल में अग्नि सुरक्षा, पंजीयन संबंधी दस्तावेजों एवं आवश्यक संसाधनों की भी जांच की गई। सीएमएचओ ने स्पष्ट किया कि जिले में संचालित सभी निजी अस्पतालों एवं नर्सिंग होम्स की नियमित जांच जारी रहेगी तथा किसी भी प्रकार की लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

जगतगुरू शंकराचार्य को स्नान से रोकना भाजपा का हिन्दू विरोधी चरित्र - कांग्रेस

शंकराचार्य का अपमान सनातन धर्म का अपमान है

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। कांग्रेस ने प्रयागराज माघ मेले में शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद को शाही स्नान से रोके जाने और उनके साथ हुए दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है। जिला कांग्रेस कमेटी दंतेवाड़ा द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता को जिला अध्यक्ष सलीम रज़ा उस्मानी, महामंत्री मनीष भट्टाचार्य,महामंत्री व प्रवक्ता विमल सलाम, युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष गणेश दुर्गा, पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष विवेक देवांगन ने सँयुक्त रूप से सम्बोधित करते हुए कहा कि खुद को हिंदुओं का मसीहा बताने वाली भाजपा सरकार हिंदु संतों का अपमान कर रही है और आज हालात यह हैं कि शंकराचार्य को अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर आशंका है और पिछले 36 घंटे से अनशन पर बैठने को मजबूर होना पड़ा हैं, लेकिन सरकार की ओर से अब तक शंकराचार्य से बातचीत का कोई प्रयास नहीं किया गया। शंकराचार्य जी का अपमान सनातन धर्म का अपमान है।

शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद पिछले 40 वर्षों से नियमित रूप से शाही स्नान करते आ रहे हैं और यह पहली बार है जब उन्हें इस अखंड धार्मिक परंपरा से रोका गया है। मौनी अमावस्या का शाही स्नान एक अखंड परंपरा है, भाजपा सरकार ने शंकराचार्य जी को स्नान से रोक कर सनातन परंपरा का अपमान किया है।

भाजपा सरकार पिछले 12 वर्षों से केंद्र में सत्ता में है और हिंदुओं के नाम पर राजनीति करती रही है, लेकिन आज वही सरकार शंकराचार्य एवं उनके समर्थकों के साथ दुर्व्यवहार कर रही है, उनके शिष्यों को बाल पकड़कर घसीटा जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि शाही स्नान जैसी सदियों पुरानी परंपरा को रोकने का दुस्साहस किसी सरकार को कैसे हुआ, जबकि इस परंपरा को न मुगलों ने रोका था और न ही अंग्रेजों ने।

एक ओर आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत को जेड-प्लस सुरक्षा दी जाती है, वहीं दूसरी ओर शंकराचार्य के समर्थकों के साथ मारपीट की जाती है। शंकराचार्य को उनकी पालकी पर जाने तक की अनुमति नहीं दी जाती। उन्होंने सवाल किया कि क्या मोहन भागवत शंकराचार्य से बड़े हो गए हैं? शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का अपराध केवल इतना है कि वे कमियों पर सवाल उठाते हैं, सरकार की आलोचना करते हैं, अयोध्या में आधे-अधूरे राम मंदिर की प्राण-प्रतिष्ठा पर आपत्ति जताते हैं, महाकुंभ में अव्यवस्थाओं और कोविड काल के दौरान गंगा में तैरती लाशों का उल्लेख करते हैं। इसीलिए भाजपा उनका अपमान करने पर तुली है।

ग्राम नंदिनी खुंदिनी मे एतिहासिक कार्यक्रम पंथी नृत्य प्रतियोगीता एवं भव्य मंड़ई मेला

नंदिनी खुंदिनी (समय दर्शन)। अध्यक्ष न्यू आदर्श युवा संगठन ग्राम नंदिनी खुंदिनी तहसील अहिवारा जिला दुर्ग छत्तीसगढ़ के तत्वाधान में शनिवार / रविवार को प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष न्यू आदर्श युवा संगठन ग्राम नंदिनी खुंदिनी के द्वारा भव्य पंथी नृत्य प्रतियोगिता एवं भव्य मंड़ई मेला का आयोजन किया गया था कार्यक्रम को सफल पूर्वक सम्पन करने मे जिनकी विशेष योगदान रहा है जो वयक्ति असमाजिक तत्व फैलाने की कोशिश किया गया था उसे घेरा बंदी कर दबोच कर जेल भेज दिया गया है।

दो दिन की कार्यक्रम मे अपनी कर्तव्य का निर्वाहन विशेष पुलिस बल / 112 के साथ सेवा मे हर पल तत्पर रहे और विशेष योगदान रहा है। कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, राधे श्याम वर्मा तहसीलदार (अहिवारा) , थाना प्रभारी डॉ भानु प्रताप साव, उग्र सेन जगत (उपनिरीक्षक , गजभान सिंग (सहायक उप निरीक्षक), विजय कुमार गायकवाड, सतीश यादव, निलम गोस्वामी, राजेन्द पाटिल, तथा कनिष्ट यांत्रिकी महोदय जी (अहिवारा) , के द्वारा सफलता पूर्वक कार्यक्रम कराने मे विशेष सुरक्षा वयवस्था बनाने मे सहयोग प्रदान किये बहुत बहुत आभार वयक्त करता हूँ तथा 17 /18 तारिक को दोनो दिन तक मंच पर मुख्य अतिथि तथा दाना दाता/ईनाम दाता/ ग्राम वासीगण भारी संख्या मे उपस्थित रहे 17 तारिक को मुख्य अतिथि दिनेश चतुर्वेदी जी (संस्थापक भीम रजि मेंट छत्तीसगढ़) , अतिविशेष अतिथि डॉ देवेश डहरिया जी , श्री मान हेम लाल चतुर्वेदी जी (स्टार गायक) , नैन दास कुरे जी , ग्राम के सभी पंच गण उपस्थित रहे

18 तारिक के मुख्य अतिथि श्री मति ऊषा सोनवानी जी (जिला पंचायत सदस्य) ,

विशेष अतिथि श्री मति मंजू पाटिल जी (जनपद सदस्य) श्री मान मनीष बंजारे जी (जिला महंत) , श्री मति खुशबु यादव जी (सरपंच) , श्री लंकेश नाहटा जी (उप सरपंच) , श्री वामन साहू जी (पुर्व सरपंच) , श्री घनश्याम यादव (संरक्षक) , डॉ दीक्षा राजपुत जी (सलाहकार) , दाऊ प्रमोद चन्द्रकार जी , श्री संजय दुबे जी द्व्रद्म लक्ष्मी , श्री मान स्टार × सेसा देवा जी , श्री डॉ संतोष साहू जी (परपोडी) डॉ सदा नंद बक्सी , डॉ अमित विश्वास , डॉ अमित विश्वास , डॉ के के जांगडे , डॉ भुवन जांगडे , डॉ बलदाऊ निर्मल कर , डॉ मयंक , श्री मान सत कुमार साहू जी (arm4) श्री भागीरथी पटेल , श्री नरेश कुमार पटेल (शिक्षक) , सँजु गायकवाड (सलाहकार) , भरत पटेल, मनोज पटेल जी , श्री पुरुसोत्तम पटेल, राकेश कुमार लहरे जी (शिक्षक) , श्री कमलेश कुमार मरकाम , श्रीमति शारदा पटेल , श्रीमति सकुन लता पटेल , शत्रुहन पटेल , श्री मति गायत्री जांगड़े ,मधुसूदन जगदीस शंकर पांडे , श्री जीतू पाल , श्री ईशवर रौकि बंजारे आदि उपस्थित थे।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर, समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालयः-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26